रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:63 | शुक्रवार,07 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

सट्टेबाजी केस: ईडी की बड़ी कार्रवाई

एजेंसी

सियोल। प्रवर्तन निदेशालय यानी एऊ ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की कुल रू.11.14 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त कर ली है. यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून , 2002 के तहत की गई है. अटैच की गई संपत्तियों में सुरेश रैना के नाम पर रू.6.64 करोड़ के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर रू.4.5 करोड़ की एक अचल संपत्ति शामिल है. क्या है मामला?ःईडी की जांच कई राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है, जो गैरकानूनी ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म से जुड़ी है. जांच मेंसामने आया है कि और उसके सुरोगेट ब्रांड- भारत में बिना किसी अनुमति केऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का प्रचारकर रहे थे.ईडी के मुताबिक, रैना औरधवन ने विदेशी कंपनियों के साथ मिलकर इन प्लेटफॉर्म्स का प्रचार किया और इसके बदले उन्हें विदेशी रास्तों से भुगतान किया गया. ये पैसे गैरकानूनी सट्टेबाजी से कमाए गए थे, जिनकी असली पहचान छिपाने के लिए जटिललेनदेन किए गए.

अमूल बना दुनिया का नंबर वन सहकारी संगठन

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात कोओपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड अमूल ने वैश्विक मंच पर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा जारी 'वर्ल्ड कोऑपरेटिव मॉनिटर 2025' रिपोर्ट के अनुसार अमूल को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर दुनिया का नंबर-1 सहकारी संगठन घोषित किया गया है.यह रैंकिंग कतर के दोहा में आयोजित प्रतिष्ठित क्ऊअ सीएम50 सम्मेलन में घोषित की गई, जहां अमूल को सर्वश्रेष्ठ सहकारी संगठन का सम्मान दिया गया. अमूल ने भारतीय सहकारी क्षेत्र की एक और दिग्गज कंपनी इफको को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है. ऐतिहासिक उपलब्धिः पशुपालकों का सम्मान : अमूल के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने इस उपलब्धि को न केवल अमूल, बल्कि गुजरात और देश के लाखों पशुपालकों की कड़ी मेहनत और समर्पण का भी सम्मान बताया. उन्होंने कहा कि यह वैश्विक मान्यता भारतीय सहकारी क्षेत्र की मजबूती का प्रमाण है.आईसीए रैंकिंग में अमूल रोजगार सृजन, गरीबी उन्मूलन और देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान जैसे सभी महत्वपूर्ण मानदंडों पर टॉप पर रहा है. यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा दुनिया भर की 300 टॉप सहकारी समितियों की जीडीपी-

फिलीपींस में तूफान का कहर,241 की मौत

एजेंसी

फिलीपींस।फिलीपींस में तूफानकालमेगी ने भारी तबाही मचा दी है. खबर है कि तूफान के कारण देश के मध्य प्रांतों में कम से कम 241लोगों की मौत हो गयी है. भारी संख्या में लोग लापता हैं. इनमें से अधिकतर मध्य प्रांत सेबू के निवासी हैं. यह प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है. फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने आज गुरुवार, 6 नवंबर को देश में आपातकाल की घोषणा कर दी . सूत्रों के अनुसार ज्यादातर लोगों की मौत तूफान के कारण अचानक आयी बाढ़ में डूबने से हो गयी. मौसम विभाग के अनुसार कालमेगी ने तटीय इलाकों से 200 किमी/घंटा तक की रफ्तार से टकराया, जिससे समुद्र में ऊंची लहरें उठीं

और निचले इलाकों में बाढ़ आ गयी.खबर है कि tropical cyclone कालमेगी बुधवार को द्वीपसमूह से गुजरने के बाद दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया. लगभग 20 लाख लोग तूफानसे प्रभावित हुए हैं. 5.6 लाख से अधिक ग्रामीण विस्थापित हुए हैं. लगभग 4.5 लाख लोगों को आपातकालीन शिविरों में पहुंचाया गया है.राष्ट्रपति मार्कोस ने आपातकाल लगाने की घोषणा आपदा प्रतिक्रिया अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान की है. कहा गया है कि आपातकाल की घोषणा से सरकार को आपात राहत कोष को जारी करने, खाद्यान्न की जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी. सेबू प्रांत तूफान से सर्वाधिक प्रभावित हुआ है. सेबू प्रांत के गांवों में बिजली और संचार पूरी तरह ठप होने की सूचना हैं. सैकड़ों लोग अभी भी अपने घरों की छतों पर फंसे हैं.

बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण संपन्न पिछले 25 साल में सबसे ज्यादा मतदान

121 सीटों पर 1314 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में हुई कैद

एजेंसी

पटना : बिहार में विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण का मतदान गुरुवार को छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक 64.66 फीसदी वोटिंग हुई है। बेगूसराय में सबसे ज्यादा 67.32% और शेखपुरा में सबसे कम 52.36% वोटिंग हुई। इससे पहले 1990, 1995 और 2000 के चुनाव में 60 प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था। 2020 के विधानसभा चुनाव में 57.29% मतदान हुआ था।इस बार आंकड़ा ऊपर जा रहा है।पहले फेज में 2 डिप्टी सीएम समेत 18 मंत्रियों की साख दांव पर है।10 हॉट सीटें हैं।जिसमें तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, अनंत सिंह समेत कई बड़े चेहरे हैं।इस चरण में 104 सीटों पर सीधा मुकाबला है, जबकि 17 सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई है।बिहार की

243 सीटों पर 2 फेज में चुनाव हो रहे हैं। 14 नंवबर को नतीजे आएंगे।पहले चरण

दो उपमुख्यमंत्रियों समेत 18 मंत्रियों तेजस्वी और तेजप्रताप की साख दांव पर

के मतदान में कुल 1314 उम्मीदवार मैदान में हैं।इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण की 102 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं, जबकि 19 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 16 मंत्रियों की सीटों पर भी मतदान हुआ है।इसमें 15 सीटेंऐसी है, जहां पिछले बार के मुकाबले ज्यादा मतदान हुआ है।एक मात्र सीट कुढ़नी ऐसी रही है जहां 2020 के चुनाव से कम वोट पड़े।इन 15 सीटों पर ज्यादा मतदान को दोनों पक्ष अपने-अपने फायदे में बता रहे हैं। सत्ता पक्ष की ओर से कहा जा रहा है कि जनता सरकार के कामों से खुश हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है।इस चरण

लोग वर्तमान सरकार के मंत्रियों से खुश नहीं है और यही नाराजगी उन्होंने मतदान में बदली है।

में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए आयोग ने साधन उपलब्ध कराए थे।विपक्ष का मानना है कि ज्यादा मतदान सरकार की खिलाफ नाराजगी बताता है।लोग वर्तमान सरकार के मंत्रियों से खुश नहीं है।

1994 बैच की आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्र बनीं झारखंड की प्रभारी डीजीपी

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता की ऐच्छिक सेवानिवृत्ति को मंजूरी दे दी है। सरकार ने उनके स्थान पर 1994 बैच की आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा को राज्य का प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया है।तदाशा मिश्रा इससे पहले गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत थीं।इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा विभाग की ओर से गुरुवार की देर शाम जारी की गई। मूल रूप से ओडिशा की रहने वाली तदाशा मिश्र को करीब एक साल पहले डीजी रैंक में प्रोन्नति दी गई थी।वह झारखंड पुलिस में एडीजी, आईजी, रांची में सिटी एसपी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि डीजीपी पद से ऐच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले अनुराग गुप्ता ने मंगलवार देर शाम मुख्यमंत्री

आवास पहुंचकर इस आशय का आवेदन सौंपा था।सरकार ने गुरुवार को इसकी स्वीकृति दे दी है। अनुराग गुप्ता 1990 बैच के आईपीएस थे। उन्हें वर्ष 2022 में डीजी के पद पर पदोन्नति मिली थी और 26 जुलाई 2024 को प्रभारी डीजीपी बनाया गया था। विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने उन्हें पद से हटा दिया था, लेकिन चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद 28 नवंबर 2024 को हेमंत सोरेन सरकार ने उन्हें दोबारा प्रभारी डीजीपी नियुक्तकिया था।

राहुल गांधी का कथित वोट चोरी खुलासा कांग्रेस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाने के मूड में नहीं, एससी खुद ले संज्ञान

एजेंसी

नई दिल्ली।लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में कथित वोट चोरी के का तीसरी बार खुलासा करते हुए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए हैं. माना जा रहा है कि कांग्रेस इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रूख कर सकती है. अब एक नई जानकारी सामने आ रहीहै. दरअसल, कांग्रेस इस पूरे मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाने के मूड में नहीं दिख रही है, बल्कि वो चाहती है कि सुप्रीम कोर्ट खुद इस मामले का स्वतः

संज्ञान ले.राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का दावा करते हुए केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं. कांग्रेस कार्यकर्ता वोट चोर-गद्दी छोड़ का नारा लगा रहे हैं, लेकिन बीजेपी और चुनाव आयोग हर बार की तरह राहुल के दावों को भ्रामक बताकर सुप्रीम कोर्ट जाने की चुनौती दे रहे हैं. वहीं कांग्रेस ने तय किया है कि सियासी क्षेत्र में है, उसका काम जनता और देश की संस्थाओं के सामने तथ्यों को रखकर उन्हें जागरूक करना है. कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य गुरदीप सप्पल ने टीवी 9 भारतवर्ष से साफ कहा कि, सरकार के साथ एक संवैधानिक संस्था लोकतंत्र को कमजोर कर रही है तो बाकी संवैधानिक संस्थाओं को खुद इसका संज्ञान लेना चाहिए. दरअसल, कांग्रेस को इस बात की शिकायत है कि बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर वो सुप्रीम कोर्ट गई,

थाईलैंड से 270 भारतीयों की वतन वापसी, म्यांमार के साइबर फ्रॉड जाल से हुए आजाद

संवाददाता

नई दिल्ली।नौकरी के झांसे में विदेशों में फंसे 270 भारतीयों की वतन वापसी हुई है. ये लोग म्यांमार से थाईलैंड में घुसने की कोशिश में पकड़े गए थे. इन भारतीयों से जबरन साइबर फ्रॉड कराया जाता था. 270 भारतीय नागरिकों में 26 महिलाएं भी थीं. बैंकॉक में भारतीय दूतावास और म्यांमार में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शाही थाई सरकार की अलग-अलग एजेंसियों के साथ मिलकर इनकी वापसी करवाई है. भारतीय वायु सेना के दो स्पेशल विमानों से इनकी वतन वापसी हुई है. ये सभी हाल ही में म्यांमार के म्यावड्डी से थाईलैंड पहुंचे थे, जहां वे कथित तौर पर साइबर स्कैम केंद्रों में काम कर रहे थे. थाई अधिकारियों

ने उन्हें थाई आव्रजन कानूनों के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था, जब वे अवैध रूप से देश में एंट्रीकर रहे थे. भारतीय दूतावास ने दी ये सलाह :थाईलैंड और म्यांमार में स्थित भारतीय दूतावास, उनभारतीयों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित करने के लिए दोनों देशों की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं जो कथित तौर पर धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल थे और अभी भी म्यांमार में हैं. दोनों देशों (थाईलैंड और म्यांमार)में स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को सलाह देते हुए कहा है कि कोई भी नागरिक विदेश में नौकरी के प्रस्ताव स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की साख की पहले पुष्टि कर लें और भर्ती एजेंटों व कंपनियों के पिछले रिकॉर्ड की जांच करें.

सम्मान | विश्वकप विजेता महिला खिलाड़ियों को टाटा मोटर्स कंपनी का तोहफा

लॉन्च होते ही मिलेगी सिएरा कार, कंपनी के सीईओ का एलान

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है। इस शानदार उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए टाटा मोटर्स ने एक खास तोहफा देने का फैसला किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह टीम की सभी खिलाड़ियों को अपनी आने वाली नई टाटा सिएरा गिफ्ट में देगी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर शैलेश चंद्र ने कंपनी की तरफ से इसकी घोषणा की है।टाटा सिएरा का 25 नवंबर 2025 के दिन लॉन्च होने वाली है।टीम की सभी खिलाड़ियों को टाटा सिएरा का टॉप-एंड वेरिएंट दिया जाएगा।उम्मीद

राष्ट्रपति से मिली विश्व विजेताटीम

की जा रही है कि इस खास एडिशन में कुछ एक्सक्लूसिव डिजाइन फीचर्स भी होंगे, जिससे यह कार स्टैंडर्ड मॉडल से अलग नजर आएगी।शैलेश ने कहा, 'भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। यह हमारी ओर से उनके जज्बे और देश को दिए गए गर्व को सलाम है।' टाटा सिएरा खुद में एक आइकॉनिक एसयूवी है, क्योंकि यह मॉडल 22 साल बाद फिर से वापसी कर रहा है। कंपनी ने हाल ही मेंइस कार को कई बार टीज किया है और इसका लॉन्च 25 नवंबर को होने वाला है।महिला विश्वकप 2025 की खिताब विजेता भारतीय टीम ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने उन्हें ऐतिहासिक जीत के लिए शुभकामनाएं दीं। इससे पहले टीम ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की थी। रविवार (2 नवंबर) को हरमनप्रीत की अगुआई वाली टीम ने दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में52 रनों से हराकर जीत हासिल की थी।इस शानदार उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए टाटा मोटर्स ने एक खास तोहफा देने का फैसला किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह टीम की सभी खिलाड़ियों को अपनी आने वाली नई टाटा सिएरा गिफ्ट में देगी।

नहाने के दौरान दामोदर नदी में डूबे 9 युवक, 4 का शव बरामद

संवाददाता

धनबाद। जिले में दामोदर नदी में बड़ा हादसा हो गया. नहाने के दौरान 9 युवक पानी में डूब गए. काफी मशक्कत के बाद तीन युवकों को सकुशल बाहर निकाला गया. वहीं चार युवक का शव बरामद किया गया है. बाकी युवकों की तलाश जारीहै. घटना कार्तिक पूर्णिमा के दिन बुधवार को हुई. जब महुदा थाना क्षेत्र के तेलमच्चो दामोदर नदी में स्नान करते समय नौ युवक डूब गए. भीमकनाली और भूली से पांच-पांच दोस्तों के अलग-अलग समूह स्नान करने आए थे.घटना के बाद, सीओ गिरजानंद किस्कू और स्थानीय थाना पुलिस बचाव कार्य में जुटी है. सांसद ढुल्लू महतो भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली, परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी. सांसद ने डीसी से बुधवार को एनडीआरएफ की एक विशेष टीम बुलाने का अनुरोध किया था. जिसके बाद गुरुवार को एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची और नदी में बचाव कार्यशुरू कर दिया है.

गठबंधन दलों के व्यवहार की समीक्षा करने पर अडिग झामुमो, राजद और कांग्रेस पर तेवर हुए और तल्ख

रांची, संवाददाता ।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस की ओर से तवज्जों नहीं दिए जाने से नाराज झारखंड मुक्ति मोर्चा गठबंधन दलों के व्यवहार की समीक्षा करने के अपने फैसले पर अडिग है. झामुमो नेताओं के तेवर और तल्ख होते जा रहे हैं.

झामुमो के तेवर तल्ख

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव और सोरेन परिवार के बेहद करीबी नेताओं में से एक सुप्रियो भट्टाचार्य ने राजद और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि जब वो एक थे, तब भी हमने उन्हें (राजद विधायक) को पांच साल तक मंत्री बनाये रखा और जब वो (कांग्रेस) एक हाथ की अंगुलियों में गिनने के लायक थे तो वह हमारे सहयोग से दो हाथों की अंगुलियों में गिनने के लायक बने, लेकिन अगर उन्हें यह सब याद नहीं है तो याद तो दिलाना ही होगा. सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जीवन में सफाई का बहुत महत्व होता है. आसपास का परिवेश अगर साफ न हो तो निगेटिव एनर्जी आती है, इसलिए सफाई बेहद जरूरी होता है.

हमने अपना धर्म निभाया-सुप्रियो

बिहार की छह विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने की घोषणा करने वाले सुप्रियो भट्टाचार्य ने रामधारी सिंह दिनकर से लेकर रहिमन तक को याद कर और उनके कथनों को कोट कर छह सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा करने के बावजूद झामुमो क्यों पीछे हट गया. इस सवाल पर सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हम अधर्मी लोग नहीं हैं, हमने अपना धर्म निभाया है.

बयानों में संयम जरूरी-जगदीश साहू

गठबंधन दलों के व्यवहार की समीक्षा पर अडिग झामुमो नेता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि जब भी गठबंधन होता है तो एक-दूसरे का सहयोग किया ही जाता है. जगदीश साहू ने कहा कि यह सही है, जब राजद का एक विधायक राज्य में था, तब भी उन्हें मंत्री बनाये रखा गया था. लेकिन कांग्रेस को लेकर झामुमो नेता की बात ठीक नहीं है. राज्य में कांग्रेस का मजबूत जनाधार है और झामुमो के नेताओं को बयान में संयम बरतना चाहिए.

जेएसएससी सीजीएल मामला : हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित, छात्रों ने राज्यपाल से लगाई गुहार

रांची, संवाददाता ।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा से जुड़ा मामला अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है. इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित (रिजर्व) रख लिया है. दूसरी ओर पेपर लीक प्रकरण की जांच कर रही सीआईडी की कार्रवाई लगातार जारी है, जिससे अभ्यर्थियों में बेचैनी और भय का माहौल है.

पेपर लीक नेटवर्क का पता लगाने में जुटी जांच एजेंसी

सीआईडी ने हाल के दिनों में इस मामले में दो कोचिंग संचालक कुणाल प्रताप सिंह और प्रकाश पोद्दार को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था. दोनों से पूछताछ की प्रक्रिया अभी भी जारी है. जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि पेपर लीक का नेटवर्क कहां से शुरू हुआ और किन-किन लोगों की इसमें संलिप्तता है. जांच का दायरा बढ़ने के कारण अभ्यर्थियों में यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं जांच के बहाने उन्हें भी बेवजह आरोपों में न फंसा दिया जाए.

राज्यपाल से मिला छात्रों का प्रतिनिधिमंडल

इसी डर और अनिश्चितता के बीच गुरुवार को छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला. प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जब मामला पहले से ही हाईकोर्ट में लंबित है और अब जजमेंट रिजर्व रखा जा चुका है तो सीआईडी को इस दौरान छात्रों को परेशान नहीं करना चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया कि जांच के नाम पर कई अभ्यर्थियों से लगातार पूछताछ की जा रही है और कुछ को हिरासत में लिए जाने की आशंका भी जताई जा रही है.

छात्रों को बेवजह जांच में फंसने का डर

इधर, छात्रों का कहना है कि वे किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं हैं और केवल निष्पक्ष परीक्षा की उम्मीद में कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं. ऐसे में जांच एजेंसी की लगातार कार्रवाई से उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है. उन्होंने राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि जब तक अदालत अपना निर्णय नहीं देती, तब तक सीआईडी को छात्रों के खिलाफ किसी दंडात्मक कदम से रोका जाए.

राज्यपाल ने छात्रों को दिया हर संभव मदद का भरोसा

वहीं राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उन्हें कानून सम्मत रास्ता अपनाने की सलाह दी है. राज्यपाल ने कहा कि यदि उन्हें लगता है कि जांच एजेंसी की कार्रवाई न्यायसंगत नहीं है तो वे अपने अधिवक्ताओं के माध्यम से इस विषय को अदालत के समक्ष रख सकते हैं. उन्होंने छात्रों को यह भी भरोसा दिलाया कि सरकार और न्यायपालिका दोनों ही अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा के प्रति संवेदनशील हैं.

केवल निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मांग कर रहे हैं अभ्यर्थी

उल्लेखनीय है कि झारखंड एसएससी सीजीएल परीक्षा को लेकर बीते कई महीनों से विवाद जारी है. पेपर लीक की शिकायत के बाद सीआईडी ने कई स्तरों पर छापेमारी और पूछताछ की कार्रवाई की है, जबकि अभ्यर्थी लगातार पारदर्शी जांच और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया की मांग कर रहे हैं. अब सबकी निगाहें झारखंड हाईकोर्ट के उस फैसले पर टिकी हैं, जो आने वाले दिनों में राज्य की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा के भविष्य को तय करेगा.

झारखंड में मिल रहा है मंईयां को सम्मान, हर माह खाते में पहुंच रही है राशि

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की तत्कालीन हेमंत सरकार ने अगस्त 2024 में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत की थी. मकसद था, 18 साल से 50 साल आयु वर्ग की महिलाओं को हर माह 2,500 रुपये देकर सशक्त बनाना. तब से यह योजना पूरे राज्य में चर्चा का पर्याय बनी हुई है. क्योंकि हर माह लाभुकों के खाते में 2,500 रुपये ट्रांसफर हो रहे हैं. योजना सुचारु रूप से चल रही है. राशि ट्रांसफर करने के दौरान पर्व-त्यौहार का विशेष ख्याल रखा जाता है. सामाजिक सुरक्षा के निदेशक विजय कुमार के मुताबिक, अब नवंबर माह की किस्त जारी करने की तैयारी चल रही है. एक नजर डालते हैं इस योजना के लेखा-जोखा पर.

लाभुकों की संख्या और राशि का वितरण

इस योजना की पहली किस्त अगस्त 2024 में 1,000 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से जारी हुई थी. साल 2024 के विधानसभा चुनाव में मुद्दा बनने पर तत्कालीन सरकार ने वादा किया था कि दोबारा सत्ता में आने पर महिलाओं को हर माह मिलने वाली राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया जाएगा. सरकार ने उस वादे को पूरा भी किया और दिसंबर माह से बढ़ी हुई राशि जारी होने लगी. पहली बार 6 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 56 लाख 61 हजार 791 लाभुकों के खाते में 2,500 रुपये के हिसाब से 1,415 करोड़ 44 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए रिमोट का बटन दबाया.

हजारीबाग जेल से सस्पेंड दिनेश वर्मा को बनाया गया बिरसा मुंडा कारा का नया सहायक जेलर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा (होटवार जेल) में सहायक जेलर के पद पर नियुक्ति की गई है. हाल ही में जेल के अंदर से एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद सहायक जेलर देवनाथ राम के निलंबन के बाद अब दिनेश कुमार वर्मा को बिरसा मुंडा जेल का नया सहायक जेलर बनाया गया है.

निलंबन मुक्त कर मिली नई पोस्टिंग

यह नियुक्ति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दिनेश वर्मा को मात्र एक माह पहले ही हजारीबाग जेपी केंद्रीय कारा में लापरवाही और जेल की गोपनीयता भंग करने के गंभीर आरोप में निलंबित किया गया था. गृह, कारा और आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि दिनेश कुमार वर्मा, जो कि निलंबित सहायक कारापाल थे, उन्हें कार्यहित में तत्काल प्रभाव से निलंबन मुक्त करते हुए बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार जेल में सहायक कारापाल के पद पर पदस्थापित किया जाता है. अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि उनके विरुद्ध पहले से संचालित विभागीय कार्यवाही के नतीजे पर इस नए पोस्टिंग आदेश का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. यानी उन पर लगे आरोपों की जांच जारी रहेगी.

वीडियो वायरल होने पर हुई थी पूर्व सहायक जेलर पर कार्रवाई

राज्य सरकार के गृह विभाग ने रांची के बिरसा मुंडा जेल से एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद बीते बुधवार को तत्कालीन सहायक जेलर देवनाथ राम और जमादार विनोद कुमार यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था. वीडियो में झारखंड के सबसे बड़े जेल में बंद शराब घोटाले के आरोपी विधु गुप्ता और जीएसटी घोटाले के आरोपी विक्की भलोटिया कथित तौर पर डांस करते नजर आ रहे थे.

सत्ता खोने के बाद झूठ व अफवाहों के सहारे राजनीति कर रही है भाजपा: विनोद पांडेय

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए उसे भ्रष्टाचार और असफलता का प्रतीक करार दिया है. पार्टी के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा हेमंत सोरेन सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से बौखला गई है और जनता को झूठे आरोपों व दुष्प्रचार के जरिये गुमराह करने की कोशिश कर रही है. पांडेय ने कहा कि भाजपा ने जब से सत्ता गंवाई है, तब से वह जनभावनाओं को भटकाने में लगी है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष में हर वर्ग के हित में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं. स्थानीयता नीति, नियोजन नीति, आदिवासी-मूलवासी अधिकारों की रक्षा, किसानों की कर्ज माफी और महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे कदमों ने झारखंड की दिशा बदली है. उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह दिल्ली में बैठे अपने आकाओं के इशारे पर झारखंड में लोकप्रिय सरकार को अस्थिर करने की साजिश रच रही है. पांडेय ने कहा कि भाजपा के सांसद केंद्र सरकार द्वारा झारखंड के साथ हो रहे भेदभाव पर एक शब्द नहीं बोलते. प्रचंड बहुमत से जनता ने हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन भाजपा बार-बार जनादेश का अपमान कर रही है.

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव शिव की हुई घर वापसी, फिर से थामा कांग्रेस का दामन

रांची, संवाददाता ।

गुमला जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व प्रदेश महासचिव शिव कुमार भगत ने गुरुवार को अपने समर्थकों के साथ फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया. कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी पार्टी की सदस्यता दिलाई. केशव महतो कमलेश ने कहा कि राहुल गांधी का वोट चोरी रोकने के अभियान से प्रेरित हो युवा वर्ग पार्टी से जुड़ रहे हैं. कांग्रेस ने पिछड़े और कमजोर तबके की आवाज को जिस प्रकार उठाया और जननायक उस पर संघर्ष कर रहे हैं ये अब लोगों को समझ आ रहे हैं.

अब युवा भी लड़ाई लड़ने को है तैयार

केशव महतो ने कहा कि पिछले 11 सालों से संविधान को बदलने की सोच के साथ देश के संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया जा रहा है उसके खिलाफ अब युवा भी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार खड़ी हो गई है. यह उसी का परिणाम है कि आज सैकड़ों की संख्या में नये युवाओं ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की. समाज का वंचित वर्ग जब राजनीत में आता है तो निश्चित रूप से एक नई सोच, एक नई ऊर्जा के साथ काम करता है. भाजपा की कार्यशैली और उनकी नेताओं की सोच के कारण ही आज हर तबके के लोग उसका प्रतिकार कर रहे हैं. कांग्रेस इस देश में मजलूमों वंचितों की आवाज है और इस आवाज को दबाने की कोशिश भाजपा द्वारा की जाएगी उसे करारी शिकस्त दी जाएगी.

सावधान! न्यूनतम तापमान में और कमी आने की संभावना, आने वाले दिनों में 7 डिग्री पर जा सकता है पारा!

रांची, संवाददाता ।

नवंबर माह के शुरूआती दिनों में ही सर्दी अपना रंग दिखाने लगी है. उत्तरी हवा की वजह से न्यूनतम तापमान में कमी देखी जा रही है. पिछले 20 घंटों के दौरान सिमडेगा के बानो में सबसे कम 13.9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमाप रिकॉर्ड हुआ है. झारखंड के ज्यादातर जिलों के न्यूनतम तापमान में -1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है. इसकी वजह से दिन में भी सर्दी का एहसास हो रहा है. सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद गर्म कपड़ों की जरुरत महसूस होने लगी है.

राज्य के प्रमुख शहरों के तापमान की स्थिति

पिछले 24 घंटों के दौरान राजधानी रांची का न्यूनतम पारा 15.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है. जमशेदपुर में 17.2 डिग्री सेल्सियस, डालटनगंज में 16.5 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में 15.6 डिग्री सेल्सियस और धनबाद में 19 डिग्री सेल्सियस रहा है. खास बात है कि पिछले 24 घंटों में खूंटी में 14.7, लोहरदगा में 14.7, चाईबासा के जगन्नाथपुर में 14.8, लातेहार में 15.8 और हजारीबाग में 15.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा है.

आने वाले दिनों में तापमान की स्थिति

मौसम केंद्र रांची के मुताबिक आने वाले दिनों में सर्दी का सितम बढ़ने वाला है. एक अनुमान के मुताबिक 7 नवंबर से 13 नवंबर वाले सप्ताह में न्यूनतम तापमान 10 से 17 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है. जबकि 14 नवंबर से 20 नवंबर वाले सप्ताह के बीच न्यूनतम तापमान के 7 से 16 डिग्री सेल्सियस तक जाने की उम्मीद है. जाहिर है कि नवंबर माह में ही कड़ाके की ठंड से सामना होने की संभावना है. रही बात अधिकतम तापमान की तो मौसम केंद्र के मुताबिक 13 नवंबर तक 24 से 32 डिग्री जबकि 14 नवंबर से 20 नवंबर तक अधिकतम तापमान 15 डिग्री से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है. जाहिर है कि नवंबर के तीसरे सप्ताह में हाड़ कंपानी वाली ठंड शुरू हो जाएगी. ऐसे में विशेष एहतियात बरतने की जरुरत है. मौसम केंद्र का अनुमान है कि आने वाले कुछ दिनों तक मौसम साफ रहेगा.

सीयूजे में हंगरी में गौरव यात्रा और राजनीतिक गतिशीलता पर विशेष व्याख्यान आयोजित

रांची, संवाददाता ।

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के अंतर्राष्ट्रीय संबंध विभाग द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान श्रृंखला के तहत आज ह्हंगरी में गौरव यात्रा और राजनीतिक गतिशीलता: अधिकार, विरोध प्रदर्शन और उनका वैश्विक प्रभावह्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी ऋषि मरांडी ने मुख्य वक्ता के रूप में हंगरी में एलजीबीटीक्युए+ समुदाय की पहचान, उनके अधिकारों की लड़ाई, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्यों पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने बताया कि यूरोप में विशेष रूप से हंगरी में गौरव यात्राएं सामाजिक स्वीकृति और अधिकारों की मांग का प्रतीक बन चुकी हैं.

ऋषि ने कहा कि वर्तमान में विक्टर ओर्बन के नेतृत्व वालीफिडेज पार्टी की सरकार ने पारंपरिक मूल्यों के नाम पर समलैंगिक समुदाय के अधिकारों पर कई प्रतिबंध लगाए हैं. उन्होंने यह भी बताया कि यह प्रवृत्ति केवल हंगरी तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के कई देशों में दक्षिणपंथी राजनीति के उभार के साथ इस तरह की नीतियां देखने को मिल रही हैं. व्याख्यान के दौरान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ अपर्णा, डॉ अशोक निमेष, डॉ बिभूति भूषण बिस्वास, डॉ सुभाष कुमार बैठा, तथा विभागाध्यक्ष डॉ आलोक कुमार गुप्ता आदि थे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा

रांची, संवाददाता ।

15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई जाएगी. इस दिन को सम्पूर्ण भारत वर्ष मे जनजातीय गौरव दिवस के रूप में भी मनाया जाएगा. गुरूवार को बरियातु स्थित आरोग्य भवन में संवाददाता सम्मेलन आयोजित किए गए. इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा. झारखंड के वीर क्रांति सिद्धो-कान्हु,तिलका मांझी, नीलाम्बर-पीताम्बर, मामा टंट्या भील, भीमा नायक, वीरांगना सिनगी दई जैसे अनेकों वीर योद्धाओं को भी याद किया जाएगा. बिरसा मुण्डा ने अंग्रेजों से गुलाम भारत को स्वतंत्रता दिलाया. अंग्रेज जनजाति समाज की धर्म-संस्कृति एवं परम्परा को नष्ट करने का षड्यंत्र रच रहे थे. उसके खिलाफ भी भगवान बिरसा मुण्डा ने आवाज उठायी.

भारत को स्वतंत्र कराने में भगवान बिरसा मुंडा का बहुत बड़ा संघर्ष किया

जनजाति समाज की इस गौरव गाथा को इतिहास के पन्ने में स्थान नहीं दिया गया. अंग्रेजों ने आदिवासी समाज के बीच षड्यंत्र रचा. इस समाज को क्रिमिनल और गरीब के तौर पर प्रस्तुत किया गया. जनजाति समाज की वीरता, गौरवशाली परम्परा को दर किनार किया गया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस घोषित किए. भारत के स्वाधीनता के लिए बलिदानी जनजातीय महापुरुषों को सम्मान प्रदान किया.

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं वर्षगांठ में राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि

मोरहाबादी मैदान स्थित डॉ रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान में धरती आबा बिरसा मुण्डा की 150वीं वर्षगाठ है. इसे भारत सरकार द्वारा जनजाति गौरव वर्ष घोषित किया गया है. इस दिवस को सभी आदिवासी समाज ने एकजुट होकर गौरव दिवस को मनाने का निर्णय लिया है. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष गंगवार शामिल होंगे. इसमें लोकनृत्य और लोक कलाओं की प्रस्तुति होगी. मैदान को आदिवासी महापुरुषों के कटाआउट से संवारा जायेगा. मौके पर जगलाल पाहन, बबलु मुण्डा, अशोक मुण्डा, मेघा उरांव, सोमा उरांव, बुधराम बेदिया, लुथरू उरांव, नकुल तिर्की, प्रदीप लकड़ा, बिरसा पाहन,बालेश्वर पाहन,रघु मुण्डा,सत्यदेव मुण्डा समेत अन्य शामिल थे.

झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी का गठन, लोक संस्कृति को नई पहचान दिलाने का संकल्प

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की संगीत और लोक संस्कृति को देश-दुनिया में पहचान दिलाने के उद्देश्य से झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी का औपचारिक गठन किया गया है. रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्था से जुड़े कलाकारों ने इसकी घोषणा की. इस मौके पर झारखंड के विभिन्न जिलों से आए संगीतकार, लोक गायक, नृत्यकार, तकनीकी कलाकार और कई थिएटर कर्मी मौजूद रहे. सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि झारखंड की कला संस्कृति और लोक परंपराएं राज्य की पहचान हैं, लेकिन इन्हें वह मंच और समर्थन नहीं मिल सका, जिसकी ये हकदार हैं. इस स्थिति को बदलने के लिए झारखंडी क्षेत्रीय कलाकार सोसाइटी की स्थापना की गई है. संस्था का उद्देश्य है राज्य के लोक कलाकारों को एकजुट करना. उन्हें पहचान और सम्मान दिलाना और पारंपरिक कला रूपों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना.

झारखंड में पारंपरिक लोक कला हाशिए पर

संस्था के सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिकता और वाणिज्यिक मनोरंजन के प्रभाव से पारंपरिक लोक कला हाशिए पर चली गई है. झारखंडी नृत्य, गीत-संगीत, नाटक और चित्रकला को पुनर्जीवित करने की जरूरत है. सोसाइटी इस दिशा में ठोस प्रयास करेगी. इसके तहत कलाकारों को प्रशिक्षण, मंच, आर्थिक सहयोग और प्रचार-प्रसार का अवसर दिया जाएगा.

हर जिले में रीजनल आर्टिस्ट यूनिट का होगा गठन

प्रेस वार्ता में कलाकारों ने बताया कि संस्था की प्राथमिक योजना झारखंड के हर जिले में रीजनल आर्टिस्ट यूनिट का गठन करना है, ताकि स्थानीय कलाकारों की समस्याओं को सीधे तौर पर सुना और सुलझाया जा सके. साथ ही पारंपरिक लोक नृत्य जैसे झूमर, पाईका, डोमकच, फगुआ नाच, संथाली नृत्य और लोकगीतों के संरक्षण के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा. सोसाइटी चाहती है कि राज्य सरकार झारखंडी लोक कला को पर्यटन नीति में शामिल करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक स्थिरता मिल सके. संस्था से जुड़े कलाकारों ने यह भी कहा कि यह संगठन न तो किसी राजनीतिक दल से जुड़ा है और न ही किसी सरकारी फंडिंग पर निर्भर रहेगा. अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए सदस्यता शुल्क और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्राप्त आमदनी को ही पूंजी बनाया जाएगा. संस्था का उद्देश्य है कलाकारों के स्वाभिमान को बरकरार रखते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना. कार्यक्रम में उपस्थित कलाकारों ने कहा कि झारखंड की कला संस्कृति इतनी समृद्ध है कि यदि उसे व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए।

घाटशिला का स्वाभिमान तीर-कमान : कल्पना

संवाददाता । रांची

पूर्वी सिंहभूम : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। गुरुवार को घाटशिला प्रखंड के दामपाड़ा स्थित गांधनिया हाट मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा (गठबंधन) प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इस जनसभा में गांडेय विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। सभा स्थल पर सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। जैसे-जैसे दोपहर होती गई, मैदान झंडों, पोस्टरों और झामुमो के नारे तीर-कमान जीत सुनिश्चित से गूंजउठा। मंच पर पहुंचने के बाद कल्पना सोरेन का पार्टी कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मौके पर उन्होंने कहा कि घाटशिला की धरती हमेशा से झारखंड आंदोलन और उसकी अस्मिता की रक्षा की प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि यह इलाका झारखंड के स्वाभिमान का प्रतीक है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन और रामदास सोरेन जैसे आंदोलनकारियों के संघर्ष से ही आज हम झारखंड को अपनी पहचान के साथ देख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि तो देते हैं, लेकिन सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब इस उपचुनाव में झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन को भारी मतों से जीताकर विधानसभा भेजेंगे। घाटशिला का मान, सम्मान और स्वाभिमान तीर-कमान है। इसे मजबूत बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। कल्पना सोरेन ने लोगों से एकजुट होकर गठबंधन उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लगातार काम कर रही है और जनता से मिले विश्वास

जनता को ठगा है अबुआ वाली सरकार ने : बाबूलाल

संवाददाता । रांची

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को घाटशिला में एक प्रेस वार्ता के दौरान हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार पिछले छह वर्षों में झारखंड को एक कदम आगे नहीं बढ़ा पाई, बल्कि 25 वर्ष पीछे धकेल दिया है। यह सरकार पूरी तरह आदिवासी विरोधी, विकास विरोधी और जनविरोधी है। मरांडी ने कहा कि यह सरकार केवल नाम की 'अबुआ सरकार' है, वास्तव में यह 'ठगुवा सरकार' है जिसने झारखंड के युवाओं और आदिवासियों को ठगा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया से पीड़ित पांच आदिवासी बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाया गया, जो सरकार की घोर लापरवाही और संवेदनहीनता का उदाहरण है। इलाज के नाम पर मौत परोसी जा रही है, लेकिन मुख्यमंत्री मौन हैं और स्वास्थ्य मंत्री विपक्ष पर दोष मढ़ रहे हैं। मरांडी ने कहा कि सरकार की शुरुआत ही आदिवासियों की हत्या से हुई थी। 2020 में चाईबासा में सात आदिवासियों की हत्या हुई थी और हाल में सिदो-कान्हू के वंशज रामेश्वर मुर्मू की हत्या सरकार की असफलता का प्रमाण है। माफिया और घुसपैठियों के संरक्षण में आदिवासियों की जमीन लूटी जा रही है, महिलाएं असुरक्षित हैं, जबकि पेंशन, छात्रवृत्ति और रोजगार योजनाएं ठप हैं। पेसा कानून लागू न करना सरकार की आदिवासी विरोधी सोच को दशार्ता है। भ्रष्टाचार और लूट पर हमला करते हुए मरांडी ने कहा ।

आईसीयू/सीसीयू चिकित्सा प्रबंधन पर क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

- झारखंड में क्रिटिकल केयर सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम

संवाददाता । रांची

झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा हर्फ्रेंड्ल्लं' उड्ल्लाीशेल्लूी ड्ल्ल टीूं' टल्लीेल्ल३ 'ड क्कव/उउव ड्ढा खँ१ 'ल्लह्ि का सफल आयोजन रांची स्थित बीएनआर चाणक्य सभागार में किया गया। इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य राज्य में आईसीयू और सीसीयू स्तर पर गंभीर रोगियों के उपचार प्रबंधन को मजबूत बनाना रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नेहा अरोड़ा, विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग, झारखंड सरकार ने की। इस अवसर पर अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड श्री शशि प्रकाश झा, अपर सचिव श्री विद्यानंद शर्मा पंकज, डीआईसी श्री सिद्धार्थ सान्याल, रिम्स के प्रो. डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य, एम्स भोपाल के डॉ. सौरभ सैगल (ड्ल्ल'ल्ली) सहित राज्य के सभी सिविल सर्जन और निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। लगभग 250 से अधिक प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

झारखंड में क्रिटिकल केयर सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में ठोस पहल

विशेष सचिव डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य है कि झारखंड के सभी जिलों में आईसीयू/सीसीयू सेवाएं प्रभावी और जवाबदेह बनें। उन्होंने कहा –हअब जिला अस्पताल सिर्फ रेफरल सेंटर नहीं रहेंगे, बल्कि गंभीर मरीजों को स्थिर करने और प्राथमिक उपचार देने में सक्षम बनेंगे। सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर ऐसा तंत्र विकसित करें जिससे हर मरीज को समय पर जीवन रक्षक चिकित्सा मिल सके।हर जिला अस्पताल में सक्रिय क्छव यूनिट हमारा संकल्प – शशि प्रकाश झा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक श्री शशि प्रकाश झा ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि हर जिला अस्पताल में सशक्त आईसीयू और क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित हों। उन्होंने कहा –हसंसाधनों की कमी नहीं है, जरूरत है प्रबंधन और उपयोग की दक्षता बढ़ाने की। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी मरीज सुविधा या वेंटिलेटर की कमी से अपनी जान न गंवाए।

अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने कार्यक्रम में अपने स्वागत संबोधन में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार अस्पतालों में चिकित्सा प्रबंधन हेतु स्पष्ट और मानकीकृत गाइडलाइंस तैयार की जा रही हैं। इसी क्रम में विभाग ने एक ड्राफ्ट एसओपी (र३ल्लिँ१ डस्त्री१३ल्लॅ ढ१ड्ढीॅ४१ी) तैयार किया है, जिस पर विशेषज्ञों से सुझाव लिए जा रहे हैं। विशेषज्ञों के सुझावः राज्य में क्रिटिकल केयर नेटवर्क का विस्तार

डॉ. प्रदीप भट्टाचार्य (फ्र्रप्टर, रांची) ने कहा कि राज्य में क्रिटिकल केयर नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया गया है।

घाटशिला की जनता जाग चुकी है ,वोट की ताकत से भाजपा को सबक सिखाएँ

संवाददाता । रांची

घाटशिला की जनता जाग चुकी है ,भाजपा का काला शासन झ सच्चाई जानती है वोट की ताकत से भाजपा को सबक सिखाएँ। सोमेश सोरेन को जिताएँ झ रामदास जी के देखे गये सपनों को पूरा करे !विजय शंकर नायक

उपरोक्त बाते आज विजय शंकर नायक, केंद्रीय उपाध्यक्ष झ आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी, घाटशिला में हो रहे उपचुनाव मे घाटशिला की जनता के नाम अपील करते हुए कही इन्होने आगे कहा की यह उपचुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है।यह आदिवासी मूलवासी स्वाभिमान का महासंग्राम है। यह रामदास सोरेन जी की विरासत को बचाने का अंतिम अवसर है। यह भाजपा के कॉरपोरेट लूटतंत्र के खिलाफ जनक्रांति का बिगुल है। सोमेश सोरेन झ स्वर्गीय रामदास सोरेन जी के सुपुत्र झ आज घाटशिला की आशा की किरण हैं। वे युवा हैं, ऊजार्वान हैं, और सबसे बड़ी बात झ वे रामदास जी के सपनों के वारिस हैं। श्री नायक ने आगे कहा की घाटशिला की जनता ने देखा है कि कैसे रामदास सोरेन ने घाटशिला को शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान दिलाया। आज वही सपना पूरा करने का समय है। भाजपा का काला शासन झ सच्चाई आपके सामने है कैसे आदिवासी भूमि लूटः 2014-2019 के भाजपा शासन में 1.5 लाख एकड़ से अधिक आदिवासी जमीन कॉरपोरेट्स को सौंपी गई। शिक्षा का विनाशः हजारों स्कूल बंद कर दिए गये थे , शिक्षक भर्तियाँ ठप थे , बच्चे भूखे पेट पढ़ने को मजबूर। बच्चियां भात भात कह कर मरने को मजबूर थी` केंद्र की सरकार ने रोजगार का झूठा प्रलोभन देकर 2 करोड़ नौकरियाँ३ का वादा की थी।

रफ़्तार घटाओ, सुरक्षा बढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता हेतु एक दिवसीय सेमिनार का हुआ आयोजन

संवाददाता । रांची

आज दिनांक 06.11.2025 दिन गुरुवार को परिवहन विभाग झारखंड सरकार के आदेशानुसार पूरे झारखंड में दिनांक 03.11.2025 से 09.11.2025तक चलने वाले सप्ताहित जागरूकता कार्यक्रम के तहत सामाजिक संस्था समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से आज बरियातू रोड स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल में एक दिवसीय सड़क सुरक्षा पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर जिला सड़क सुरक्षा अभियंता गौरव कुमार, तकनीकी सहायक अभय कुमार जी उपस्थित थे। वहीं विशिष्ठ अतिथि के तौर स्कूल के प्राचार्या सुतापा भट्टाचार्य, समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी एवं नटराज योग संस्थान के निदेशक आर्य प्रहलाद भगत जी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।इस सेमिनार में विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों के पालन, हेलमेट और सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, तथा नाबालिगो द्वारा वाहन चलाने के दुष्परिणाम और सड़क दुर्घटनाओं में मानवीय संवेदनाएं बनाए रखने पर विशेष जोर भी दिया गया। साथ ही साथ 18 वर्ष के कम आयु के विद्यार्थियों को वाहन चलाना दंडनीय अपराध भी बताया गया। इसके लिए उन्हें एवं उनके अभिभावकों को भी नियम कि अवेहलना करने के लिए आर्थिक दंड के साथ कारावास का भी प्रावधान है।सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के लिए अपने घर, पड़ोस, और समाज के हर लोगों को जागरूकता करने का सकारात्मक संदेश दिया।जीवन अनमोल है, अगर सड़क पर दुर्घटना हुई हो, तो रील न बनाएं। मानवता को ध्यान में रखकर तुरंत मददगार बनकर हादसे के शिकार व्यक्ति को हॉस्पिटल पहुंचाएं और एक नेक नागरिक का परिचय दे।इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के लिए पुस्तिका भी दी गई।आज के इस सेमिनार को सफल बनाने में विद्यालय के मो आमिर सोहेल, स्वेता परिदा, अंकिता चौरसिया समेत कई शिक्षक शिक्षिकाएं सहित सैकड़ों विद्यार्थी गण मौजूद थे।

भ्रष्टाचार और असफलता का पर्याय बनी भाजपा कर रही जनता को गुमराह : झामुमो

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा द्वारा हेमंत सरकार पर लगाए गए आरोपों को हझूठ, भ्रम और बौखलाहट का पुलिंदाहबताया है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा को जनता ने सत्ता से बाहर किया, तभी से वह झूठे आरोपों और दुष्प्रचार के सहारे जनभावनाओं को भटकाने में लगी है। हेमंत सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष में हर वर्ग की जनता के हित में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। चाहे वह स्थानीयता नीति, नियोजन नीति, आदिवासी-मूलवासी अधिकारों की रक्षा, किसानों के कर्ज माफी या महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 33% आरक्षण देने की बात हो। दूसरी ओर भाजपा अपने दिल्ली में बैठे आकाओं की मदद से लोकप्रिय हेमंत सरकार के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए षड़यंत्र रचने से बाज नहीं आ रही है।झारखंड की जनता ने भाजपा के नेताओं को संसद भेजा है, लेकिन भाजपा का कोई भी सांसद केंद्र सरकार द्वारा झारखंड के साथ हो रहे पक्षपात के खिलाफ बोलने का दम नहीं रखते। प्रचंड बहुमत देकर जनता ने श्री हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया है, लेकिन उनकी राह में रोड़े अटका कर भाजपा जनादेश का लगातार अपमान करने का काम कर रही है। जनता सब देख रही है।उन्होंने कहा कि भाजपा जिस जेल वीडियो का हवाला दे रही है, वह न तो सरकार की नीति का हिस्सा है और न ही उसे सरकार का संरक्षण प्राप्त है। सरकार ने तत्काल संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की है। भाजपा का यह आरोप कि हजेल में अय्याशी सरकार के संरक्षण में चल रही है, पूरी तरह से राजनीतिक नौटंकी है। विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के पास आज कोई जन मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वह बेबुनियाद आरोपों के जरिए जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की बात भाजपा करे, यह अपने आप में हास्यास्पद है, क्योंकि केंद्रीय संस्थाओं के दुरुपयोग में भाजपा का कोई सानी नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि हेमंत सरकार ने जेल सुधार की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं और राज्य की जेलों में पारदर्शिता व अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए नई मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की जा रही है।

पेपर कप में चाय पीने से कैंसर, एम्स की सलाह : कुल्हड़ में ही पीयें चाय

संवाददाता । रांची

नयी दिल्ली : यदि आप रोजाना पेपर कप में चाय या कॉफी पीते हैं, तो यह आदत आपको कैंसर और हार्मोन संबंधी गंभीर बीमारी की तरफ धकेल रही है। यही नहीं, यह नर्वस सिस्टम पर भी सीधा खतरा बढ़ा रही है। आईआईटी खड़गपुर की ताजा रिसर्च में इसकी पुष्टि हुई है। शोधकताओं का कहना है कि गर्म पेय को डिस्पोजेबल पेपर कप में डालने पर कप की अंदरूनी प्लास्टिक कोटिंग मात्र 15 मिनट में 25,000 माइक्रो प्लास्टिक कण छोड़ देती है। इसका मतलब जो व्यक्ति रोज तीन कप चाय पीता है वह हर दिन 75,000 सूक्ष्म प्लास्टिक कण निगल रहा है। ये आंखों से न दिखने वाले कण शरीर में जमा होकर कैंसर, हार्मोनल डिसआर्डर और नर्वस सिस्टम डैमेज जैसे बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं।इस शोध के सामने आने के बाद भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष शर्मा ने लोगों से अपील की है कि वे कुल्हड़,

हेमंत सरकार अबुआ सरकार नहीं, ठगुवा सरकार है.....बाबूलाल मरांडी
हेमंत सरकार ने 6 वर्षों से आदिवासियों, युवाओं और झारखंड को ठगा है

संवाददाता । रांची

घाटशिला में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने झारखंड को छह वर्षों में एक कदम आगे नहीं बढ़ाया, बल्कि 25 वर्ष पीछे धकेल दिया है। यह सरकार पूरी तरह आदिवासी विरोधी, विकास विरोधी और जनविरोधी है।

मरांडी ने कहा कि यह सरकार केवल नाम की हअबुआ सरकारह है, वास्तव में यह हठगुवा सरकारह है जिसने झारखंड के युवाओं और आदिवासियों को ठगा है।स्वास्थ्य व्यवस्था पर हमला इलाज के नाम पर मौत परोसी जा रही है श्री मरांडी ने आरोप लगाया कि चाईबासा सदर अस्पताल में थैलसीमिया से पीड़ित पांच आदिवासी बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाया गया, जो राज्य सरकार की घोर लापरवाही और संवेदनहीनता का उदाहरण है।मरांडी ने कहा कि इलाज के नाम पर मौत परोसी जा रही है, लेकिन सरकार ने केवल कुछ लोगों को निलंबित कर मामले को दबाने की कोशिश की।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मौन साधे बैठे हैं, जबकि स्वास्थ्य मंत्री विपक्ष पर दोष मढ़ने में लगे हैं।आदिवासी विरोधी सरकार, हत्या, जमीन लूट और महिला असुरक्षा चरम परश्री मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार की शुरूआत ही आदिवासियों की हत्या से हुई। 2020 में चाईबासा में सात आदिवासियों की हत्या हुई थी ।

ब्रीफ न्यूज

केशव महतो कमलेश और खूंटी सांसद श्री कालीचरण मुंडा की उपस्थिति में अपने समर्थकों के साथ पुनः कांग्रेस का दामन थामा,

संवाददाता ।

कांग्रेस भवन, रांची में प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश और खूंटी सांसद श्री कालीचरण मुंडा की उपस्थिति में पूर्व प्रदेश महासचिव श्री शिव प्रकाश भगत अपने समर्थकों के साथ पुनः कांग्रेस का दामन थामा, साथ में श्री राकेश सिन्हा, श्री अभिलाष साहू, श्री राजन वर्मा, डॉ० राकेश किरण महतो, श्री सुरेंद्र सिंह, श्री सोमनाथ मुंडा, श्री जगदीश साहु, श्री मनोज सहाय पिंकू व कांग्रेसजन...

रातू में वरिष्ठ नागरिकों के बीच सहायक उपकरण का वितरण

संवाददाता ।

रातू : राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत रातू प्रखंड के बनापीरी पंचायत सचिवालय परिसर में 80 वरिष्ठ नागरिकों को व्हील चेयर और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (खरउअ) के अध्यक्ष अजय नाथ शहदेव मौजूद थे।उन्होंने कहा कि लक्ष्य है – हर एक जरूरतमंद तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना, ताकि वे आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।यह वितरण एलिम्को (अछक्टउड) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर दीप्ति आसरा रांची के सचिव चंदमौली पांडेय, मुखिया सोनी भगत, पंचायत समिति सदस्या गीता देवी, समाजसेवी जाहिद अंसारी, नेशार अख्तर, और सुगी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्वक सहायक उपकरण प्रदान कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ पलामू एसीबी टीम की बड़ी कार्रवाई लातेहार जिला परिषद कार्यालय के बड़ाबाबू 65000 लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता ।

रातू : भ्रष्टाचार के खिलाफ पलामू प्रमंडलीय एसीबी टीम ने बृहस्पतिवार के शुभ लातेहार जिला मुख्यालय में पदस्थापित जिला परिषद कार्यालय के बड़ाबाबू संतोष सिंह ने 65000 लेते रंगे हाथ पलामू एसीपी की टीम ने गिरफ्तार किया है गिरफ्तार करने के बाद एसीबी की टीम आगे की कार्रवाई में जुट गई है

चाईबासा। जिला पुलिस ने बड़ाजामदा डकैती कांड का खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है।

संवाददाता ।

चाईबासारूबीते 14 अक्टूबर की रात गुवा (बड़ाजामदा ओपी) थाना क्षेत्र के व्यवसायी अनिल चौरसिया के घर पर हुई डकैती की घटना में शामिल पांच पेशेवर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में इस कांड का मास्टरमाइंड संजीव मिश्रा भी शामिल है।घटना 14 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे की है, जब अज्ञात अपराधियों ने बड़ाजामदा फुटबॉल मैदान के निकट स्थित अनिल चौरसिया के घर में हथियार के बल पर डकैती को अंजाम दिया था। अपराधी घर से करीब ढाई लाख रुपये नकद, सोने की चेन और सोने का ब्रेसलेट लूटकर फरार हो गए थे।बरामद वस्तुओं में 20 हजार रुपये नकद, दो चारपहिया वाहन– एक बलेनो कार (संख्या जेएच05सीजे 3223) और एक मारुति स्विफ्ट (संख्या जेएच05डीएन 7776), एक पिस्टल, सात मोबाइल फोन और एक चाइनीज सीढ़ी शामिल है। सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मोंथा चक्रवात ने धान फसलों को किया नष्ट, किसान हुए परेशान

किसानों के बर्बाद हुए धान फसलों की मुआवजा का सरकार से मांग किया

रामगढ़, संवाददाता

रजरप्पा कोयलांचल क्षेत्र के रामगढ़ चितरपुर दुलमी प्रखंड क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के धान फसल की बबार्दी हुई जिससे किसान काफी चिंतित हैं किसानों ने बताया कि पिछले दिनों मोंथा चक्रवात के अचानक आ जाने से खेतों में लहलहाते धान काफी प्रभावित हुआ है और धान फसल नष्ट हुआ है, जिससे किसान काफी चिंतित हैं, साल में एक बार पैदा होने वाला धान फसल किया जाता है परन्तु प्रकृति की कहर वरपा और बर्बाद कर दिया। किसान अपने खेतों में कठिन परिश्रम से फसल खेत मे लगाए थे, कभी अतिवृष्टि तो कभी

अनावृष्टि का डंक झेलने वाले किसान खून पसीना बहाकर कर गर्मी की चिलचिलाती धूप एवं मूसलाधार बारिश के बीच अपने-अपने खेतों में धान की फसल और हवा से खेतों में लहलते हुए धान का फसल जमीन पर गिर गया है खेतों मे धान फसल गिर जाने से फसल खेत पर ही सड़ रहा है। दूसरी ओर चिड़िया गोरया मैना तोता कबूतर आदि कई तरह के पक्षी द्वारा गिरे हुए फसल मे बैठकर धान को चट कर जा रही है, खेतों में पानी रहने के कारण किसान समय से फसल को काटकर निकालने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं रामगढ़ चितरपुर एवं दुलमी के ग्रामीण इलाके कोठार कैथा कुंदरू कला, लगाए थे परंतु चक्रवात ने फसलों को नष्ट कर दिया इस वर्ष अच्छी बारिश होने के कारण धान की फसल अच्छी होने के उम्मीद थी लेकिन दो-तीन दिनों की बारिश पोना, चितरपुर, मायल, बोरोबिंग बारलोंग, लारी, छतरमांडू लोधमा, सरैया, हुहुवा गोबरदरहा आदि गाँव मे धान फसलों की काफी बबार्दी हुई है उधर दुलमी प्रखंड क्षेत्र के सिकनी, सोसो, कोरचे सिरु, होहद, होन्हे, कुल्ही चामरोम, मदगी आदि पास पड़ोस के सैकड़ो गांव मे धान फसल नष्ट हुआ है कुंदरू के किसान कामेश्वर महतो ने बताया कि लगभग 2 एकड़ जमीन पर धान का फसल नष्ट हुआ है इसके अलावा कई दर्जन किसानों को चक्रवात के चपेट में आने से उपजा हुआ फसल का नष्ट हो जाना किसानों के लिए चिंता का विषय बन गया है और गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। किसान ने बताया कि झारखंड सरकार से पंचायत वार करके कृषि विभाग के पदाधिकारी द्वारा हुई फसल नष्ट का उचित जांच पड़ताल कर मुआवजे की मांग की है

पीडीएस दुकानदारों को 14 महीनों का कमीशन लंबित

धनबाद, संवाददाता

पीडीएस दुकानदाररों या डीलर पिछले लगभग 14 महीनों से अपने किए कार्य के बदले कमीशन के इंतजार में बाट जोह रहे हैं और सरकार की नींद खुलने का नाम नहीं ले रही है। अफसोस की बात ये है कि इन्हें अपने ही द्वारा किए कार्यों का मूल्य नहीं मिलता और परिवार का पालन करना भी दुस्वार हो जाता है। इन परिस्थिति में सरकार की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि जल्द से जल्द इन पालनहारों का इनका ही कमीशन ससमय देकर इनकी दयनीय परिस्थिति में सुधार लाए। वैसे झारखंड सरकार ने राज्य के 25 हजार से ज्यादा पीडीएस डीलरों को बड़ी राहत देने की बात कही, किन्तु जमीनी बात ये है कि ये एक छलावा है। इस बाबत जब बलियापुर ब्लॉक में जा कर कुछ डिलरो से बात की गई तो पता चला कि सभी डिलरों की हालात खस्ता है और कमीशन की बाट जोह रहे हैं कि कब कमीशन उनके एकाउंट में आए। झारखंड के 25 हजार से अधिक जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलरों के लिए राहत भरी खबर है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत खाद्यान्न के हैंडलिंग परिवहन और डीलर मार्जिन योजना के सफल संचालन हेतु राज्यांश-टॉपअप के अंतर्गत 52 करोड़ 3 लाख 66 हजार 550 रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है। इसमें 30.12 करोड़ रुपये डीलर कमीशन के लिए आवंटित किए गए हैं। यह राशि एसएनए-स्पर्श प्रणाली के माध्यम से वितरित की जाएगी। इस आवंटन से राज्य भर के डीलरों को पिछले 13 से 14 महीनों से लंबित कमीशन का भुगतान किया जाएगा। डीलरों को मिलेगा 14 माह का बकाया कमीशनः राज्यभर में करीब 25,200 पीडीएस डीलर हैं, जिन्हें पिछले 13-14 महीनों से कमीशन नहीं मिल पाया था। विभाग द्वारा राशि जारी होने के बाद अब उनके भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामले निदेशालय, रांची द्वारा यह भुगतान सीधे डीलरों के बैंक खातों में ऑनलाइन किया जाएगा।

जिले भर में झारखंड ई-शिक्षा महोत्सव के तहत ICT चैंपियनशिप का आयोजन

❖कम्प्यूटर डिजिटल शिक्षा में दक्ष बने छात्र, छात्राएं-कुमारी नीलम।

रामगढ़, संवाददाता

बुधवार को जिले भर के सभी प्रखण्ड गोला, चितरपुर, दुलमी, रामगढ़, पतरातु और मांडू में झारखंड ई शिक्षा महोत्सव 2025 के तहत ICT चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 09 से 12 तक के अध्ययनरत छात्र छात्राओ ने भाग लिया। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने कहा है कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र छात्राओं को कम्प्यूटर डिजिटल शिक्षा से जोड़ते हुए डिजिटली दक्ष बनाना है। वही एडीपीओ नलिनी रंजन ने कहा कि ICT चैंपियनशिप के माध्यम से बच्चे डिजिटल शिक्षा के महत्व को बेहतर जान पाए और अपने दैनिक जीवन में और आगे बढ़ पाए। मौके एपीओ कुमार राज, इण्शिता तिर्की, सहायक कंप्यूटर प्रोग्रामर विप्लव रंजन, कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश कुमार पासवान आदि कई अन्य लोग शामिल रहे।

नगर पंचायत क्षेत्र डोमचांच में हर दिन यात्री जान जोखिम में डालकर चढ़ते वाहनों पर सुरक्षा से हो रहा खिलवाड़ जिम्मेवार कौन

कोडरमा, संवाददाता

जिला के नगर पंचायत डोमचांच क्षेत्र में संचालित तीनों टैक्सी स्टैंड यात्रियों के लिये खतरा बना हुआ हैं। तीनों स्टैंड मेन रोड सड़क किनारे संचालित हो रहे हैं। टेंपो हो या बस वाले सभी अपने वाहनो पर सवारी बैठाने और उतारने के चक्कर में सड़क पर ही वाहन खड़ा कर यात्रियों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जिसके कारण सड़क जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती हैं। यात्री सुविधा भी नदारत हैं। डोमचांच चौक विजय होटल के समीप से काफी संख्या में टेंपो का संचालन कोडरमा तिलैया के लिए होता है। भारी संख्या में यात्रीगण सड़क किनारे संचालित टेंपो, टोटो, एवं गिरिडीह की और से आने वाली बस जो सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। उस पर यात्री सवार होकर अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचाते हैं। दूसरी तरफ बाबा कपूर्री ठाकुर चौक निकट से गिरिडीह की ओर तमाम बस और टेंपो, टोटो जाने वाले भी वही रोड पर ही खड़ा करके सवारी को वाहन पर बैठने का काम करते हैं। जिससे प्रतिदिन यात्रियों की जान खतरे में तो डाली ही जाती है। साथ ही जाम की भी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। वही यह भी बता दे की डोमचांच जयनगर रोड में भी रोड ही किनारे स्टैंड संचालित है। जिसके कारण यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। वैसे तो नगर पंचायत डोमचांच के द्वारा दो टैक्सी स्टैंड का ही बंदोबस्ती हुई है। जिसमें कोडरमा की ओर जाने वाले वाहनों के स्टैंड एवं गिरिडीह की ओर जाने वाले वाहन के स्टैंड शामिल है। नगर पंचायत के द्वारा स्टैंड की बंदोबस्ती के तौर पर टैक्स तो वसूले जाते हैं। परंतु यात्रियों को मिलने वाली सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है। हर दिन यात्री सफर की शुरूआत करने से पहले वाहन में बैठते वक़्त जान तो जोखिम में डालते और अपने गंतव्य स्थल को जाते हैं। पूरे मामले को लेकर समाजसेवी बसंत मेहता ने बताया कि जिस प्रकार से नगर पंचायत के द्वारा बंदोबस्ती कर टैक्स की वसूली की जाती है। उसी प्रकार से यात्रियों के लिए सुविधा होना चाहिए। सड़क किनारे स्टैंड का संचालन होना और सड़क पर वाहन खड़ा करके यात्रियों को बैठना खतरे से खाली नहीं है। नगर पंचायत की घोर लापरवाही को दशार्ता है। नगर पंचायत डोमचांच यात्रियों के लिए सुव्यवस्थित तरीके से स्टैंड का संचालन को लेकर नई जगह तलाशे और वहां से स्टैंड का संचालन होना चाहिए। ताकि आम जनजीवन प्रभावित न हो सके। साथ ही यात्रियों के लिए जो खतरा बना हुआ रहता है वह बनी ना रहे। यात्रीगण सुरक्षित तरीके से अपने को सहज सुरक्षित महसूस कर अपने गंतव्य स्थल पहुंच सके। साथ ही बुनियादी सुविधा पानी शौचालय लाइट साफ सफाई यात्रियों को स्टैंड पर मिलनी चाहिए। यह नगर पंचायत डोमचांच को सुनिश्चित जल्द से जल्द करवाना चाहिए।

सोनारी भूतनाथ मंदिर में छह दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ समापन

जमशेदपुर, संवाददाता

सोनारी स्थित भूतनाथ मंदिर परिसर में नारायणी सेवा ट्रस्ट जमशेदपुर द्वारा नव निर्मित झुंझुनूं की महारानी श्रीश्री राणी सती दादी जी, लखदातार श्री श्याम प्रभु एवं सालासर श्री बालाजी महाराज मंदिर (नारायणी धाम) का 6 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव गुरूवार को संपन्न हुआ। आज सुबह मंदिर में नित्य पूजन के बाद संध्या 7 बजे से आमंत्रित कलाकार कोलकाता के विवेक शर्मा ने अपने भजनों से श्याम बाबा के भक्तों को देर रात्रि तक झुमाया। साथ ही बनारस से आये 8 विद्धान पंडितों द्वारा दीपक पुरोहित के सानिध्य में पुजा एवं हवन कराई गई। इसे सफल बनाने में राजकुमार संघी, राजकुमार चंदुका, कैलाश सरायवाला, बिमल गुप्ता, राजेश गर्ग, ललित सरायवाल, रामरतन कांवटिया, संदीप मित्तल, अमित गुप्ता (चंदुका), विजय मित्तल, संदीप गोयल, रूपक पसारी, अनिल अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, आशीष अग्रवाल आदि का महत्वपूर्ण योगदान भी रहा। कार्यक्रम में विवेक शर्मा ने श्री गणेश वंदना से भजनों का शुभारंभ किया। उन्होंने भजनों के माध्यम से सालासर बालाजी (भगवान हनुमान), खाटू श्याम जी (बर्बरीक का अवतार) और राणी सती दादी के प्रति अपनी आस्था भी व्यक्त की।

सम्मान समारोह में ब्रेन हंट ओलंपियाड के विजेताओं को किया गया सम्मानित

धनबाद, संवाददाता

राजगंज के संत मैथ्यूज हाई स्कूल में गुरूवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान ब्रेन हंट ओलंपियाड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर हौसला आफजाई की गई। बताते चलें कि फ्यूचर सेंस एजुकेशन गिरिडीह की ओर से संत मैथ्यूज हाई स्कूल में ब्रेन हंट ओलंपियाड का आयोजन किया था, जिसका रिजल्ट जारी किया गया। स्कूल के निदेशक रवींद्र चंद्र दे एवं प्राचार्य राहुल कुमार दे ने बच्चों से कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं से प्रतिभागियों को भविष्य में बेहतर करने की सीख मिलती है। पहली से 10 वीं क्लास तक के लगभग साढ़े चार सौ बच्चों ने इसमें भाग लिया था। परीक्षा में फर्स्ट और सेकेंड स्थान लाने वाले सभी क्लास के बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर हौसला बढ़ाया गया। ओलिंपियाड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दिशा दे, ऋषभ कुमार, अनन्या गोस्वामी, अंशु कुमारी, रिया कुमारी, मिशा भारती, आयुष हांसदा, अनोखी साव, सीमा कुमारी, सोनालिका मोदक, पीहू कुमारी, शगुन रजवार, मनीष गोराई, राज कुमार दास, आदर्श कुमार मंडल, तृप्ती पॉल, अंतरा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, सोनाली कुमारी, कृष्णा कुमार समेत कई बच्चे शामिल रहे।

गुरुद्वारा गुरु नानक सिंह सभा, सिंदरी के द्वारा सेवा भावना से कार्य करने वाले बच्चों और शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया

❖सिंदरी विधायक और बीआईटी सिंदरी के निदेशक ने भी बच्चों की प्रशंसा की।

धनबाद, संवाददाता

गुरुवार को गुरुद्वारा गुरु नानक सिंह सभा, सिंदरी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सभा के प्रधान सरदार जसप्रीत सिंह रेनू और कमेटी सदस्यों ने सेवा भावना से कार्य करने वाले बच्चों और शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रधान एवं समिति सदस्यों ने बच्चों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि इनसे अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू और बीआईटी सिंदरी के निदेशक पंकज राय ने भी बच्चों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुरेश प्रसाद, राजीव मुखर्जी, विमल कुमार, त्रिभुवन चौधरी और जितेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। सेवा में सम्मिलित बालिकाएंः मनीषा कुमारी, नीलम प्रमाणिक, अदिति कुमारी, अनन्या कुमारी, सानिया परुवेन, जैस्मिन कुमारी, प्रियंका कुमारी आदि। बालकः बंटी तांती, अनुज कुमार सिंह, विवेक कुमार, अमन यादव, अभिषेक कुमार, रोशन यादव आदि सम्मिलित थे।

आईआरबी जवान हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल और बाइक बरामद

बोकारो, संवाददाता

बीते 25 अक्टूबर को चास के गायघाट में हुई आईआरबी जवान अजय कुमार उर्फ सोनू की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों बलराम तिवारी और पप्पू उर्फ सूरज को गिरफ्तार किया है। चास एसडीपीओ प्रवीण सिंह ने बताया कि हत्या का कारण छठ घाट में हुआ मामूली विवाद था, जिसने बाद में गंभीर रूप ले लिया। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। इस एसआईटी में चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी, पिंडराजोड़ा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन, चीरा चास थाना प्रभारी चंदन दूबे सहित चास थाना की पुलिस टीम शामिल थी। लगातार छापेमारी के बाद टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक 7.65 एमएम का पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस और घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, छठ घाट में अंकित मंडल और बलराम तिवारी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसी बीच बीच-बचाव करने पहुंचे अजय राय उर्फ सोनू ने बलराम तिवारी को थप्पड़ मार दिया। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने अजय कुमार की हत्या की योजना बनाई और घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का चार्जशीट दाखिल किया जाएगा।

सराहनीय पहल : कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने खुद चलाया सफाई अभियान

बोकारो, संवाददाता

कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने आज थाना परिसर में सफाई अभियान चलाकर एक मिसाल पेश की। थाना परिसर में लंबे समय से झाड़ियां और ऊंची घास उग आई थी, जिससे वातावरण अस्त-व्यस्त नजर आ रहा था। इसे देखते हुए थाना प्रभारी ने स्वयं ग्रास-कटर मशीन उठाई और घंटों तक मेहनत कर पूरे परिसर की सफाई की। इस दौरान थाना स्टाफ ने भी उनका सहयोग किया। सफाई अभियान के तहत झाड़ियां काटी गईं, कचरा हटाया गया और पूरे परिसर को स्वच्छ व आकर्षक रूप दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि स्वच्छता न केवल वातावरण को सुंदर बनाती है, बल्कि यह अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना भी जगाती है। स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी भजनलाल महतो की इस पहल की जमकर प्रशंसा की और कहा कि ऐसे अधिकारी समाज के लिए प्रेरणा हैं।

बेरमो विधायक पर सांसद ढुलू महतो का तीखा प्रहार, बोले– अगर दम है तो मेरे मामले की सीबीआई जांच करवाएं

बोकारो, संवाददाता

धनबाद सांसद ढुलू महतो ने गुरुवार को चास में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान बेरमो विधायक अनूप सिंह पर जमकर हमला बोला। सांसद ने कहा कि बेरमो क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से ही विधायक अनूप सिंह लगातार नीच हरकतों पर उतर आए हैं और जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं। ढुलू महतो ने कहा कि अगर अनूप सिंह में जरा भी हिम्मत है, तो वे मेरे खिलाफ चल रहे मामले की सीबीआई जांच करवाएं। मैंने कभी गलत काम नहीं किया, न करूंगा। मैं श्रीराम का भक्त हूं और सदैव सच्चाई के मार्ग पर चलता आया हूं। सांसद ने बेरमो विधायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कोयला चोरी कर अपनी पत्नी को चुनाव लड़ाने वाले लोग अब मुझे ईमानदारी का पाठ पढ़ा रहे हैं। जनता सब जानती है कि असली भ्रष्टाचार किसने किया है। उन्होंने कहा कि एक चाचा-भतीजे की मिलीभगत से उनके खिलाफ झूठे मुकदमे गढ़े गए, लेकिन सच्चाई की जीत हुई और उन्हें हाईकोर्ट से क्लीनचिट मिली। ढुलू महतो ने कहा कि वे जल्द ही उन लोगों की साजिश का खुलासा करेंगे जिन्होंने एक गरीब परिवार को ढाल बनाकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं गरीबों की आवाज उठाता रहा हूं, इसलिए साजिश के तहत मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए। लेकिन सत्य की जीत हमेशा होती है और जनता मेरे साथ है। उन्होंने बेरमो क्षेत्र में विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ना है, लेकिन कुछ लोग अपनी राजनीति चमकाने के लिए इस पर भी राजनीति कर रहे हैं। प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष जयदेव राय, सांसद प्रतिनिधि मुकेश राय, परिंदा सिंह सहित पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान सांसद ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जनसमस्याओं के समाधान और विकास कार्यों में पूरी निष्ठा से लगे रहें, यही असली राजनीति है।

बीएसएल सिंटर प्लांट ने रिकॉर्ड उत्पादन कर रचा नया इतिहास

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट ने सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट संचालन और टीम भावना से नया रिकॉर्ड बनाया है। 5 नवम्बर को टीम सिंटर ने मात्र 2.5 मशीनों के संचालन से 19,088 टन ग्रॉस सिंटर का उत्पादन कर अब तक का सर्वोच्च दैनिक रिकॉर्ड स्थापित किया। इससे पूर्व फरवरी 2020 में 19,039 टन का उत्पादन दर्ज हुआ था। पर्यावरणीय मानकों में सुधार हेतु चार बैटरी-साइक्लोन को नवीनतम इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर से बदला जा रहा है, जिससे फिलहाल केवल 2.5 मशीनें ही परिचालित हैं। इसके बावजूद टीम ने अक्टूबर 2025 में 5,01,078 टन का मासिक उत्पादन कर नया कीर्तिमान बनाया। सिंटर, इस्पात निर्माण की प्रक्रिया में एक प्रमुख कच्चा माल है, जो ब्लास्ट फर्नेस की उत्पादकता, ऊर्जा दक्षता और लागत नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस उपलब्धि का श्रेय कर्मचारियों, अधिकारियों और ठेका श्रमिकों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता को दिया गया। अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन व अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्ता के मार्गदर्शन में कार्यरत टीम को वरिष्ठ अधिकारियों ने बधाई दी।

न्यूज ब्रीफ

हमने जंगल राज से बिहार को निकाल कर बदली तस्वीर : नीतीश कुमार

नवादा (एजेंसी) : जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि हमने बिहार को जंगल राज से निकालकर विकास तथा सुरक्षा अमन के मामले में तस्वीर बदलकर रख दी है। बिना भेदभाव का विकास का काम किया है। गरीबी को उत्थान किया है। जिसकी वजह विकास योजनाओं की सफलता बता रही है। वे गुरुवार को नवादा जिले के रजौली विधानसभा क्षेत्र के बीजू बीघा उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे सरकार बनने से पूर्व लोग बिहार में अपने घरों से शाम में निकलने में भी भय खाते थे। लेकिन आज देर रात्रि को भी कोई निकले तो किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को रोजगार के लिए 10000 रुपये मुफ्त में दिए गए हैं। जिसे लौटना नहीं है। उन्होंने कहा कि जो महिला उद्योग लगाना चाहते हैं उन्हें सरकार दो-दो लाख रुपये की सहायता करेगी। नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार पिछड़ा नहीं रहा बल्कि शिक्षा और विकास का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि नवादा जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज चल रहा है। मेडिकल कॉलेज आदि की भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने कहा कि बिहार का चौमुखी विकास हुआ है। आज बिहारी कहना गर्व का विषय माना जाता है। इसलिए एनडीए प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजय बनाए। ताकि बिहार विकास की इबारत लिख पाए।

महागठबंधन की सरकार बनी तो बेरोजगारी करेंगे खत्म : तेजस्वी

कटिहार (एजेंसी) : राजद नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार शाम छह बजे प्राणपुर विधानसभा 66 के रौतारा बाजार मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। तेजस्वी ने महागठबंधन प्रत्याशियों को जिताने व सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो बिहार से बेरोजगारी खत्म कर देंगे। तेजस्वी ने कहा कि जिस परिवार में नौकरी नहीं है उसके एक सदस्य को सरकारी नौकरी देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का काम करेंगे और घर में 200 यूनिट तक बिजली फ्री देंगे। वहीं चुरा के दिन महिलाओं के खाते में 30000 रुपए भेजेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्होंने 17 माह में 5 लाख शिक्षकों को नौकरी दी। 4.50 लाख नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा देने का काम किया। तेजस्वी ने प्राणपुर के मतदाताओं से राजद प्रत्याशी इशरत परवीन को जिताने का आशीर्वाद मांगा तथा जनता द्वारा जीत का आश्वासन मिलने पर माला पहनाया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सब पीछे पड़ल बा। तेजस्वी भी हेलीकाप्टर के ट्रैक्टर बना देले बा। हमरा पीछे 30 हेलीकॉप्टर छोड़े हुए हैं। लेकिन एक हेलीकॉप्टर से तीनों को पछाड़े हुए हैं कहा की खुशहाली के लिए डबल इंजन की सरकार बदलिये।

बिहार को बनाएं समृद्ध : रेखा गुप्ता

नवादा (एजेंसी) : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पशुओं का चारा खाने वाले के पुत्र के बहकावे में आकर बिहार के विकास की गाड़ी को बीच में न रोकें। बिहार के सत्ता पर वही लोग बैठेगा,जो राज्य की बेहतरी के लिए काम कर आमजनों के दिल पर भी राज करेगा। वे गुरुवार को वारिसलीगंज के मायी गढ़ स्थित मैदान में एक महती सभा को संबोधित कर रही थी। उन्होंने पूर्व की लालू परिवार की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि उन समयों में बिहार की क्या दुर्गति थी।

बिहार विस चुनाव : पहले चरण में ही मतदाताओं ने छोड़ा तीर, एनडीए या महागठबंधन मारेगी बाजी

महागठबंधन को मिल रहे हैं स्पष्ट रुझान : पवन खेड़ा

एजेंसी

पटना : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन पवन खेड़ा ने पटना के मौर्या होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज 121 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ लेकिन जो आक्रोश और गुस्सा लोगों के चेहरे पर दिख रहा था जो इवीएम पर भी दिखेगा। आज भाजपा के विधायकों, उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर मतदाताओं का भारी विरोध झेलना पड़ा। यह परिणाम पूर्व जनता ने अपने गुस्से को साबित कर दिया। बिहार के मतदाता तो अपने हक के लिए जग गए हैं लेकिन चुनाव आयोग या तो सो रहा है या सोने का नाटक कर रहा है। अनेक उदाहरण आज दिन भर में हमें

मिले जहां ये सरेआम स्पष्ट हो गया कि एसआईआर ढकोसला है क्योंकि राज्यसभा के पूर्व सांसद आरके के सिन्हा और अन्य पदाधिकारी दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भी मतदान कर रहे थे और फिर बिहार में भी मतदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर चुनाव आयोग महागठबंधन के साथियों का नाम काट रहे हैं या ऐसे लोगों का नाम काट रहे हैं जो भाजपा एनडीए के विरोध में हैं। लोगों के नाम काटने के अलावे प्रशासन ने दानापुर के कई इलाकों में नाव रोक दिया फिर भी भारी बहुमत से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने से नहीं रोक सकते। पुरुषों, महिलाओं, युवाओं, किसानों और व्यवसायियों ने गुस्से में वर्तमान सरकार के खिलाफ मतदान किया है। पहले चरण का रुझान बताने को काफी है कि अगले चरण में भी मजबूती से हमारा गठबंधन एनडीए पर हावी रहेगा।

सम्राट चौधरी ने किया दावा एनडीए 100 सीटें जीतेगा

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान गुरुवार को 18 जिलों की 121 सीटों पर संपन्न हुआ। मतदाताओं ने उत्साह और सक्रियता के साथ अपने मत का प्रयोग किया। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि यह चरण राज्य की सत्ता समीकरण और रणनीति तय करने के लिहाज से 'टेस्ट-केस' साबित हुआ। मतदाता इस बार पहले से ज्यादा सक्रिय दिखे और प्रथम चरण में शाम छह बजे तक लगभग 64.46 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि 2020 के पहले चरण में यह आंकड़ा लगभग 57.75 प्रतिशत था।

एनडीए के नेताओं का दावा है कि उन्हें पहले चरण में स्पष्ट बढ़त मिल सकती है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 100 सीटें जीतने का दावा किया है, जिससे उनकी

स्थिति राज्य में मजबूत दिखाई देती है। महागठबंधन का कहना है कि जनता बदलाव की ओर झुकी है, विशेषकर युवा और महिला मतदाता उनके पक्ष में हैं। राजनीतिक विश्लेषक लव कुमार मिश्र का कहना है कि पहले चरण में बाजी एनडीए के हाथ में दिख रही है, लेकिन महागठबंधन के पास भी बढ़त बनाने की रणनीति और उम्मीद मौजूद है।

हाई-प्रोफाइल सीटों की लड़ाई, कौन बढ़ाएगा अपनी ताकत पहले चरण में कई हाई-प्रोफाइल मुकाबले सामने आए, जिनमें बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। राघोपुर सीट पर तेजस्वी यादव और सतीश कुमार यादव (भाजपा) के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। तारापुर में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (भाजपा) और अरुण शाह (आरजेडी) के बीच सीधी टक्कर है। लखीसराय सीट पर उपमुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा (भाजपा) मैदान में थे। महुआ में तेज प्रताप यादव ने त्रिकोणीय मुकाबले में चुनौती पेश की है। अलीनगर में लोक-गायिका भाजपा उम्मीदवार मैथिली ठाकुर ने आरजेडी को चुनौती दी है। इन सीटों पर आज का मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इन परिणामों पर अगले चरण की रणनीति भी निर्भर करेगी।

दिल्ली के रिमोट से चल रही बिहार की सरकार : राहुल

एजेंसी

पूर्णिया : कसबा विधानसभा क्षेत्र में आज कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की सरकार दिल्ली में बैठे लोगों और उनके अधिकारियों के रिमोट कंट्रोल से चल रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वही करते हैं, जो दिल्ली से आदेश मिलता है। उन्होंने जनता से अपील की कि अगर वे सच्चे बदलाव और न्याय की सरकार चाहते हैं, तो गठबंधन को मौका दें।

राहुल गांधी ने कहा कि अगर गठबंधन की सरकार बनी तो बिहार में बड़े-बड़े यूनिवर्सिटी और अस्पताल स्थापित किए जाएंगे, ताकि युवाओं को रोजगार और शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों ने देश को कर्ज और महंगाई के जाल में फंसा दिया है, जिससे आम जनता की कमर टूट गई है। उन्होंने दावा किया कि

निष्पक्ष चुनाव हुए तो एनडीए गठबंधन की हार तय : प्रियंका

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिले के गोविंदगंज विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ई.शशिभूषण राय के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर बिहार विधानसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए गए तो 20 साल से बिहार के सत्ता पर काबिज एनडीए सरकार की हार तय है।

उन्होंने कहा कि बिहार की मौजूदा सरकार युवाओं के लिए कोई काम नहीं किया। बिहार में पलायन और बेरोजगारी चरम पर

है। उन्होंने एनडीए सरकार पर आरोप लगाते कहा कि देश के विकास में बड़ा योगदान देने वाले बिहार के लोगों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। एनडीए विकास के नाम पर नहीं धर्म के नाम वोट मांग रही है। अब बिहार में ऐसी सरकार की जरूरत है,जो गरीबों, महिलाओं और युवाओं के लिए काम करने वाली हो।

लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के काफिले पर हमला

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर वोटिंग जारी है। इसी बीच बड़ी खबर सामने आ रही है कि लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी के काफिले पर हमला हुआ है। उपमुख्यमंत्री ने हमले का आरोप राजद समर्थकों पर लगाया है। राजद समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री और लखीसराय निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा की कार को घेर लिया और चप्पल फेंकी और 'मुर्दाबाद' के नारे लगाते हुए उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद हैं। मौके पर भारी बवाल देखने को मिला। उनके काफिले पर कीचड़ फेंकने की जानकारी मिल रही है। मौके पर विजय सिन्हा के साथ नोकझोंक भी हुई है।

हमले के बाद पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा उम्मीदवार विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि ये राजद के गुंडे हैं। एनडीए सत्ता में आ रही है... गुंडे मुझे गांव में जाने नहीं दे रहे हैं। विजय सिन्हा ने आरोप लगाया कि दलित और पिछड़े लोगों को धमकाया जा रहा है। विजय सिन्हा ने कहा कि आरोपियों पर बुलडोजर एक्शन होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग से शिकायत भी करेंगे। उन्होंने दावा किया कि विजय सिन्हा जीतने वाले हैं। उन्होंने मेरे पोलिंग एजेंट को भगा दिया और उसे वोट नहीं देने दिया...उनकी गुंडागर्दी देखिए।

कारोबार

एसजीबी 2017-18 सीरीज 6 की तय हुई रिडेंप्शन प्राइस

निवेशकों को 324% तक का रिटर्न

एजेंसी

नई दिल्ली : सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की 2017-18 की सीरीज 6 के रिडेंप्शन के अंतिम रिडेंप्शन प्राइस का ऐलान कर दिया गया है। इस ऐलान के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस सीरीज के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड्स के रिडेंप्शन की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। इसके तहत एसजीबी के प्रत्येक यूनिट (ग्राम) के लिए 12,066 रुपये का मूल्य तय किया गया है। एसजीबी की इस सीरीज के तहत गोल्ड बॉन्ड 6 नवंबर 2017 को जारी किए गए थे। आज इसकी मैच्योरिटी के आठ साल पूरे होने पर इसके रिडेंप्शन की प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है। एसजीबी की 2017-18 की सीरीज 6 को 2,895 रुपये प्रति यूनिट (ग्राम) के मूल्य पर जारी किया गया था। इस तरह से इस सीरीज में निवेश करने वाले निवेशकों को 316.78 प्रतिशत का जबरदस्त रिटर्न मिला

है। ऑनलाइन पेमेंट करने वाले निवेशकों को तो 324 प्रतिशत से भी ज्यादा का रिटर्न मिला है। इस रिटर्न में निवेश के दौरान हर साल मिलने वाला 2.5 प्रतिशत का वार्षिक ब्याज शामिल नहीं है।

वित्त वर्ष 2017-18 में 6 नवंबर को जब ये बॉन्ड जारी हुआ था, तब ऑनलाइन पेमेंट करने पर निवेशकों को 50 रुपये प्रति यूनिट (ग्राम) की छूट मिलती थी। इससे ऑनलाइन पेमेंट करने वाले निवेशकों के लिए वास्तविक इश्यू प्राइस 2,845 रुपये हो गई थी। इस हिसाब से ऑनलाइन पेमेंट करने वाले सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) ने अपने निवेशकों को लगभग 324.11 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों को इस बॉन्ड से जबरदस्त फायदा मिला है।

इस संबंध मे भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मैच्योरिटी जारी होने के आठ साल बाद पूरी होती है। इसलिए सीरीज-6 का अंतिम रिडेम्पशन 6 नवंबर 2025 तय किया गया है। रिडेम्पशन प्राइस तय करने के लिए आईबीजेए द्वारा प्रकाशित सोने के क्लोजिंग प्राइस का तीन कार्यदिवस (बिजनेस डे) - 31 अक्टूबर, 3 नवंबर और 4 नवंबर 2025 का औसत लिया गया है। एसजीबी स्कीम के लिए तय किए गए नियमों के अनुसार इन बॉन्ड्स को पांच साल की अवधि पूरा होने के बाद किसी भी इंटरेस्ट पेमेंट डेट पर समय से पहले रिडीम किया जा सकता है। ऐसा होने पर निवेशक को कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ सकता है, लेकिन मैच्योरिटी पर कैपिटल गेन टैक्स नहीं लगता है, इसलिए बड़ी संख्या में निवेशक इसे पूरी अवधि तक होल्ड करते हैं।

एसजीबी पर मिलने वाला 2.5 प्रतिशत सालाना ब्याज इनकम टैक्स एक्ट के तहत टैक्सेबल होता है। हालांकि मैच्योरिटी के समय होने वाला कैपिटल गेन पूरी तरह टैक्स-फ्री है। अगर कोई व्यक्ति बॉन्ड को बेचता है, तो लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन पर इंडेक्सेशन का लाभ मिलता है, जिससे टैक्स का बोझ कम हो जाता है।

भारत को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत : वित्त मंत्री

एजेंसी

मुंबई : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और बैंकों के साथ चर्चा चल रही है। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा।

मुंबई में 'आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करना' विषय पर 12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत पूरी करने पर काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई के साथ चर्चा कर रहे हैं। हम बैंकों के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। 12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए

कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया। सीतारमण ने कहा कि सरकार का मुख्य जोर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर है। पिछले दशक में पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2014 से व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुधारों को आगे बढ़ाया है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत की और पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी की अगुवाई में वृद्धि पर जोर दे रही है। डेटा की लागत आज कम होकर 10 रुपये प्रति जीबी पर आ गई है, जो 2014 में 300 रुपये प्रति जीबी थी।

ईडी ने अनिल अंबानी को धनशोधन मामले में 14 को फिर पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी) : ईडी ने कथित बैंक धोखाधड़ी एवं धन शोधन मामले में रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी को अगले हफ्ते एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने 66 वर्षीय उद्योगपति से अगस्त में पूछताछ की थी। अधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि अनिल अंबानी को एसबीआई में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए 14 नवंबर को केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। ईडी ने हाल ही में अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की कंपनियों के खिलाफ अपनी जांच के तहत 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। उल्लेखनीय है कि ईडी का ये ताजा समन अनिल अंबानी और उनके समूह की कंपनियों से जुड़ी 7,500 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को जब्त करने के दो दिन बाद आया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चार अस्थायी जब्ती आदेश जारी किए हैं।

एलआईसी का दूसरी तिमाही में मुनाफा 32 फीसदी बढ़ा

मुंबई (एजेंसी) : सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 32 फीसदी बढ़कर 10,053 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में बीमा कंपनी ने 7,621 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी ने गुरुवार को शेयर बाजार को जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,39,614 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,29,620 करोड़ रुपये थी। इसके साथ दूसरी तिमाही में कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय बढ़कर 1,26,479 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,19,901 करोड़ रुपये रही थी। एलआईसी के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल व्यय बढ़कर 2,30,160 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,22,366 करोड़ रुपये रहा था। इस बीच दूसरी तिमाही में कंपनी की शुद्ध प्रीमियम आय सालाना आधार पर 5.5 फीसदी बढ़कर 1.26 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसके अलावा एलआईसी का एयूएम 3.31 फीसदी बढ़कर 57.23 लाख करोड़ रुपये हो गया।

शिव नादर चौथी बार बने सबसे बड़े दानदाता

- सीएसआर खर्च के मामले में रिलायंस फाउंडेशन सबसे आगे
- हुरुन फिलैंथ्रोपी ने जारी की लिस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली : हुरुन रिसर्च इंस्टिट्यूट ने साल 2025 के लिए कॉरपोरेट सेक्टर के सबसे बड़े दानदाताओं और परोपकारियों की सूची एडल गिव एंड हुरुन फिलैंथ्रोपी लिस्ट- 2025 जारी कर दी है। इस सूची के मुताबिक एचसीएल टेक्नोलॉजी के संस्थापक शिव नादर और उनके परिवार ने एक बार फिर सबसे बड़े दानदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराया है। शिव नादर और उनका परिवार पिछले 5 साल के दौरान चार बार इस सूची में अव्वल रहा है। वहीं, कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के

तहत किए गए खर्च के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज की फिलैंथ्रोपिक शाखा रिलायंस फाउंडेशन शीर्ष स्थान पर रही है। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एचसीएल टेक्नोलॉजी के शिव नादर और उनके परिवार ने शिव नादर फाउंडेशन के जरिये रोजाना औसतन 7.4 करोड़ रुपये के हिसाब से पिछले साल कुल 2,708 करोड़ रुपये का दान किया है। नादर फाउंडेशन के अलावा व्यक्तिगत दानदाता के रूप में भी शिव नादर परिवार 2,537 करोड़ रुपये के दान के साथ शीर्ष स्थान पर रहा।

शिव नादर फाउंडेशन मुख्य रूप से शिक्षा क्षेत्र के उत्थान के लिए दान देता है। शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए पिछले 5 साल में शिव नादर फाउंडेशन ने 10,122 करोड़ रुपये का दान किया है, जो किसी भी एक क्षेत्र के लिए किया गया सबसे बड़ा योगदान है। व्यक्तिगत दानदाताओं की सूची में शिव नादर के बाद नंदन नीलेकणी 356 करोड़ रुपये के दान के साथ दूसरे स्थान पर और उनकी पत्नी रोहिणी नीलेकणी 199 करोड़ रुपये के दान के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इसी तरह रंजन पई 160 करोड़ रुपये के दान के साथ चौथे स्थान पर रहे। साल 2025 के लिए जारी की गई इस सूची में 191 दानदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। इन दानदाताओं ने कुल 10,380 करोड़ रुपये का दान किया है।

लगातार दूसरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

मुंबई : सेंसेक्स की वीकली एक्सपायरी के दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार पर ज्यादातर समय दबाव बना रहा, जिसके कारण शुरुआत में बढ़त हासिल करने के बावजूद बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने जोरदार छलांग लगाई, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद बाजार में बिकवाली का तगड़ा दबाव बन गया। इस बिकवाली की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बनाने की कोशिश करते रहे। इसके बावजूद दोनों सूचकांक ज्यादातर समय लाल निशान में ही

बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.18 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी, डिफेंस, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 465.78 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.80 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.02 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

एयरबस और गति शक्ति विश्वविद्यालय ने किया समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी) : एयरोस्पेस उद्योग में वैश्विक अग्रणी एयरबस और गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) ने गुरुवार को यहां भारत में अपशिष्ट से टिकाऊ विमानन ईंधन अनुसंधान एवं विकास में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए एक समझौता किया। इस अवसर पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु भी मौजूद रहे। एयरबस ने जारी एक बयान में कहा कि गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के साथ अपशिष्ट पदार्थों को सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) में परिवर्तित करने पर केंद्रित एक अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रम शुरू करने के लिए एक संयुक्त अध्ययन समझौते (जेएसए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कंपनी ने बताया कि इस सहयोग का उद्देश्य नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग करके मानवीय, स्वदेशी एसएएफ उत्पादन तकनीकों का विकास करके भारत की चक्रीय अर्थव्यवस्था और कार्बन-मुक्ति लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है। कंपनी के मुताबिक इस समझौते पर एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, जुर्गन वेस्टरमेयर और जीएसवी के कुलपति, प्रो. (डॉ.) मनोज चौधरी की उपस्थिति ने हस्ताक्षर किए गए, जिन्होंने इस पहल को 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' मिशनों के साथ संरेखित करने पर प्रकाश डाला।

संक्षिप्त समाचार

पिस्टल से चली गोली युवक के पेट में लगी

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के गांव नगरिया में एक युवक की पिस्टल से चली गोली लग गई। गोली उसके पेट में लगी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। परिजन उसे उपचार के लिए आगरा ले गए। वहां ऑपरेशन कर गोली को उसके पेट से निकाला गया। तबीयत में सुधार होने पर परिजन उसे लेकर कोतवाली पहुंचे और इस संबंध में तहरीर दी। गांव नगरिया निवासी सुरेशचंद ने कोतवाली में तहरीर देकर कहा है कि उनका पुत्र रोहित कुमार गांव में एक चिकित्सक के यहां सहायक का काम करता था। सात अक्टूबर को जब उनका पुत्र काम कर रहा था तो चिकित्सक ने जान मारने की नीयत से उसे अपनी पिस्टल से गोली मार दी। गोली मारने के बाद वह उसके पुत्र को लेकर आगरा चला गया और उसे फोन पर बताया कि उसके पुत्र के साथ दुर्घटना हो गई है। उनकी मां जब चिकित्सक के घर पहुंची तो उसके परिजन फर्श से पर बिखरा खून साफ कर रहे थे। इसके बाद वह आगरा पहुंचे तो चिकित्सक उसे अस्पताल में भर्ती कराकर गायब हो गया। उन्होंने अपने पुत्र का उपचार कराया। गोली उसकी आंत में लगी थी। उनका यह भी आरोप है कि उन्होंने 30 अक्टूबर को कोतवाली में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस उन्हें टहलाती रही।

सरयू में पलटी श्रद्धालुओं से भरी छोटी नाव, खलबली- दूसरे छोर पर जा रहे थे नहाने

देवरिया, एजेंसी। नगर स्थित सरयू नदी तट पर बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाते हुए दान-पुण्य किया। नदी तट पर जनसैलाब उमड़ पड़ा था। इसी बीच श्रद्धालुओं से भरी छोटी नाव पलट गई। जिससे नदी तट पर अफरातफरी मच गई। किसी तरह लोगों ने नदी में डूब रहे लोगों को बाहर निकाला। नाव पर अधिकांश महिला-पुरुष सवार थे। सीओ राजेश चतुर्वेदी पानी भरने से नाव पलट गई थी। लेकिन पानी कम होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ है। सभी को सकुशल बाहर निकाल लिया गया है।

दिन में चलाते हैं ऑटो...रात में चोरी, पुलिस ने दबोचा ऐसा गैंग, कारनामे सुन रह जाएंगे हैरान

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना सिकंदरा के महर्षिपुरम में बंद मकान से चोरी करने वाले ऑटो गैंग को पुलिस ने पनवारी मार्ग से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकदी, कागजात, ऑटो और चोरी में इस्तेमाल औजार बरामद किए हैं। ककरैठा महर्षिपुरम निवासी धर्मेंद्र ने 2 नवंबर को थाने में चोरी का मुकदमा लिखाया था। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह दिवाली मनाने के लिए 19 अक्टूबर को परिवार के साथ गांव धमारिया औरैया गए थे। वहां से 26 अक्टूबर को वापस लौटे। उन्हें घर के ताले टूटे मिले। कमरे से कागज के साथ 1.60 लाख रुपये गायब थे एसीपी अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि चोरी की शिकायत के बाद पीड़ित के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज से तीन युवक ऑटो से आते-जाते दिखे। जांच में पुलिस ने कमला नगर निवासी अरुण वर्मा, गिरधारी वर्मा और सूरज को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी रोहित अभी फरार है आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह चार लोग ऑटो से चोरी के लिए आए थे। गिरधारी वर्मा को ऑटो में ही रखवाली के लिए छोड़ दिया था। अरुण, सूरज और रोहित मकान में ताल तोड़कर घुस गए। घर से 1.20 लाख की नकदी और आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक ले गए। पुलिस रोहित की तलाश में जुटी है।

जिला बार के चुनाव में चार पदाधिकारी निर्विरोध चुने

अलीगढ़, एजेंसी। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष पद पर तीन व सचिव पद पर दो प्रत्याशियों ने दावेदारी की है। एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया है, जबकि चार पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुनील कुमार शर्मा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष प्रथम पद पर भगवती प्रसाद बघेल, कनिष्ठ उपाध्यक्ष द्वितीय पद पर ममता कौशिक, सह सचिव तृतीय के लिए दीपक कुमार लवानिया को चुनाव संचालन समिति द्वारा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट बार हॉल के चुनाव कार्यालय में कनिष्ठ उपाध्यक्ष द्वितीय पद के लिए संदीप कुमार ने नामांकन वापस ले लिया है। वर्तमान में अध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार भारद्वाज, पवन कुमार शर्मा, दिनेश कुमार बंसल, सचिव पद के लिए ललित कुमार उपमन्यु, विनोद कुमार शर्मा बंटी, कोषाध्यक्ष पद के लिए गोविंदशरण गोस्वामी, अखिलेश कुमार प्रेमी, सह सचिव प्रथम पद के लिए कुमारी प्रियंका, संजय वार्ष्णेय, सह सचिव द्वितीय पद के लिए भूपेंद्र प्रताप सिंह व सुरेंद्र सिंह चुनावी मैदान में हैं। इन पदों पर 14 नवंबर को मतदान कराया जाएगा इस मौके पर मुख्य चुनाव अधिकारी अजय किशोर अरोड़ा एवं चुनाव अधिकारी दिगंबर सिंह सिसोदिया, दिनेश कुमार देशमुख, डा. रवेंद्रपाल सिंह, अजय कुमार गुप्ता, प्रवीन कुमार उर्फ पिंटू चौधरी, कृष्णकांत शर्मा आदि मौजूद थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर घाटों पर उमड़ी आस्था की भीड़

लखनऊ, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार सुबह से ही सरयू नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रामनगरी की आस्था शिखर को स्पर्श करती नजर आई। लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में डुबकी लगाई। यह सिलसिला भोर से ही शुरू हुआ तो पौ फटने के साथ वह और प्रगाढ़ होता गया। सरयू के स्नान घाट से प्रमुख मंदिरों की ओर जाने वाले मार्ग श्रद्धालुओं से पटे पड़े हैं।

30 अक्टूबर को चौदह कोसी परिक्रमा के साथ आरंभ हुए कार्तिक पूर्णिमा मेले के अंतिम पर्व पर स्नान दान व दर्शन-पूजन के लिए पूर्व संध्या से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। पूर्णिमा स्नान को तड़के तीन बजे से ही श्रद्धालुओं का रेला सरयू के

घाटों पर जुटने लगा।

सरयू के समानांतर ही सरयू के घाटों पर आस्था की धारा भी प्रवाहित होती दिखी। कोहरे में अल सुबह सूर्यदेव भले ही देर से चमके, उनसे पहले आस्था का सूर्य जरूर चमक रहा था। सुबह की ठंडक भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा पाई। श्रद्धालुओं ने पावन सलिला में डुबकी लगाई और सरयू पूजन-अर्चन के बाद गो दान की परंपरा का निर्वहन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पौराणिक पीठ नागेश्वरनाथ में श्रद्धालुओं ने यथा शक्ति और भक्तिभाव से भोले बाबा का अभिषेक किया। यहां लंबी कतार लगी रही। नगरी के आराध्य भगवान राम और उनके प्रिय दूत हनुमंत लला के दरबार बजरंगबली की प्रधानतम पीठ हनुमानगढ़ी, वैष्णव परंपरा की आस्था के केंद्र में रहने वाले कनक भवन, श्रीराम जन्मभूमि आदि मंदिर पर सुबह से दर्शनार्थियों की कतार लगी हुई है।

इसी तरह गोंडा के भौरीगंज स्थित सरयू घाट, पसका त्रिमुहानी और आसपास के सभी तीर्थ स्थलों पर भक्तों ने स्नान, दान और पूजा-अर्चना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की आराधना करने से घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन गंगा या सरयू स्नान, दीपदान और भगवान विष्णु-शिव की उपासना का विशेष महत्व बताया गया है।

श्रीराम जानकी मंदिर के मुख्य पुजारी महंत गोकरण दास ने कहा कार्तिक पूर्णिमा के दिन किया गया स्नान, दान और पूजन अक्षय फल देता है। यही कारण है कि हर पर्व श्रद्धालु बड़ी संख्या में सरयू तट पर पहुंचते हैं।

सरयू के तट पर स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीराम जानकी मंदिर में दर्शन किए और प्रसाद अर्पित किया। घाट पर स्थित प्राचीन मंदिरों में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की।

वहीं, अंबेडकरनगर में भी कार्तिक पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार को पूरे जिले में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ विभिन्न घाटों पर उमड़ पड़ी। आलापुर, राजेसुल्तानपुर और टांडा क्षेत्र के सरयू नदी के घाटों पर हजारों की संख्या में लोगों ने पवित्र स्नान किया। घाटों पर 'हर हर गंगे' और 'जय सरयू मइया' के जयकारों से गूंजता माहौल श्रद्धा और आस्था की भावना को प्रकट कर रहा है।

स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने जरूरतमंदों को दान देकर पुण्य अर्जित किया। मंदिरों में तुलसी पूजन और भगवान की विशेष आरती का आयोजन किया गया। श्रवण धाम, महोड़ा घाट समेत जिले के प्रमुख घाटों पर शाम को दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें लाखों दीपों से सरयू तट जगमगा उठेगा। पर्व को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए हैं। नगर के प्रमुख मार्गों व घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाटों पर उमड़े श्रद्धालु, गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

वाराणसी, एजेंसी। कार्तिक पूर्णिमा पर काशी में गंगा घाटों पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। अस्सी से राजघाट के साथ ही गंगा गोमती के संगम पर भी स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। मंगलवार की शाम से ही गंगा के तट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। बुधवार की सुबह सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा में पूर्णिमा का स्नान आरंभ हो गया। दोपहर तक स्नान का सिलसिला चलता रहेगा। गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग भी की गई है।

दुधवा नेशनल पार्क पहुंचना हुआ आसान, लखनऊ से मिलेगी सीधी एसी बस

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी से अब दुधवा नेशनल पार्क तक जाना आसान हो गया है। परिवहन निगम ने मंगलवार को लखनऊ से दुधवा के लिए सीधी एसी बस सेवा (यूपी 78 एलटी 2353) की शुरुआत की। कैसरबाग बस अड्डे से इसका संचालन शुरू किया गया है और पहली बस 12 यात्रियों के साथ रवाना हुई। एक यात्री का किराया 487 रुपये तय किया गया है। कैसरबाग से दुधवा पार्क तक की दूरी 227 किमी है।

अवध डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह सेवा 15 दिन के लिए शुरू की गई है।

यदि पर्याप्त संख्या में यात्री मिलते हैं, तो बस का संचालन जारी रखा जाएगा। मंगलवार को सुबह आठ बजे पहली बस दुधवा पार्क के लिए रवाना की गई। यह सीतापुर बाईपास और लखीमपुर खीरी बाईपास होते हुए दोपहर डेढ़ बजे दुधवा पहुंचेगी। वापसी में बस दुधवा नेशनल पार्क से दोपहर ढाई बजे चलेगी।

अतीक का किला ढहाने वाले आईपीएस करेंगे ऋषिकांत की जांच, सांसद डिंपल ने की सीबीआई जांच की मांग

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में माफिया अतीक अहमद के बेटे का मुठभेड़ के दौरान एनकाउंटर करने वाले आईपीएस रमित शर्मा निलंबित सीओ ऋषिकांत शुक्ला मामले की जांच करेंगे। वह वर्तमान में एडीजी जोन बरेली हैं। वर्दी की आड़ में 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति अर्जित करने के आरोप में रविवार रात ऋषिकांत को निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ विजिलेंस और विभागीय जांच शुरू हो गई है।

विभागीय जांच की अगुवाई रमित शर्मा को दी गई है। मूलरूप से हापुड़ के रहने वाले रमित 1999 बैच के आईपीएस हैं। वह प्रयागराज कमिश्नरी के पहले कमिश्नर भी रहे हैं। अधिवक्ता अखिलेश दुबे प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी ने ऋषिकांत के पास 100 करोड़ से ज्यादा की संपत्तियां होने के आरोपों की जांच की थी। इसमें से करीब 92 करोड़ रुपये की 12 संपत्तियों के बारे में एसआईटी को साक्ष्य मिल गए थे।

ऋषिकांत के पैनकार्ड का इस्तेमाल हुआ था

साथ ही एसआईटी को तीन ऐसी संदिग्ध संपत्तियां भी मिली थीं, जिन्हें खरीदने में ऋषिकांत के पैनकार्ड का इस्तेमाल हुआ था। इन्हीं संपत्तियों की रिपोर्ट के आधार पर ही तत्कालीन सीपी अखिल कुमार ने 10 और 15 सितंबर को डीजीपी व सीएम को पत्र भेजे। इसके अनुसार ऋषिकांत कानपुर में वर्ष 1998 से 2006 तक तथा दोबारा दिसंबर 2006 से वर्ष 2009 तक नियुक्त रहे।

तीन अन्य स्थानों पर भी संपत्ति मिली है

अखिलेश दुबे से ऋषिकांत के करीबी संबंध हैं। एसआईटी की जांच व सत्यापन में ऋषिकांत शुक्ला, परिवारीजन, साथियों व साझेदारों के साथ 12 स्थानों पर करीब 92 करोड़ की संपत्ति मिली। तीन अन्य स्थानों पर भी संपत्ति मिली है। आर्यनगर में 11 दुकानें भी हैं] जो इनके पड़ोसी साथी देवेंद्र दुबे के नाम पर हैं। हालांकि यह भी ऋषिकांत की बेनामी संपत्ति है।

सांसद डिंपल यादव ने की सीबीआई जांच की मांग

मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव ने मामले में कहा कि जिनसे न्याय मिलना चाहिए, वहीं अब लूट और सत्ता संरक्षण का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा राज का मतलब भ्रष्टाचार है। सरकार ने ईमानदार अधिकारियों को दरकिनार करते हुए सत्ता से नजदीकी रखने वालों को तैनाती दे रखी है। मामले की सीबीआई जांच की मांग की। जरूरत पड़ी, तो संसद में भी वह इस बात को उठाएंगी।

मेरठ और बागपत की 248 औद्योगिक इकाइयों को नोटिस, लगाना होगा ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम

मेरठ, एजेंसी। एनसीआर में बढ़ रहे जल और वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) अलर्ट हो गया है। सीपीसीबी ने मेरठ के 110 और बागपत के 138 औद्योगिक इकाई संचालकों को नोटिस जारी किए हैं। सभी को निर्देश दिए हैं कि चिमनी में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाना होगा। जिस उद्योग में पहले से सिस्टम लगा हुआ है, उसे नए मानक के अनुसार अपडेट करना होगा। इसके लिए 15 नवंबर तक का समय दिया गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सख्ती के साथ निर्देश जारी किए हैं कि सभी उद्योगों में लगी हुई चिमनी में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम को नए प्रोटोकॉल से लगाना होगा। अभी उद्योगों से सिस्टम के माध्यम से जुटाया गया प्रदूषण का डाटा एजेंसी के माध्यम से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजा जाता था।

अब बोर्ड ने निर्देश दिए हैं कि वायु एवं जल प्रदूषण का डाटा सीधे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजा जाएगा और उसकी 24 घंटे मॉनिटरिंग की जाएगी। इंडस्ट्री से कितना उत्प्रवाह निकल रहा है और किस कैटेगरी में उद्योग चल रहा है। इसके

लिए क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी किया गया है।

फूड प्रोसेसिंग इकाई में भी होगी निगरानी : फूड प्रोसेसिंग यूनिट टेक्सटाइल एवं मेटल गैलन वाली इकाइयों में भी ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम लगाने के लिए कहा गया है। अभी तक केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा लाल कैटेगरी की ही इंडस्ट्री में इसे लगाया गया था लेकिन इस बार नए नियम के साथ इनमें भी मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जाएगा और जो नए मानक तय किए गए हैं उनके अनुसार ही इन्हें अपडेट करना होगा।

24 घंटे होगी निगरानी : शुगर फैक्ट्री, पेपर मिल, मेटल इकाई, डिस्टलरी, फूड प्रोसेसिंग यूनिट, टेक्सटाइल आदि में ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम को प्रोटोकॉल के साथ रजिस्टर्ड करना होगा। जिसकी मॉनिटरिंग केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड दिल्ली द्वारा 24 घंटे की जाएगी।

डेढ़ करोड़ के गांजा के साथ गाजीपुर के रहने वाले चाचा-भतीजा गिरफ्तार, तीसरा आरोपी बिहार का

बड़हलगंज, एजेंसी। नारकोटिक्स विभाग को बड़हलगंज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजा के धंधे की सूचना मिली थी। मंगलवार को मुखबिर की सटीक जानकारी पर पुलिस के साथ नारकोटिक्स विभाग की टीम ने मिश्रौली टोला के किराए के मकान में छापा मारा। मकान अंदर से बंद था जिसे काफी मशक्कत के बाद खोला गया। गोरखपुर के बड़हलगंज थाना क्षेत्र के संसारपर गांव के मिश्रौली टोला में मंगलवार रात नारकोटिक्स विभाग और बड़हलगंज पुलिस ने डेढ़ करोड़ के गांजा के साथ चाचा-भतीजा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान गाजीपुर निवासी सोनू तिवारी उर्फ अमन, उसके चाचा सुमन तिवारी और बिहार निवासी मिथिलेश तिवारी के रूप में हुई है। नारकोटिक्स विभाग को बड़हलगंज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गांजा के धंधे की सूचना मिली थी। मंगलवार को मुखबिर की सटीक जानकारी पर पुलिस के साथ नारकोटिक्स विभाग की टीम ने मिश्रौली टोला के किराए के मकान में छापा मारा। मकान अंदर से बंद था जिसे काफी मशक्कत के बाद खोला गया।

अंदर मौजूद आरोपियों के कब्जे से दो क्विंटल 97 किलो गांजा बरामद हुआ। इसकी बाजार में कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई है। नारकोटिक्स विभाग के इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जांच में पता चला कि सभी आरोपी लंबे समय से गांजा के धंधे में लिप्त थे। मकान गोरखपुर के अमित चौरसिया का है, जिसे उन्होंने आरोपियों को किराए पर दिया था। पुलिस और नारकोटिक्स विभाग की टीम आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में सीओ गोला दरवेश कुमार, थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह और नारकोटिक्स विभाग की टीम शामिल रही।

फैक्टरियों का गेट बंद कर देर रात तक चलती रही जांच, आवागमन रोका

अलीगढ़, एजेंसी। सासनी क्षेत्र में संचालित स्वीकेस फैरो प्राइवेट लिमिटेड व रति का नगला के निकट संचालित महाकाल नाम की लोहा गलाने की फैक्टरियों पर मंगलवार की दोपहर से शुरू हुई सेंट्रल जीएसटी टीम की जांच देर रात तक चलती रही। दोनों फैक्टरियों के गेट बंद कर दिए गए हैं और लोगों की आवाजाही पर रोक दी गई।

लोहा कारोबार में जीएसटी चोरी और फर्जी बिलिंग से जुड़ी शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है कि लखनऊ, मुरादाबाद और हाथरस सहित कई जिलों में लोहे से जुड़ी फर्मों के जरिये करोड़ों रुपये के फर्जी लेनदेन का खुलासा हुआ था।

पिछले दिनों की गई प्राथमिक जांच में हाथरस जनपद से भी तीन संदिग्ध फर्मों के नाम सामने आए थे, जिसके बाद सेंट्रल जीएसटी की टीम सक्रिय हुई। टीम ने फैक्टरी में उपलब्ध खाताबही, ई-वे बिल, टैक्स इनवॉयस और कंप्यूटर रिकॉर्ड की जांच की। इस दौरान उत्पादन व बिक्री से जुड़ी जानकारी की भी बारीकी से जांच की गई।

कार्रवाई की खबर मिलते ही शहर के अन्य लोहा कारोबारियों में खलबली मच गई। कई व्यापारियों ने अपने दस्तावेजों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि जिले की कुछ और औद्योगिक इकाइयां भी सेंट्रल जीएसटी के रडार पर आ सकती हैं। खबर लिखे जाने तक कार्रवाई जारी थी। सेंट्रल जीएसटी के अधिकारियों ने छापे से संबंधित कोई भी जानकारी दिए जाने से इन्कार कर दिया। उपायुक्त राज्य कर आरके सिंह ने बताया कि जिन फैक्टरियों पर छापा मारा जा रहा है, वे दोनों ही सेंट्रल जीएसटी के अंतर्गत पंजीकृत हैं। प्रदेशभर में 341 करोड़ की हो चुकी है कर चोरी

कर चोरी के रैकेट का खुलासा होने के बाद सामने आया था कि गिरोह अब तक करीब 341 करोड़ रुपये की कर चोरी कर चुका है। इस संबंध में लखनऊ व मुरादाबाद में नौ लोगों पर मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है। इस रैकेट ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में करीब 122 बोगस फर्म खोली थीं। इनमें हाथरस की भी तीन फर्में शामिल हैं। यह फर्में दो मोबाइल नंबरों पर खोली गई थीं लोहा कारोबार के लिए खोली गई फर्मों के जरिये करीब 118 करोड़ रुपये का कागजी कारोबार सामने आया था। इस रैकेट के तार देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से जुड़े होने की बात सामने आई थी। लोहे से लदे कुछ ट्रकों को पकड़ने के बाद इस रैकेट का राज्य जीएसटी की ओर से खुलासा गया था, जबकि अधिकांश फर्म सेंट्रल जीएसटी में पंजीकृत हैं।

रैकेट चलाने वालों ने पंजीयन लेने के लिए पांच फीसदी कर वाले उत्पाद रेडीमेड गारमेंट्स के एचएसएन नंबरों को डाला था, ताकि पंजीयन अधिकारी आसानी से बिना किसी जांच के पंजीयन स्वीकार कर लें, जबकि लोहा व मेटल आदि पर 18 फीसदी कर है, लेकिन इनके कर की दरें अधिक होने के कारण पंजीयन के लिए अधिक गंभीरता से जांच की जाती है। इन कारोबार में कच्चा माल (कबाड़) आम लोगों के घरों से आता है, इसलिए इनपुट की जांच मुश्किल होती है।

कुत्तों का आतंक, 24 घंटे में 34 को काटा

अलीगढ़, एजेंसी। शहर व आसपास के इलाकों में कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। 24 घंटे में 34 लोगों को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया है। ये लोग एंटी रेबीज वैक्सीन (एआरवी) की पहली खुराक लगवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। इससे पहले इमरजेंसी में छह लोग पहली खुराक के लिए पहुंचे। शहरवासी इन-दिनों कुत्तों से परेशान हैं। छोटा नवीपुर निवासी अजय के 12 साल के बेटे अनिकेत पर रविवार की सुबह कुत्ते ने हमला कर दिया। उसके चेहरे व माथे पर चोट आई। अजय ने बताया कि गली में एक कुत्ता पागल हो गया है। स्थानीय लोग उसे घेरने का प्रयास कर रहे थे। आनन-फानन बच्चे जिला अस्पताल की इमरजेंसी लाया गया। इधर, गांव अहमदनपुर निवासी सुभाष (35), बालामढ़ी निवासी धर्मेंद्र (37), नगला टीका निवासी शिवानी (29) व नगला रानी निवासी कौशल (30) पर अलग-अलग समय कुत्तों ने हमला किया। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में सोमवार की रात को छह पीड़ित एआरवी की पहली खुराक लगवाने पहुंचे।

लिकर इंडस्ट्री की चेतावनी

10 नवंबर तक बकाया क्लियर करो नहीं तो पार्टी बिगड़ेगी

हैदराबाद, एजेंसी। लिकर उद्योग इस समय अजीब पसोपेश में है। एक तरफ क्रिसमस और न्यू ईयर का फेस्टिवल सीजन आ रहा है। उस वक्त शराब की मांग बढ़ जाती है। लेकिन दूसरी तरफ इंडस्ट्री उस समय सप्लाई थामने की बात कर रहे हैं। जी हां, यह हालत तेलंगाना में आने वाली है। राज्य सरकार पर शराब उद्योग के करीब 3,000 करोड़ रुपये का बकाया है। वे सरकार से बकाये का भुगतान करने को कह रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं रहा है। इसलिए शराब

उद्योग ने चेतावनी दी है कि यदि 10 नवंबर तक भुगतान नहीं किया गया तो त्योहारी सीजन के दौरान आपूर्ति में गंभीर कमी आ सकती है। मतलब क्रिसमस और न्यू ईयर की पार्टी बिगड़ सकती है।

सरकार के पास पैसे की क्या कमी?

उद्योग संघों का कहना है कि सरकार ने बीते अक्टूबर में ही शराब के नए खुदरा लाइसेंस जारी किए हैं। इस मद में सरकार को आवेदन शुल्क से ही 3,000 करोड़ रुपये मिले हैं। लिकर इंडस्ट्री का कहना है कि इस राशि का उपयोग लंबित बिलों के निपटान के लिए किया जाए। संघों ने कहा पर्याप्त शुल्क एकत्र करने और अक्टूबर में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करने के बावजूद, पिछले चार महीनों के औसत की तुलना में आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है।

टाटा को मिलेगी 11,000 करोड़ से पावर, शुरू करेगी बड़ा प्रोजेक्ट

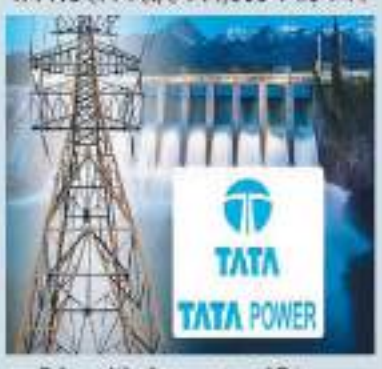

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा पावर कंपनी महाराष्ट्र के पुणे में शिरवटा में एक बड़ा पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट लगाने जा रही है। इस प्रोजेक्ट में कंपनी 11,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह जानकारी टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि शिरवटा प्रोजेक्ट का काम अगले साल जुलाई में शुरू होगा। इसे पूरा होने में पांच साल लगेंगे। उन्होंने कहा, हम 11,000 करोड़ रुपये

का निवेश करेंगे और इसका फाइनेंसिंग 70:30 के डेट-इक्विटी रेशियो से होगा। पिछले साल टाटा पावर और महाराष्ट्र सरकार के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत राज्य में दो बड़े पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट बनाए जाएंगे, जिनकी कुल क्षमता 2800 मेगावाट होगी। इनमें से एक प्रोजेक्ट पुणे के शिरवटा में 1800 मेगावाट का होगा और दूसरा रायगढ़ के भिवपुरी में 1000 मेगावाट का। यह प्रोजेक्ट टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी द्वारा विकसित किया जा रहा है और वर्तमान में उसी के स्वामित्व में है। भिवपुरी प्रोजेक्ट के बारे में टाटा पावर ने बताया कि वे अभी कमर्शियल और इंडस्ट्रियल ग्राहकों से बात कर रहे हैं। अगले छह महीनों में उन्हें इस प्रोजेक्ट से जोड़ा जाएगा।

भारत, चीन, तुर्की... तीनों देशों ने लिया ऐसा फैसला कि रूस को होने लगा नुकसान

ट्रंप का आदेश बना मजबूरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस से समुद्र के रास्ते कच्चे तेल की सप्लाई में भारी गिरावट आई है। यह गिरावट जनवरी 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि अमेरिका की नई पाबंदियों के चलते बड़े खरीदार (चीन, भारत और तुर्की) रूसी तेल से कतरा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल कंपनियों पर बैन लगाया है। इसके चलते जहाजों पर माल चढ़ाने से ज्यादा असर माल उतारने पर पड़ा है, जिसकी वजह से समुद्र में तेल का भंडार बढ़ता जा रहा है। ब्लूमबर्ग के जहाज-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक 2 नवंबर तक पिछले चार हफ्तों में रूस के बंदरगाहों से हर दिन औसतन 35.8 लाख बैरल तेल निकला। यह 26 अक्टूबर तक के पिछले चार हफ्तों के संशोधित आंकड़े से करीब 1.9 लाख बैरल कम है। चार हफ्तों का औसत और हफ्ते भर के आंकड़े भी गिरे हैं। इस गिरावट से रूसी तेल से होने वाली कमाई में भी कमी आई है। यह अगस्त के बाद सबसे कम है। यह सब रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ कारोबार पर अमेरिका की पाबंदियों के बाद हुआ है। ट्रंप के आदेश के बाद भारत समेत कई देशों ने रूसी तेल खरीदना कम कर दिया है। ये देश उम्मीद कर रहे हैं कि ऐसा करने से शायद ट्रंप टैरिफ में कटौती कर दें।

● समुद्र में बढ़ गया रूसी तेल- रूसी एक्सपोर्टर अभी भी टैंकरों में कच्चा तेल भर रहे हैं, लेकिन रिफाइनर उसे अपने स्टोरेज टैंकों में लेने के लिए कम इच्छुक हैं। इसकी वजह से समुद्र में रूसी कच्चे तेल की मात्रा बढ़कर 38 करोड़ बैरल से ज्यादा हो गई है।

रूस को होने लगा नुकसान

तेल की बिक्री में गिरावट आने से रूस को नुकसान होने लगा है। चार हफ्तों के औसत के हिसाब से रूस के निर्यात का कुल मूल्य 2 नवंबर तक के 28 दिनों में हर हफ्ते करीब 9 करोड़ डॉलर घटकर 1.36 अरब डॉलर रह गया। इसमें निर्यात की मात्रा और कीमतें दोनों गिरीं।

तीनों देशों पर क्या असर?

चीन, भारत और तुर्की के रिफाइनर (तेल साफ करने वाली कंपनियां) पाबंदियों वाले तेल के कार्गो खरीदना फिलहाल रोक रहे हैं और वैकल्पिक सप्लाई ढूंढ रहे हैं। भारत, चीन और तुर्की मिलकर रूस के समुद्र के रास्ते होने वाले कुल कच्चे तेल निर्यात का 95 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा खरीदते हैं। इसलिए, अगर वे अपनी खरीद में थोड़ी भी कमी करते हैं, तो उसकी भरपाई करना लगभग नामुमकिन होगा। ट्रंप के आदेश का तीनों देशों पर यह असर पड़ा-

भारत के कई बड़े तेल रिफाइनर, जो हर दिन करीब 10 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल खरीद रहे थे, फिलहाल खरीद रोक रहे हैं। वे तब तक इंतजार कर रहे हैं जब तक कोई रास्ता नहीं निकल आता।

चीनी रिफाइनरें भी ऐसे ही कदम उठा रही हैं। सरकारी कंपनियों ने भी अमेरिकी पाबंदियों के बाद कुछ रूसी कार्गो रद्द कर दिए हैं।

तुर्की के रिफाइनर, जो रूस से तीसरा सबसे बड़ा खरीदार है, उन्होंने भी खरीद कम कर दी है। वे इराक, लीबिया, सऊदी अरब और कजाकिस्तान जैसे छोटे और करीब के सप्लायरों से वैकल्पिक सप्लाई ढूंढ रहे हैं।

जेफ बेजोस की एक्स-वाइफ ने यूनिवर्सिटी को दिया 700 करोड़ से अधिक का दान

नई दिल्ली, एजेंसी। बिलियनेयर परोपकारी और जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी, मैकेंजी स्कॉट ने हॉवर्ड यूनिवर्सिटी को 80 मिलियन डॉलर (लगभग 709 करोड़ रुपये) दान दिए हैं। यह विश्वविद्यालय के 158 साल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा दानों में से एक है। यह दान बिना किसी शर्त के दिया गया है, जिसका मतलब है कि विश्वविद्यालय इन फंड्स को अपनी जरूरत के अनुसार खर्च करने के लिए स्वतंत्र है। 80 मिलियन डॉलर में से 63 मिलियन डॉलर विश्वविद्यालय के सामान्य संचालन पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 17 मिलियन डॉलर यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज को सपोर्ट करेंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक हॉवर्ड यूनिवर्सिटी के अंतरिम प्रेसीडेंट ने कहा कि यह ऐतिहासिक निवेश न केवल विश्वविद्यालय की वर्तमान प्रगति को बनाए रखने में मदद करेगा, बल्कि छात्र सहायता, इमारतों के सुधार और एक रिजर्व फंड बनाने में भी सहायता करेगा। विश्वविद्यालय ने यह भी बताया कि यह दान एक सही समय पर आया है, क्योंकि अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण हॉवर्ड को मिलने वाली वार्षिक फंडिंग में देरी हुई है।

सिर्फ 7,000 रुपये से अब 2 करोड़ का टारगेट

बैंक की नौकरी छोड़ने के बाद किया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु के थेनी जिले में एक छोटे से शहर बोडी में पली-बढ़ी नित्या राजपंडी ने कमाल कर दिया है। दादा-दादी से मिले पारंपरिक ज्ञान को उन्होंने सफल व्यवसाय में बदला है। बचपन से वह बेसन, गुलाब की पंखुड़ियों और जड़ी-बूटियों से बने होममेड बाथ पाउडर के इस्तेमाल को देखती बड़ी हुई थीं। जब उन्होंने देखा कि व्यस्तता के कारण यह पारंपरिक ज्ञान अगली पीढ़ी तक नहीं पहुंच रहा है और बाजार केमिकल वाले उत्पादों से भरा है तो उन्होंने कुछ करने का फैसला किया। सिर्फ 7,000 रुपये के मामूली निवेश के साथ नित्या और उनके पति राजपंडी ने 2018 में अकाथिया नेचुरल की शुरुआत की। उनका मकसद था- पारंपरिक नुस्खों को आधुनिक बाजार के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित और प्रामाणिक बनाना। यह सफर किचन से शुरू हुआ। आज यह एक लाइसेंस्ड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तक पहुंच गया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्पादों का निर्यात करती है। आइए, यहां नित्या राजपंडी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

दादा-दादी से सीखा नुस्खा

तमिलनाडु के बोडी शहर में पली-बढ़ी नित्या राजपंडी ने बचपन में अपने दादा-दादी को बेसन, गुलाब की पंखुड़ियों और जड़ी-बूटियों से प्राकृतिक स्नान और बालों के उपचार के लिए उत्पाद बनाते देखा था। जब वह काम और पढ़ाई के लिए घर से दूर हुईं तो इन होममेड उत्पादों पर निर्भर रहीं। वह बैंक में नौकरी करती थीं। नित्या ने देखा कि बाजार केमिकल युक्त उत्पादों से भरा है जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। शादी नित्या के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उनके पति राजपंडी, जो मैकेनिकल इंजीनियर थे, ऑर्गेनिक वेलनेस में रुचि रखते थे। बिजनेस की समझ रखने वाले राजपंडी ने होटल में लग्जरी ब्रांडों के हस्तनिर्मित उत्पादों को देखकर महसूस किया कि नित्या के पास बेहतर गुणवत्ता और प्रामाणिकता वाला उत्पाद बनाने का पारंपरिक ज्ञान है।

सिर्फ 7000 रुपये से शुरू किया काम - इसने कपल को सोचने पर मजबूर कर दिया। होटल के अधिकारियों से उन्हें प्रतिक्रिया मिली कि सिर्फ क्वालिटी ही नहीं, बल्कि ब्रांडिंग और मानक जांच भी जरूरी है। इसी विचार के साथ 2018 में अकाथिया नेचुरल का जन्म हुआ। उनका उद्देश्य पारंपरिक त्वचा और बालों की देखभाल के तरीकों को आज के उपभोक्ताओं के लिए सुविधाजनक और सुलभ बनाना था। उन्होंने 7,000 रुपये की पूंजी से काम शुरू किया। इसकी शुरुआत घर की रसोई से हुई। उन्होंने पारंपरिक पाउडर को साबुन में बदल दिया। नित्या ने महसूस किया कि लोगों के पास अब लेप लगाने का समय नहीं है। पहला बैच सफल रहा। इसके बाद उन्होंने बालों के लिए पारंपरिक अरप्पू पाउडर को प्राकृतिक शैंपू और कंडीशनर के रूप में ब्रांड किया। इस उत्पाद ने उन्हें ऑनलाइन बाजार में पहचान दिलाई। उनका विस्तार शुरू हुआ।

बन चुकी है उत्पादों की लंबी रेंज - उत्पादों की क्वालिटी से प्रभावित एक अमेरिकी ग्राहक ने नित्या के प्रोडक्टों को थोक में खरीदना शुरू किया।

महंगे वैल्यूएशन की तोहमत के बावजूद निवेशकों ने भर कर प्यार लुटाया लेंसकार्ट के आईपीओ पर

मुंबई, एजेंसी। चश्मे बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस का 7,278 करोड़ रुपये का आईपीओ पर निवेशकों ने भर कर प्यार लुटाया। बीते मंगलवार को इसमें बोली लगाने का आखिरी दिन था। उस दिन शाम सात बजे तक यह 28.26 गुना सब्सक्राइब हुआ।

281 करोड़ से ज्यादा शेयरों के लिए मिली बोली- शाम 7 बजे तक के मिले आंकड़ों के अनुसार निवेशकों ने इस आईपीओ में काफी दिलचस्पी दिखाई है। पहले इसका वैल्यूएशन (मूल्यांकन) काफी महंगा बताया जा रहा था। इसलिए शुरुआती दिन इसमें कोई उल्लेखनीय निवेश नहीं हुआ था। लेकिन अंतिम दिन कुल मिलाकर, 281.88 करोड़ शेयरों के लिए निवेशकों ने बोली लगाई। हालांकि कंपनी ने 9.98 करोड़ शेयर ही आईपीओ के जरिए बेच रहे थे।

आईवियर रिटेलर के इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का हिस्सा 40.35 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 18.23 गुना और रिटेल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 7.54 गुना सब्सक्राइब हुआ। कर्मचारियों के लिए आरक्षित हिस्सा 4.96 गुना सब्सक्राइब हुआ। लेंसकार्ट ने बीते सप्ताह गुरुवार को एंकर इन्वेस्टर्स से 3,268 करोड़ रुपये जुटाए थे।

निवेशकों का उत्साह दिखा- सैमको सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड अपूर्व सेठ ने कहा, आईपीओ से पहले राधाकिशन दमानी जैसे बड़े निवेशकों और कई टॉप म्यूचुअल फंड्स का निवेश लेंसकार्ट आईपीओ के प्रति सेंटीमेंट (भावना) को बढ़ाने वाला लगता है। उन्होंने आगे कहा, इतनी मजबूत सब्सक्रिप्शन संख्याएं साफ तौर पर निवेशकों के उत्साह को दर्शाती हैं, भले ही यह इश्यू महंगा लग रहा हो।

क्या था शेयर का दाम

यह आईपीओ बीते शुक्रवार को पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इसका प्राइस बैंड 382 से 402 प्रति शेयर तय किया गया था। इस ऑफर में 2,150 करोड़ का फ्रेश इश्यू (नया इश्यू) और 5,128.02 करोड़ का इश्यू (ऑफर फॉर सेल) शामिल था।

क्या है जीएमपी- लेंसकार्ट के शेयरों के लिए ग्रे मार्केट में प्रीमियम घट रहा है। बुधवार की सुबह इसके लिए 39 रुपये या 9.70 फीसदी प्रीमियम कोट किया जा रहा था। पहले इसका प्रीमियम 14 फीसदी तक गया था। ग्रे मार्केट प्रीमियम वह अतिरिक्त राशि है जो निवेशक किसी आईपीओ के शेयर के लिए अनौपचारिक बाजार में देने को तैयार रहते हैं, इससे पहले कि शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो।

अमिताभ बच्चन ने बेचे अपने 2 लग्जरी फ्लैट, कमाया बंपर रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने मुंबई के गोरेगांव में स्थित अपने दो लग्जरी फ्लैट्स बेचे हैं। इनका सौदा 12 करोड़ रुपये में हुआ है। यह जानकारी प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स से सामने आई है। अमिताभ बच्चन ने ये फ्लैट्स साल 2012 में 8.12 करोड़ रुपये में खरीदे थे। इस तरह पिछले 13 सालों में उन्हें करीब 47 प्रतिशत का बंपर मुनाफा हुआ है। ये दोनों फ्लैट्स गोरेगांव ईस्ट के ओबेरॉय एक्सक्विजिट बिल्डिंग की 47वीं मंजिल पर थे। पहले फ्लैट को आशा ईश्वर शुक्ला ने 6 करोड़ रुपये में खरीदा। इस पर 30 लाख रुपये की स्टैंप ड्यूटी और 30,000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस लगी। यह डील 31 अक्टूबर 2025 को रजिस्टर हुई। दूसरे फ्लैट को ममता सूरजदेव शुक्ला ने भी 6 करोड़ रुपये में खरीदा। इस पर भी उतनी ही स्टैंप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस लगी। यह सौदा 1 नवंबर 2025 को रजिस्टर हुआ। दोनों फ्लैट्स के साथ चार कार पार्किंग स्पेस भी बेचे गए हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमिताभ बच्चन ने प्रॉपर्टी बेची है। इससे पहले जनवरी 2025 में उन्होंने मुंबई के अंधेरी इलाके में अपना एक डुप्लेक्स अपार्टमेंट 83 करोड़ रुपये में बेचा था।

एक लाख से अधिक नागरिकों ने जोड़ा कदम

रीवा, (मध्य प्रदेश)। आरसीएम की रूपांतरण यात्रा, जिसमें अब तक देश के 20 शहरों में एक लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं, 7 नवम्बर को रीवा पहुँचेगी।

16 सितंबर 2025 को राजस्थान के भीलवाड़ा से आरसीएम के 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में शुरू हुई यह यात्रा सभी अपेक्षाओं से आगे निकल चुकी है और अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब तक की यात्रा के उत्साह को देखते हुए उम्मीद है कि रीवा में इस यात्रा को और भी ज्यादा जनसमर्थन मिलेगा, जहाँ हर उम्र और वर्ग के नागरिक सक्रिय भागीदारी करेंगे।

इस यात्रा के दौरान आम नागरिक - बच्चे, महिलाएं और परिवार - स्वास्थ्य सेवा और संस्कार जैसे मुख्य सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प ले रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचाव और समाज सेवा के महत्व के बारे में सीखा है।

अब तक 2,000 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान भी किया है, जो समाज के प्रति गहरी जिम्मेदारी और अपनत्व की भावना को दर्शाता है। यह संख्या दिसंबर 23, 2025 को यात्रा के समापन तक और बढ़ने की संभावना है।

रूपांतरण यात्रा की सफलता का मूल कारण है आम जनता की सच्ची और स्वप्रेरित भागीदारी। स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित इस यात्रा में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड और उच्च कोलेस्ट्रॉल जैसी जीवनशैली बीमारियों पर व्यावहारिक सत्रों और चिकित्सा शिविरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है। यह 100 दिनों की, 17,000 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी यात्रा 75 शहरों का दौरा करेगी और 25 भव्य समारोहों का आयोजन करेगी। यह अभियान आरसीएम के उस दृष्टिकोण को सशक्त करता है कि कंपनी केवल डायरेक्ट सेलिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि एक जन-केंद्रित और मूल्य-आधारित आंदोलन है। जब लोग बिना किसी अपेक्षा के सेवा के लिए आगे आते हैं, तो वह एक आयोजन नहीं बल्कि जागरण होता है, रूपांतरण यात्रा के मार्गदर्शक तिलोकचंद छाबड़ा ने कहा। उन्होंने आगे कहा, यह आंदोलन हमें दिखा रहा है कि सच्चा परिवर्तन तभी शुरू होता है जब नागरिक अपने जीवन में स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को अपनाते हैं।

भारत की अग्रणी डायरेक्ट सेलिंग कंपनी आरसीएम ने वर्ष 2000 में अपने संचालन की शुरुआत की थी। आज यह ₹2,400 करोड़ के कारोबार वाला प्रतिष्ठान बन चुका है – वह भी बिना किसी वेंचर कैपिटल या बाहरी फंडिंग के। यह इसकी सह-खरीदारों की भागीदारी और उपभोक्ताओं के भरोसे का परिणाम है। आरसीएम के 400 से अधिक उत्पादों के पोर्टफोलियो की विशेषता यह है कि इनमें पाम ऑयल का उपयोग नहीं किया जाता। इसके बजाय राइस ब्रान ऑयल का उपयोग किया जाता है, जिसमें गामा ओरिज़नॉल नामक प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होता है।

गौतम सोलर ने आरइआई 2025 में एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी के साथ 100 मेगावाट का समझौता किया

भोपाल। भारत के सौर ऊर्जा परिदृश्य में एक नया अध्याय जुड़ गया है। गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड और एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने आरइआई 2025 'एक्सपो' के दौरान 150 करोड़ मूल्य का 100 मेगावाट सौर मॉड्यूल आपूर्ति समझौता किया, जो अब तक का सबसे बड़ा एकल-खरीदकर्ता करार माना जा रहा है। यह समझौता भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में न केवल व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक ठोस कदम भी है। यह साझेदारी प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में सौर विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए की गई है। एचईपीएल रिन्यूएबल एनर्जी के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हर्षित श्रीवास्तव ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आरइआई 2025 के मंच ने भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्रांति का गवाह बनकर एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज किया। यह केवल एक व्यावसायिक साझेदारी नहीं, बल्कि भारत की ग्रामीण ऊर्जा कहानी का नया आरंभ है। एचईपीएल जैसी युवा और ऊर्जावान संस्था के साथ मिलकर हम सौर संयंत्र स्थापित करेंगे जो किसानों की आय, गाँव और राष्ट्र की आत्मनिर्भरता – तीनों को एक सूत्र में बाँधेंगे।

बिहार में वोटिंग के पूर्व हरियाणा के बहाने राहुल का चुनाव आयोग पर आरोप

कांतिलाल मांडोत

बिहार चुनाव में पहले चरण के चुनाव के पूर्व हरियाणा के बहाने चुनाव आयोग पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। हरियाणा में आठवां वोटर फर्जी और भाजपा ने वोट चुराने के बेमतलब आरोप लगाकर मन को शांत करने की कोशिश राहुल ने की है। हरियाणा में 25 लाख से ज्यादा वोटर्स फर्जी बताकर सीधा निर्वाचन आयोग को घेरने का प्रयास किया है।

राहुल कांग्रेस के ऐसे नेता है जो हमेशा गलत वजहों से खबरों में रहते है। राहुल की टिप्पणी और आरोप हमेशा बेतुके और असंगत होते है। बिहार चुनाव में पहले चरण के चुनाव के पूर्व हरियाणा के बहाने चुनाव आयोग पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। हरियाणा में आठवां वोटर फर्जी और भाजपा ने वोट चुराने के बेमतलब आरोप लगाकर मन को शांत करने की कोशिश राहुल ने की है। हरियाणा में 25 लाख से ज्यादा वोटर्स फर्जी बताकर सीधा निर्वाचन आयोग को घेरने का प्रयास किया है। लेकिन निर्वाचन आयोग ने इसे बेबुनियाद और तथ्यविहीन बताया। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की असली हार की वजह उनके अपने नेता है। राहुल की ये बाते कुंठा को ही व्यक्त करती है। राहुल अपनी पार्टी से भी चिढ़े हुए है। क्योंकि बार बार हार के कारण हताश और निराश हुए नेता के लिए बात प्रतिष्ठा पर आ गई है। हर बार कांग्रेस चुनावो में अच्छा प्रदर्शन नही करने से कांग्रेसी नेताओं में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। देश की आजादी के बाद से बैलेट पेपर पर चुनाव होते थे उसमे कांग्रेस को कभी हार का सामना नही करना पड़ा था। क्योंकि उस दौर में फर्जी वोटिंग करना, बुथ कैप्चरिंग और बाहुबल के बल पर सत्ता हथियाने की सफल कोशिश की जाती थी। लेकिन अब फर्जी वोट नही किया जा सकता है। इस पर कांग्रेस को सिरदर्द हो रहा है। चुनाव आयोग निष्पक्ष और सत्यनिष्ठा से चुनाव कराने की अपनी जवाबदारी है। कांग्रेस का पतन उनकी अपनी करनी का प्रतिफल है। रक्षामंत्री राजनाथसिंह ने कहा है कि राहुल गांधी देश मे अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे है। राजनाथसिंह ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं के पास अब कोई काम नही है और कांग्रेस नेताओं के पास कोई चारा नही बचा है। इसलिए उन्हें तालाब में कूदना पड़ा। राजनाथसिंह ने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि देश चलाना बच्चो का खेल नही है। राहुल ने सशस्त्र बलों में आरक्षण की मांग को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि वे देश मे अराजकता फैलाना चाहते है। बिहार में रोजगार के मुद्दे का बोलबाला सुनाई दे रहा है। बिहार चुनाव में राजद ने नौकरी की बात का शिफुगा छेड़ा था। उसी के सामने नीतीश ने एक करोड़ रोजगार की बात कहकर महागठबंधन के वादे को कमजोर कर दिया।

राजीव गांधी के बाद कांग्रेस पार्टी ने एक विशेषता विकसित की है। वह यह कि जो कांग्रेस को नुकसान पहुंचाता है,उसे अपने व्यक्तव्यों से मूर्ख बनाता है उसे ही पार्टी अपना नेता बनाती है। कपिल सिब्बल,दिग्विजयसिंह,पी चिदंबरम और ऐसे अनेक नेता आज भी पार्टी में मौजूद है जो जूठ बोलने के कारण जाने जाते है। उनकी भाषा असभ्य और कांग्रेस के विरोधी के प्रति अवमाननापूर्ण होती है। कांग्रेस पार्टी मुसलमानो की सबसे बड़ी समर्थक पार्टी रही है। राहुल को न्यायालय से डांट और चेतावनी मिलती है। लेकिन उसके बाद भी व्यवहार में परिवर्तन की कोई गुंजाइश दिखाई नही देती है। नालन्दा की शिक्षा प्रणाली के बहाने राहुल ने कहा कि आज यूनिवर्सिटी मे पेपर लीक होते है। दरअसल, राहुल क्यो भूल जाते है यह सबकुछ हो रहा है,वह कांग्रेस की देन है। बिहार को जंगलराज में तब्दील करने वाली पार्टियों में लालू औ? कांग्रेस की जनभागीदारी ज्यादा रही है। बिहार से तीस साल पीछे धकेलने वाले लालू और कांग्रेस के पास और सत्ता रहती तो राज्य की क्या दशा होती?उसकी कल्पना भी नही की जा सकती है। 56 इंच की छाती वाला डरपोक है, का मोदी पर तंज कसने वाले राहुल को कांग्रेस के शासनकाल को याद करना चाहिए। चारो तरफ अराजकता के चलते कांग्रेस से मतदाता रूठे हुए है। राहुल ने निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति से भी मोदी डरते है। लेकिन भाजपा ऐसे मनगढ़ंत मुद्दे को तवज्जो नही देती है। मोदी ने महागठबंधन के घोषणा पत्र को जूठ का पुलिंदा करार दिया। कांग्रेस के दिग्गज नेता पार्टी आलाकमान के मार्गदर्शन में शायद कार्य नही कर रहे है। इसलिए राहुल बेलगाम दिखाई दे रहे है। सेना और संविधान की चर्चा पर तंज कसने वाले राहुल को मंथन करने की आवश्यकता है। कांग्रेस का विश्वास है कि बिहार में गठबंधन होता तो सत्ता में आने का मौका मिलता और इसलिए कांग्रेस हर राज्य में गठजोड़ में चुनाव लड़ रही है। तेजस्वी और कांग्रेस का गठबंधन होने के बाद बिहार प्रदर्शन कमजोर हो गया है।

बिहार की राजनीति हमेशा से देश के राजनीतिक परिदृश्य का केंद्र रही है। यहाँ की सामाजिक बनावट, जातिगत समीकरण और राजनीतिक जागरूकता इसे एक अनोखा राज्य बनाती है। आने वाले चुनावों में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गठबंधन के लिए यह एक निर्णायक परीक्षा होगी। सवाल यह है कि क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी बिहार में अपनी पार्टी की वैतरणी पार लगा पाएंगे, और क्या तेजस्वी यादव इस राजनीतिक संग्राम में सफल होंगे?

राहुल गांधी के लिए बिहार हमेशा एक चुनौतीपूर्ण प्रदेश रहा है। कांग्रेस का जनाधार पिछले तीन दशकों में यहाँ लगातार सिमटता गया है। पहले जहाँ कांग्रेस सत्ता की धुरी हुआ करती थी, वहीं अब उसकी स्थिति गठबंधन सहयोगी तक सीमित हो गई है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाकर देशभर में एक नई राजनीतिक धारा बनाने की कोशिश की है। लेकिन बिहार में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए केवल विचारधारा नहीं, बल्कि मजबूत संगठन और स्थानीय नेतृत्व की जरूरत है। यह वही बिंदु है जहाँ राहुल को अपनी रणनीति पर और मेहनत करनी होगी। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए युवाओं और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई है। 2020 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने राजदके लिए ठीक प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार वे एक गंभीर नेता के रूप में नही उभर रहे हैं। परन्तु लालू की विरासत थामे तेजस्वी की राह आसान नहीं है।

संपादकीय

'महिला स्ट्रोक' का चुनाव

विधानसभा की कुल 243 में से 121 सीटों पर जनता अपना जनादेश देगी। अगले चरण का मतदान 11 नवंबर को है और 14 नवंबर को जनादेश अंतिम रूप से सार्वजनिक कर दिया जाएगा। चुनाव में अभी तक जो गौरतलब रहा है, वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शख्सियत है। बीते 20 सालों से वह बिहार के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई रुझान नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। विपक्षी उनकी उम्र, स्वास्थ्य, मनःस्थिति और सेवानिवृत्ति की बातें तो करते रहे हैं, लेकिन उससे कोई 'सत्ता-विरोधी लहर' नहीं बन पाई है। नतीजतन भाजपा के बड़े नेताओं ने भी बयान दिए हैं कि नीतीश ही चुनाव के बाद मुख्यमंत्री होंगे। अभी तक जो सर्वेक्षण सार्वजनिक हुए हैं, उनमें नीतीश कुमार 46 फीसदी से अधिक लोगों के पसंदीदा मुख्यमंत्री हैं, जबकि सितंबर में यह पसंद 15-16 फीसदी तक ही सिमटी थी। तब मुख्यमंत्री की दौड़ में तेजस्वी यादव सबसे आगे थे, लेकिन अब दूसरे स्थान पर आ गए हैं। आश्चर्यजनक रुझान यह देखा गया है कि महिलाएं जाति, धर्म, नस्ल, अगड़ी-पिछड़ी कोई भी हों, लेकिन नीतीश के कारण 45 फीसदी महिलाएं भाजपा-एनडीए को समर्थन देती दिख रही हैं। जो महिलाएं 18-30 साल उम्र की हैं, उनमें यह समर्थन 48 फीसदी से अधिक दिखा है। नतीजतन सभी सर्वेक्षणों में एनडीए को स्पष्ट बढ़त है और बेहतर बहुमत के साथ उनकी सरकार बनती दिख रही है। बेशक महिला-शक्ति निर्णायक लग रही है, हालांकि जाति का मुद्दा अब भी प्रबल रहा है। पलायन और रोजगार भी संवेदनशील मुद्दे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी समेत बड़े नेताओं के प्रचार लालू यादव के 'जंगलराज' पर ही केंद्रित हैं। भाजपा-एनडीए बार-बार उसे याद दिला रहा है। प्रधानमंत्री ने तो बार-बार छर्रा, कट्टे और दुनाली का जिक्र अपने संबोधनों में किया है। सिर्फ 10, 000 रुपए महिलाओं के खातों में डालने का ही करिश्मा नहीं है, बल्कि नीतीश ने 20 साल की सत्ता के दौरान पंचायत, शिक्षा, नौकरी आदि में महिलाओं के आरक्षण और लगातार शराबबंदी से महिलाओं का एक ठोस, भरोसेमंद जनाधार तैयार किया है। बिहार में पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक वोट करती हैं, क्योंकि पुरुष बाहर काम करते हैं और मतदान के दिन नहीं लौट पाते। इसका फायदा भी नीतीश पक्ष को मिलता रहा है। इस बार के चुनाव में खासकर महिलाओं पर खूब धन-वर्षा हुई है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तेजस्वी यादव को यह घोषणा करनी पड़ी कि उनकी सरकार बनी, तो 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन, एकमुश्त 30, 000 रुपए महिलाओं के खातों में डाल दिए जाएंगे। महिलाओं को 2500 रुपए माहवार देने की जो योजना ह्यतेजस्वी प्रणह्न में संकलित है, उसका सालाना धन 30, 000 रुपए ही बनता है। इधर तेजस्वी ने यह घोषणा की, उधर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी ऐलान किया कि 2 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपए उनके खातों में, रोजगार प्रोत्साहन के मद्देनजर, डाल दिए जाएंगे। यदि ऐसा किया जाता है, तो 4 लाख करोड़ रुपए इसी योजना के लिए चाहिए। फिर वही यथार्थ सामने उभर आता है कि बिहार का बजट 3.16 लाख करोड़ रुपए है और कर्ज 3.62 लाख करोड़ रुपए का है। बिहार में कुल महिला मतदाता 3.50 करोड़ से अधिक हैं। धन-वर्षा की बातें एक तरफ हैं, लेकिन सभी योजनाओं के लिए पैसा कहां से आएगा? बिहार के संसाधन तो बेहद सीमित हैं। सवाल है कि क्या बिहार में कुबेर का खजाना मौजूद है, जिसमें से धन निकाल कर बांटा जाता रहेगा? तेजस्वी ने 1.40 करोड़ से अधिक ह्यजीविका

चिंतन-मनन

सहन करना सीखें

व्यक्ति स्वयं ही बेचैनी का जीवन जीता है और अकारण ही जीवन में अनेक कष्टों को आमंत्रित कर लेता है। एक आदमी था। वह सदा प्रसन्न रहता था। एक दिन उसको उदास देखकर मित्र ने पूछा, मित्र! तुम सदा प्रसन्न रहते थे। तुम्हारी सारी अनुकूलताएं थीं। पर आज तुम बहुत उदास दिख रहे हो, यह क्यों? उसने कहा, मेरी प्रसन्नता गायब हो गई। आज से नहीं, बारह महीनों से वह गायब है। इसका भी कारण है। पहले इस गांव में मेरा मकान सबसे ऊंचा था। न जाने एक व्यक्ति कहां से आ टपका कि उसने मेरे मकान से भी ऊंचा मकान बना डाला। उसी दिन से मेरी प्रसन्नता समाप्त हो गई।

इसकी कोई दवा नहीं है। आयुर्वेद विज्ञान में, मेडिकल साइन्स में, साइकोलॉजी में इसकी कोई दवा नहीं है। यह साइकोसोमेटिक बीमारी भी नहीं है। इसका कोई स्पष्ट कारण नहीं बना। दूसरे की विशेषता को, दूसरे की सम्पन्नता को सहन न करना ही इसका कारण है। ?सी बीमारी का उपाय यह है कि व्यक्ति अपनी शक्ति को बढ़ाए, तीन मंजिले मकान के स्थान पर पांच मंजिला मकान बनाने पांच मंजिले के स्थान पर सात मंजिला मकान बनाने की क्षमता को विकसित करे और अधिक कमाए, और अधिक श्रम करे। यह उसका सकारात्मक पक्ष है। मनुष्य का दृष्टिकोण सकारात्मक कम होता है, नकारात्मक अधिक। एप्रोच नेगेटिव होने के कारण वह दुखी होता है। इससे असहिष्णुता का भाव जागता है और असहिष्णुता राहु की भांति चांद को निरंतर ग्रसित करती रहती है।

अमेरिका में धार्मिक ध्रुवीकरण, पूंजीवाद का विरोध- समाजवाद की चिंगारी?

सनत जैन

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद पर पहली बार भारतीय मूल के मुस्लिम नेता जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए हैं। यह न केवल एक ऐतिहासिक जीत है, बल्कि अमेरिकी राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत भी मानी जा रही है। ममदानी ने 50 प्रतिशत से अधिक वोट प्राप्त कर यह चुनाव जीता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस चुनाव में हस्तक्षेप करते हुए चेतावनी दी थी कि यदि ममदानी जीतते हैं, तो वह न्यूयॉर्क की फंडिंग बंद कर देंगे। ट्रंप की इस धमकी के बावजूद न्यूयॉर्क की जनता ने 34 वर्षीय ममदानी को भारी बहुमत से विजयी बनाकर यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि अमेरिका में परिवर्तन की लहर उठ चुकी है। यह जीत ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक हार मानी जा रही है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका धार्मिक ध्रुवीकरण और नस्ली भेदभाव की दिशा में बढ़ता नजर आ रहा है। उनकी आर्थिक नीतियां कॉरपोरेट घरानों के पक्ष में झुकी हुई हैं, जिससे आम नागरिकों की मूलभूत सुविधाएं लगातार कम हो रही हैं। परिणामस्वरूप, अब न केवल डेमोक्रेटिक पार्टी बल्कि रिपब्लिकन खेमे के भीतर भी ट्रंप की कार्यशैली को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के पहले भारतीय मूल के मेयर के रूप में ममदानी ने प्रगतिशील राजनीति और समाजवाद के प्रतीक बनकर जनता का विश्वास जीता है। वर्ष 2020 में वह न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य चुने गए थे। गरीब और श्रमिक वर्ग के हक की आवाज उठाने के कारण उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई। मेयर बनने के बाद अपने पहले भाषण में ममदानी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के 15 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक संबोधन का उल्लेख करते हुए कहा– न्यूयॉर्क अब पुराने से नए युग की ओर बढ़ रहा है। संघीय व्यवस्था और न्यायपालिका को जिस तरह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चुनौती दी जा रही है, उसके खिलाफ एक बड़ा वातावरण बनना अमेरिका में शुरू हो गया है। न्यूयॉर्क के मेयर पद का चुनाव ट्रंप के लिए एक चिंगारी है। जो सुलग गई है, आगे चलकर यह एक बड़े स्वरूप में सामने आएगी। अमेरिका में पूंजीवाद का विरोध शुरू हो चुका है। पूंजीवाद के साथ अब समाजवाद की भी बात होने लगी है। भारत की तरह मिश्रित अर्थ व्यवस्था को लेकर अमेरिका के आगे बढ़ने का यह एक संकेत है।

ममदानी लंबे समय से कॉरपोरेट पर टैक्स बढ़ाने और मध्यम एवं निम्न वर्ग को अधिक सुविधाएं देने की मांग करते रहे हैं। वहीं, ट्रंप के शासनकाल में धार्मिक कट्टरता, नस्लवाद और महंगाई में वृद्धि ने आम अमेरिकी नागरिकों को परेशान कर रखा है। ट्रंप की हाईटैरिफ वाराह नीति से आयातित वस्तुएं महंगी हो गई हैं। वह एक तानाशाह की तरह निर्णय लेते हुए न्यायपालिका और संघीय संस्थाओं को दरकिनार कर रहे हैं। इससे अमेरिकी लोकतंत्र की जड़ें हिल रही हैं। ममदानी की जीत के साथ ही वर्जीनिया में भारतीय मूल की डेमोक्रेट नेता गजाला हाशमी ने लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह इस पद पर पहुंचने वाली अमेरिका की पहली मुस्लिम महिला हैं। इसी तरह, भारतीय मूल के आफताब पुरेवाल ने ओहायो के सिनसिनाटी शहर में दोबारा मेयर का चुनाव जीता है। यह सभी जीतें संकेत हैं कि अमेरिका की राजनीतिक फिजा तेजी से बदल रही है। अमेरिका एक संघीय लोकतांत्रिक राष्ट्र है, जहां विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग सदियों से साथ रहते आए हैं। लेकिन हाल के वर्षों में नस्लवाद और धार्मिक उन्माद ने अमेरिकी समाज की नींव को कमजोर किया है। बढ़ती महंगाई, टैक्सों का बोझ और कॉरपोरेट के प्रति सरकारी झुकाव ने मध्यम व निम्न वर्ग की परेशानियां बढ़ा दी हैं। ऐसे माहौल में ममदानी की जीत ने न केवल ट्रंप की नीतियों को चुनौती दी है, बल्कि यह पूंजीवाद के खिलाफ समाजवादी सोच के पुनर्जागरण का संकेत भी देती है। उन्होंने अपने भाषण में नेहरू के उस विचार का उल्लेख किया, जिसमें भारत ने पूंजीवाद, समाजवाद और साम्यवाद के मिश्रण से अपनी अर्थव्यवस्था को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज जब दुनिया आर्थिक मंदी के संकट से जूझ रही है, तब ममदानी जैसे युवा नेता आशा की नई किरण बनकर उभर रहे हैं। अमेरिका जैसे पूंजीवादी देश में समाजवादी सोच की यह चिंगारी शायद एक नई दिशा दिखाए, जहां आर्थिक विकास के साथ सामाजिक न्याय और समानता भी समान रूप से महत्वपूर्ण हो। निश्चित रूप से सभी वर्ग अपने आपको आर्थिक और सामाजिक तौर पर बेहतर स्थिति के रूप में देख रहे हैं। नई सोच का नेतृत्व अब ममदानी जैसे युवा कंधों पर आ गया है। जिस तरह से आर्थिक मंदी का खतरा सारी दुनिया में देखा जा रहा है। ऐसे समय पर यह नया नेतृत्व आशा की एक नई किरण बनकर सामने है। अमेरिका जैसे देश में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस : समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

योगेश कुमार गोयल

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को ह्यराष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवसह्न मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि ह्यकैंसरह्न आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता है। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

निमृत कौर अहलूवालिया ने शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग

अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही है। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है। सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है। उनके फैंस भी लंबे समय से उन्हें किसी नए रूप में देखने के लिए उत्साहित हैं, और यह सीरीज उनके करियर में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

वेट इश्यूज को लेकर अशनूर कौर ने साझा की परेशानी

काफी दिनों से बिग बॉस 19 में अशनूर कौर को बॉडी शेम किया जा रहा था, उनके वजन को लेकर बातें बनाई गईं। इस बात का खुलासा सलमान खान ने वीकएंड का वार एपिसोड में किया कि बाकी लोग अशनूर के बारे में क्या कहते हैं। इसके बाद अशनूर ने अपनी परेशानियों को शाहरुख खान के साथ शेयर किया। अशनूर ने कहा, 'जब मैं शूटिंग सेट पर जाने लगी तो काफी वेट बढ़ गया था। टीनएज से वेट को कम करने के लिए मैंने कई चीजें कीं। एक वक्त ऐसा भी था, जब मैं खाना नहीं खाती थी, मैं भूखी रहती थी। 'बिग बॉस 19' में आने से पहले मैंने 9 किलो वजन कम किया था। लेकिन यहां आने के बाद फिर से मेरा वेट बढ़ गया। तब भी टेंशन का माहौल होता है तो कुछ लोगों का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी वजन बढ़ जाता है।'

सलमान खान ने किया सपोर्ट

अशनूर कौर की परेशानी सुनकर सलमान खान ने उनका सपोर्ट किया और वह बोले- मेरा भी वजन बढ़ जाता था। अशनूर ने आगे बताया, 'जब मैं 14 साल की थी, तब से एक्टिंग कर रही हूं। तब से मैंने जंक फूड को हाथ भी नहीं लगाया। यहां हर कोई जानता है कि मेरा खाना कैसा है। सब मुझे थोड़ा खाने के लिए कहते हैं, लेकिन मैं नहीं खाती। हर किसी की बॉडी, वेट अलग होता है। लेकिन लोग यहां पीठ पीछे शर्मिंदा करते हैं।'

दर्शकों के प्यार से गदगद मोनालिसा, नए प्रोजेक्ट की सफलता का मनाया जश्न

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री मोनालिसा को कौन नहीं जानता। उन्होंने अपने दम पर भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में छाप छोड़ी है। अभिनेत्री ने अपनी नई माइक्रो ड्रामा सीरीज की टीम को धन्यवाद दिया। अपने अभिनय के लंबे सफर को तय करते हुए अभिनेत्री ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने सैयारा गाना भी ऐड किया। अभिनेत्री ने कैप्शन लिखा, मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर्स, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।

सैयारा गाना फिल्म सैयारा का टाइटल ट्रैक है, जिसे फरहीन अब्दुल ने गाया है और इसके बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं और म्यूजिक तनिष्क बागची, फहीम अब्दुलाह और अरसलन निजामी ने दिया है। फिल्म सैयारा की बात करें तो इसे मोहित सूरी ने निर्देशित किया। फिल्म में अनीत पड्डा और अहान पांडे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे युवा कलाकारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने टूटे दिलों के साथ जिंदगी की नई शुरुआत करना चाहते हैं। कृष कपूर (अहान पांडे), एक होनहार संगीतकार है जो अपने जज्बातों को सुरों और गीतों के जरिए दुनिया तक पहुंचाना चाहता है, जबकि वाणी बत्रा (अनीत पड्डा), एक लेखिका है जो कविताओं में अपने दर्द को शब्दों में ढालती है। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में भोले शंकर से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्ग्स में भी डांस किया है।

जारी हुआ ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक, एक्शन मोड में दिखे जिमी और सिद्धार्थ

जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की अदाकारी वाली सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी कर दिया गया है। 2 नवंबर को सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन उद्घाटन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सफेद सागर का पहला लुक जारी किया है। वीडियो जारी करते हुए पोस्ट में लिखा इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन। सबसे बड़ा सम्मान। नेटफ्लिक्स पर जल्द आ रही है ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज। ऑपरेशन सफेद सागर के पहले लुक में दिखाया गया है कि जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ के साथ कई दूसरे एक्टर्स पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हैं। इसके बाद लड़ाकू जहाजों से पाकिस्तान से मुकाबला करते हैं। सीरीज के पहले लुक को कई यूजर्स लाइक कर रहे है और उस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है रविवार को शुरू करने का बहुत बढ़िया तरीका। एक और यूजर ने लिखा है बहुत अच्छी कास्ट है। एक और यूजर ने लिखा है स्क्रीन प्रदर्शन बहुत अच्छा है।

ऑपरेशन सफेद सागर के बारे में

सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना के योगदान को दिखाया गया है। ओनी सेन सीरीज के निर्देशक हैं। इसके निर्माता अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव हैं। सीरीज में सिद्धार्थ और जिमी शेरगिल के अलावा अभय वर्मा, मिहिर आहूजा, तारुक रैना और अर्नव भसीन मुख्य भूमिकाओं में हैं। सीरीज 2026 में नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध होगी।

नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहीं हैं तान्या मानिकतला

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा। तान्या के पास इस वक्त कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज पान पर्दा जर्दा में भी नजर आएंगी। यह सीरीज अपराध और राजनीति की उस दुनिया में ले जाती है, जहां अफीम तस्करी का कारोबार चल रहा है। शो में उनके साथ प्रियांशु पैन्युली, सुशांत सिंह, राजेश तैलंग और मनु ऋषि जैसे कलाकार हैं। कहानी मध्य भारत की पृष्ठभूमि में सेट है और इसमें एक्शन, ड्रामा और रहस्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलेगा। तान्या ने 2018 में स्कूल डेज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 2020 में उन्होंने ईशान खट्टर के साथ ए सूटेबल बॉय में लता मेहरा का किरदार निभाया, जो उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ। 2021 में, वह नेटफ्लिक्स की फीलिंग लाइक इश्क में स्कंद ठाकुर के साथ नजर आईं। वह नेटफ्लिक्स की हाउ टू फॉल इन लव में आयुष मेहरा के साथ भी दिखी थीं। 2024 में उन्होंने फिल्म किल में तूलिका का किरदार निभाया था।

शोरा खुद ही डिसाइड करती है, मेरी जरा भी नहीं सुनती

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में एक ऐसे किरदार में दिखे जो उनके अब तक के रोल से काफी अलग रहा है। अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में उन्होंने फिल्मों में अपने रोल, अपनी स्ट्रगल के साथ-साथ अपनी बेटी शोरा को लेकर बातें की हैं। उन्होंने बताया कि शोरा को ये समझाने की उन्होंने बहुत कोशिश की कि वो किसी और फील्ड में जाए लेकिन उन्होंने एक्टिंग को चुन लिया है।

किरदारों को हीरो मानने वाले मंजे हुए अदाकार नवाजुद्दीन सिद्दीकी की संघर्ष यात्रा जितनी यूनीक रही है, उतना ही अद्भुत उनका भूमिकाओं का ग्राफ रहा है। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म थामा को लेकर, जो बॉक्स ऑफिस पर सौ करोड़ पार कर चुकी है।

आपने लंबे समय तक छोटे -छोटे रोल्स किए, क्या कभी ये डर लगता था कि कहीं साइड एक्टर बन कर न रह जाऊं?

सच कहूं, तो मैं जब इस इंडस्ट्री में आया था, तो ये सोच कर नहीं आया था कि मुझे यहां बड़ा एक्टर बनना है। मुझे अभिनय करना था, चाहे मैं थिएटर में करूं या स्ट्रीट प्ले करूं। मैं सोचता हूं कि अगर मुझे काम मिलना बंद हो गया, तो मैं एक थिएटर रूम बना लूंगा, बहुत मुमकिन है, आपके घर के आगे भी मैं शो करके आ जाऊं। मैं बस एक्टिंग कर लूं, इसके अलावा मैंने कुछ सोचा नहीं था। ये जितना कुछ मुझे मिला, वो मेरे लिए एक बोनस की तरह है और उसके लिए मैं ऊपरवाले और सभी का थैंक्यू सो मच कहना चाहूंगा।

आप खुश हैं कि आपकी बेटी आपकी फिल्म थामा देख पाई, वरना आपका कहना था कि आपके इंटेंस रोल्स के कारण आपका परिवार आपकी फिल्म नहीं देखा पाता था?

मेरा ट्रैक रिकॉर्ड काफी डार्क रहा है। ये बहुत खुशी की बात है कि मेरे बच्चों ने फाइनली मेरी फिल्म देखी। शोरा (उनकी बेटी) को पसंद आई। उसे मेरा काम बहुत पसंद आया, वैंपायर की थीम अच्छी लगी। वैसे उसे कोस्टावो में भी मेरी भूमिका अच्छी लगी थी।

आपकी बेटी शोरा कमाल का स्क्रीन प्रेजेंस रखती है, आपने उनके लिए क्या सोचा है?

उसके (शोरा) बारे में मैं क्या सोचूं? वो खुद ही डिसाइड कर रही है। बाप को कौन पूछता है, आज की तारीख में? भाई, मैंने उसको अपनी चीजें शोपने की कोशिश की, मगर उसने ली नहीं। मैंने सोचा था कि वो किसी और क्षेत्र में जाए, लिए अभिनय को चुन लिया है। वो मेरी जरा सी भी सुनती नहीं।

आप एक नैशनल अवॉर्ड विनर अभिनेता हैं, पुरस्कारों को कैसे देखते हैं?

मुझे लगता है कि आपको अपने प्रोसेस से प्यार होना चाहिए। जहां तक अवॉर्ड की बात है, तो वो एक शाम होती है, जब आपको अवॉर्ड मिलता है। वो बहुत अच्छी गुजरती है, उसके बाद आपको अपनी औकात पर आना पड़ता है। आपको अगले दिन शूटिंग पर जाना पड़ता है और जीरो से शुरू करना पड़ता है।

एक समय था जब हॉरर जॉनर को प्रतिष्ठा की निगाह से नहीं देखा जाता था, मगर अब हॉरर-कॉमेडी के रूप में हॉरर री-डिफाइन हुआ?

पहले हॉरर के साथ थोड़ा सौतेला व्यवहार किया जाता था, लेकिन आज के समय में अच्छे-से-अच्छे एक्टर भी इस जॉनर में काम करना चाहते हैं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। पहले सिर्फ डराने पर फोकस होता था, लेकिन अब इसमें कॉमेडी, रोमांस, और ड्रामा भी है। हमारी फिल्म भी एक ऐसी फिल्म है। हॉरर में पहले सिर्फ डर का इमोशन होता था, लेकिन थामा देखने के बाद मुझे लगा कि एक एक्टर के लिए इसमें एक्सप्लोर करने के बहुत मौके हैं।

भारतीय टीम ने चौथे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया

-सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की

-प्लेयर ऑफ द मैच : अक्षर पटेल

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने चौथे टी20 मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल की है। इस मैच में भारतीय टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 168 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए मेजबान टीम 18.2 ओवर में 119 रन ही बना पायी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल मार्श ने सबसे अधिक 30 रन बनाए जबकि मैथ्यू शॉर्ट 25 रन बनाकर आउट हुए। मार्कस स्टोइनिस ने 17 रन जबकि टिम डेविड ने 14 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 विकेट लिए जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने 2-2 विकेट लिए। वहीं अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक एक विकेट मिला। इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। वहीं अंतिम मैच 8 नवंबर को गाबा मैदान में खेला जाएगा। अब देखना है कि भारतीय टीम उसे जीतकर सीरीज अपने नाम कर पाती है या नहीं। बहरहाल सीरीज हारने का खतरा अब समाप्त हो गया है।

इससे पहले शुभमन गिल के 46 रनों की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 167 रन बनाए। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की ओर से आक्रामक सलामी बल्लेबाज। अभिषेक शर्मा और शुभमन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन बनाये। अभिषेक 28 रन बनाकर पैवेलियन लौटे। इसके बाद शुभमन ने स्कोर आगे बढ़ाया। शुभमन ने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दो छक्के लगाकर 20 रन बनाये। वहीं शिवम दुबे ने 18 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की सहायता से 22 रन बनाए। वहीं अंत में अक्षर पटेल ने तेजी से खेलते हुए 11 गेंदों में एक छक्का और एक चौका लगाकर 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस और एडम जम्पा ने तीन-तीन विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम ने चार बदलाव करते हुए स्पिनर जम्पा, ऑलराउंडर मैक्सवेल, फिलिप और ड्वार्शियस को शामिल किया। वहीं भारतीय टीम ने कोई बदलाव नहीं किया।

ईडी ने रैना और शिखर की 11.14 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों के कारण पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त कर ली है। इनमें रैना के 6.64 करोड़ के म्यूचुअल फंड निवेश और धवन की 4.5 करोड़ की अचल संपत्ति शामिल है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है।

ये मामला कई राज्यों की पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बाद उठा था। जिनमें एक अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसके सहयोगी ब्रांड्स के खिलाफ धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन और ऑनलाइन जुए को बढ़ावा देने के आरोप थे। इन एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जब जांच शुरू की तो शुरुआती जांच में ही करोड़ों रुपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन और विदेशी खातों से जुड़े दस्तावेज मिले।

ईडी की जांच में सामने आया कि ये प्लेटफॉर्म बिना किसी वैध अनुमति के ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का कारोबार कर रहे थे। यह प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो और समाचार पोर्टलों पर सरोगेट विज्ञापन दिखाकर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते थे। रकम एकत्र करने के लिए हजारों म्यूल अकाउंट्स बनाए गए, जिनमें देशभर के लोगों के नाम पर पैसे जमा किए जाते थे। इन खातों के जरिये रकम विभिन्न पेमेंट गेटवे के माध्यम से विदेशी खातों तक पहुंचाई जाती थी जिससे पैसा कहां से आया ये छुपाया जा सके। ईडी की जांच में पता चला कि दोनों खिलाड़ियों ने विदेशी कंपनियों के साथ करार किये थे। जो सीधे या परोक्ष रूप से अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म और उसकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े थे। इन डील्स के बदले खिलाड़ियों को जो भुगतान किया गया, वह विदेश से किया गया जिससे कि ये लगे कि उन्हें प्रमोशन के लिए रकम मिली है पर ईडी के अनुसार ये रकम दरअसल अवैध सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे से जुड़ी थी। इससे यह साबित हुआ कि खिलाड़ियों ने ऐसे प्रमोशन में भाग लिया जो मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में आते हैं।

इसी को देखते हुए ईडी ने चार पेमेंट गेटवे पर छापे मारकर 4 करोड़ रुपये से अधिक की राशि फ्रीज की है और 60 से ज्यादा बैंक खातों को सील कर दिया है। जांच में अब तक 1000 करोड़ रुपये की रकम सामने आई है। ईडी के अनुसार अभी कई और हस्तियां भी जांच के दायरे में आ सकती हैं। ईडी ने जनता को आग्रह किया है कि वे किसी भी तरह की ऑनलाइन सट्टेबाजी, संदिग्ध लिंक या स्कीमों से दूर रहें।

दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ सीरीज के लिए विराट और रोहित को नहीं मिली भारत ए टीम में जगह

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल नहीं किया गया है। इस सीरीज के लिए भारत ए टीम की कप्तानी तिलक वर्मा जबकि उपकप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को दी गयी है। टीम में अधिकतर युवाओं को ही जगह दी गयी है।

इस सीरीज के तीनों मैच राजकोट में 13 नवंबर, 16 नवंबर और 19 नवंबर को खेले जाएंगे। रोहित और विराट को इस सीरीज में अवसर नहीं दिये जाने से दोनों को ही झटका लगा है क्योंकि इससे इनके पास अभ्यास का अच्छा अवसर था। वैसे भी अब ये दोनों एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं।

रोहित और कोहली दोनों ने ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से से संन्यास ले लिया है। दोनों अब सिर्फ ओडीआई ही खेल रहे हैं।

दोनों को किस कारण से टीम में शामिल नहीं किया गया, ये स्पष्ट नहीं है। ये भी हो सकता है कि दोनों दिग्गज स्वयं ही भारत ए की तरफ से खेलने के इच्छुक न रहे हों। ये भी हो सकता है कि टीम प्रबंधन इन दोनों दिग्गजों के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हो कि ये बिना अभ्यास के भी रन बना सकते हैं। इसलिए युवाओं और नई प्रतिभाओं को ही अवसर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे रोहित ने लंबे ब्रेक के बाद भी शानदार प्रदर्शन किया था।

वहीं सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में विराट कोहली खाता तक नहीं खोल पाए थे पर अंतिम मैच में उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। तीसरे एकदिवसीय में विराट और रोहित ने शानदार साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी थी।

भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, रियान पराग, ईशान किशन (विकेटकीपर), आयुष बदोनी, निशांत सिंधु, विपराज निगम, मानव सुथार, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

गुजरात ने लॉरा और यूपी ने दीप्ति को किया रिलीज, डब्ल्यूपीएल नीलामी से पहले ये खिलाड़ी हुए रिटेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात जायंट्स ने लॉरा वुलफार्ट को रिटेन न करने का बड़ा फैसला लिया है क्योंकि सभी 5 टीमों ने WPL नीलामी से पहले अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने की पुष्टि कर दी है। वुलफार्ट हाल ही में संपन्न हुए एकदिवसीय विश्व कप में शीर्ष स्कोरर रहीं और दक्षिण अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन नियमों के अनुसार केवल दो विदेशी खिलाड़ियों को ही रिटेन किया जा सकता है, इसलिए, जायंट्स ने बेथ मूनी और एश्ले गार्डनर की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को चुना।

रिपोर्ट के अनुसार वुलफार्ट के अलावा, एक और बड़ा नाम जिसे रिटेन नहीं किया गया है, वह हैं भारत की शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा। विश्व कप विजेता

ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया।

दीप्ति ने 2024 में WPL में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी जीता था। उम्मीद के मुताबिक, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी अन्य बड़ी भारतीय स्टार खिलाड़ियों को उनकी संबंधित टीमों ने रिटेन किया है।

रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर, अमनजोत कौर, हेली मैथ्यूज, नैट-स्किवर ब्रंट, जी. कमलिनी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी, श्रेयंका पाटिल

गुजरात जायंट्स : एश्ले गार्डनर, बेथ मूनी

यूपी वारियर्स : श्वेता सहरावत

दिल्ली कैपिटल्स : एनाबेल सदरलैंड, मारिजान काप, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, निकी प्रसाद

जिम्बाब्वे के सीन विलियम्स को नशे की लत भारी पड़ी, टीम से भी बाहर हुए

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के दिग्गज क्रिकेटर सीन विलियम्स को नशे की लत के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। जिम्बाब्वे की ओर से 273 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले सीन विलियम्स के नाम पर अब जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड (जेडसी) विचार नहीं करेगा। इसके साथ ही उनका केन्द्रीय अनुबंध भी रिन्यू नहीं होगा। वहीं जेडसी ने कहा कि वह नशे की लत से जूझ रहे हैं। 39 वर्षीय सीन विलियम्स ने 20 साल से ज्यादा के अंतरराष्ट्रीय करियर में जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 273 मैच खेले हैं पर जिम्बाब्वे क्रिकेट ने पुष्टि की है कि उनका अनुबंध 2025 के बाद आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। विलियम्स ने हाल ही में पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर से पहले निजी कारणों से टीम से नाम वापस ले लिया था। बोर्ड ने कहा कि जब उन्होंने उनकी अनुपलब्धता का कारण जानने के लिए एक आंतरिक जांच की थी तो विलियम्स ने बोर्ड को बताया कि वह नशीली दवाओं की आदत से परेशान है और पुनर्वास केंद्र में भर्ती हुए हैं। गौरतलब है कि साल 2005 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही विलियम्स ने जिम्बाब्वे के लिए सभी प्रारूपों में 8000 से अधिक रन बनाए हैं। एकदिवसीय में उन्होंने 37.53 की औसत से 5217 रन बनाए, जिसमें आठ शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं।

टी20 विश्व कप 2026 फाइनल की मेजबानी करेगा अहमदाबाद, पांच स्थल टूर्नामेंट की मेजबानी की दौड़ में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा। भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबाडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा। आईसीसी, बीसीसीआई और पीसीबी के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे।

आईपीएल 2026 सत्र में भी धोनी खेलेंगे : कासी विश्वनाथ

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के मुख्य कार्यकारी कासी विश्वनाथ ने कहा है कि आईपीएल 2026 सत्र में भी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावनाएं हैं। इसी के साथ ही धोनी के आईपीएल से सन्यास की अटकलों पर भी विराम लग गया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि धोनी अब भी खेल में बने रहना चाहते हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एक यूट्यूब चैनल पर जब प्रशंसकों ने कासी से धोनी के भविष्य को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने कहा कि वह अभी आईपीएल से सन्यास नहीं ले रहे। वहीं जब उनसे पूछा गया कि धोनी आखिर कब संन्यास लेंगे, तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, मैं उनसे पूछकर बताता हूं। आईपीएल का पिछला सत्र सीएसके और धोनी के लिए काफी खराब रहा था। टीम 14 में से केवल 4 मैच ही जीत पायी थी और पहली बार अंक तालिका में सबसे नीचे रही। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के सत्र में ही चोटिल होने के बाद धोनी को एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ी थी हालांकि उनके कमान संभालने के बाद भी टीम का प्रदर्शन सुधर नहीं पाया। वहीं कासी ने कहा, हम जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। यह तय नहीं कि ट्रॉफी मिलेगी पर हमारी तैयारी पूरी है। हम इस बार अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने अब तक पांच आईपीएल खिताब जीते हैं।

अभिषेक की निडर बल्लेबाजी पर युवराज बोले, गंभीर-सूर्यकुमार ने दिया गैरी कर्स्टन जैसा माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने खेल के दिनों और युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के उदय के बीच तुलना की है और उस सपोर्ट सिस्टम की तारीफ की है जो इस युवा खिलाड़ी को आजादी और आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी करने में मदद करता है। 2011 विश्व कप विजेता ने कहा कि अभिषेक का निडर रवैया मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाले भारत के मौजूदा नेतृत्व समूह के मजबूत समर्थन का नतीजा है।

युवराज ने बताया कि यह माहौल उन्हें उस माहौल की याद दिलाता है जिसने कोच गैरी कर्स्टन के नेतृत्व में उनके करियर को आकार देने में मदद की थी। युवराज ने कहा कि मुझे

लगता है कि निडरता कोच और कप्तान के सहयोग से भी आती है। जब कोच और कप्तान आपको खुलकर खेलने की अनुमति देते हैं, तो आप खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त कर पाते हैं। गैरी कर्स्टन के कोच रहते हुए मैंने भी यही अनुभव किया था–उन्होंने हमेशा मुझसे कहा था कि अगर मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलूंगा, तो मैं भारत को जीत की स्थिति में पहुंचा दूंगा। युवराज ने आगे कहा कि यही मानसिकता अब अभिषेक में भी आ रही है। उन्होंने बताया कि गौतम और सूर्यकुमार ने उसे जो आत्मविश्वास दिया है–कि अगर वह अपना खेल खेलता है, तो भारत दस में से छह बार जीतेगा–यही उसे सफल होने में मदद कर रहा है। इस अनुभवी खिलाड़ी का मानना है कि भरोसे की इस संस्कृति ने भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट को बदल दिया है, जिससे खिलाड़ियों को प्रभावशाली प्रदर्शन के पीछे भागते हुए असफल होने की आजादी मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि इसी दृष्टिकोण ने कर्स्टन के नेतृत्व में भारत के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया, और गंभीर और सूर्यकुमार अब अभिषेक शर्मा के नेतृत्व वाली नई पीढ़ी में उसी निडर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं।

अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारुप नहीं बदलेगा : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अभी अंडर 19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का प्रारूप नहीं बदलेगा। अभी तक जिस प्रकार से 50-50 ओवर का गेम अंडर 19 विश्व कप में होता आया है वही आगे भी चलेगा। वहीं इससे पहले एसोसिएट सदस्यों ने इसे टी20 प्रारूप का करने की मांग की थी पर आईसीसी ने उसे खारिज कर दिया है। आईसीसी की चीफ एग्जीक्यूटिव कमिटी (सीईसी) ने कहा कि अभी किसी बदलाव की जरूरत नहीं है। दुबई में आईसीसी की बैठक में ये फैसला हुआ। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कार्यकारी समिति ने यह फैसला किया कि अंडर-19 विश्व कप एकदिवसीय प्रारूप में ही खेला जाएगा। वहीं सहयोगी सदस्यों की ओर से यह मांग की गई थी कि जूनियर विश्व कप महिला वर्ग की तरह ही टी20 प्रारूप में खेला जाए पर सीईसी इस पर सहमत नहीं हुई। अंडर 19 विश्व कप को लेकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे। टूर्नामेंट के पिछले 18 संस्करण 50 ओवरों के रहे हैं और 19वां संस्करण अगले साल नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा, जो एकदिवसीय प्रारूप में ही होगा। एसोसिएट सदस्यों के साथ समस्या ये है कि उनके पास खिलाड़ियों का पूल नहीं होता है और सुविधाएं भी उतनी बेहतर नहीं हैं। इसके अलावा एकदिवसीय क्रिकेट में समय भी ज्यादा लगता है। शायद इसी से बचने के लिए कई सदस्य देश टी20 प्रारूप की मांग कर रहे थे, जिसे आईसीसी ने खारिज कर दिया है।

आईपीएल 2026 सत्र में क्लासेन को रिलीज कर सकती है सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद अब आईपीएल के 2026 सत्र में हेनरिक क्लासेन सहित कुछ ऐसे क्रिकेटरों को रिलीज करेगी। जिनको मोटी रकम देकर रखा गया था। क्लासेन को सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले साल पूरे 23 करोड़ रुपए में रिटेन कर सबको हैरान कर दिया था। अब 2026 सत्र की तैयारी में लगी सनराइजर्स क्लासेन जैसे स्टार खिलाड़ियों को बाहर कर उनकी जगह अच्छा प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को शामिल करेगी। क्लासेन को बाहर करने से टीम के करीब 23 करोड़ रुपये बचेंगे।

इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी को आईपीएल 2025 से पहले 23 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर रिटेन किया गया था, जिससे वह सबसे महंगे रिटेन खिलाड़ी बन गए थे। क्लासेन ने पिछले कुछ वर्षों में टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था पर टीम इसके बाद भी उनको रखने के मूड में नहीं है। उनको बाहर करने से 23 करोड़ बचेंगे और ये रकम नीलामी राशि में जुड़ जाएगी। वहीं कई पूर्व दिग्गजों का मानना है कि अगर टीम आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले क्लासेन को रिलीज करने का फैसला करती है, तो यह एक अच्छा कदम होगा। इससे टीम के पास बची हुई रकम से बेहतर गेंदबाज शामिल करने का अवसर होगा। इसके अलावा टीम मध्यक्रम के लिए बल्लेबाज भी रख पायेगी।

नीलामी में 23 करोड़ रुपये ज्यादा लेकर जाने से उन्हें जरूरी कमियों को पूरा करने का एक अच्छा मौका मिलता है। टीम के लिए एक अच्छा गेंदबाजी आक्रमण तैयार करना और अपने मध्यक्रम को बेहतर करना फायदेमंद होगा। इसके अलावा वह क्लासेन को कम कीमत में भी खरीद सकती है। इस क्रिकेटर ने हर सत्र में टीम की ओर से 400 से अधिक रन बनाये हैं।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच स्कालोनी बोले, टीम में अच्छे नये खिलाड़ियों को भी जगह देंगे

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा है कि वह 2026 में होने वाले विश्वकप के लिए टीम तैयार कर रहे हैं। स्कालोनी ने कहा कि टीम में कुछ अच्छे नये खिलाड़ियों को भी अब भी जगह देने के लिए वह तैयार हैं। स्कालोनी ने बताया है कि वह मैत्री मैचों के जरिये अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से होने वाले विश्व कप के लिए खिलाड़ियों को परखेंगे। स्कालोनी ने कहा, जाहिर है कि

हम नए खिलाड़ियों को मौका देने की कोशिश करेंगे, यह देखने के लिए कि क्या वे टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इन मुकाबलों में अलग-अलग खिलाड़ियों को आजमाया जाएगा। स्कालोनी ने स्वीकारा है कि अधिकांश विश्व कप टीम पहले ही तय हो चुकी है, लेकिन उन्होंने बताया कि अंतिम समय में कुछ बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, आप नहीं कह सकते कि कब बदलाव हो सकते हैं। भले ही हमारे पास एक मजबूत टीम है पर हमें नहीं पता आगे क्या हो सकता है। पिछले विश्व कप का अनुभव हमारे पास है, जब कुछ खिलाड़ी चोटिल होने के कारण अंतिम समय में बाहर हो गए थे। यह सही है कि टीम का अधिकांश हिस्सा तय है, लेकिन हम आने वाली किसी भी तरह के हालात के लिए तैयार रहना चाहते हैं। नए खिलाड़ी अब टीम में शामिल हुए हैं। अगर हमें लगेगा कि जरूरत है, तो आगे भी नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। अर्जेंटीना ने साउथ अमेरिकन क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ ही पहले ही विश्वकप के लिए अपनी जगह बना ली है। स्कालोनी ने कहा कि उनकी टीम विश्व कप से पहले होने वाले सभी मुकाबलों को गंभीरता से लेगी।

त्वचा कैंसर से पीड़ित क्लार्क बोले, नियमित रुप से जांच करायें सभी लोग

-अब तक मेरे चेहरे पर सात जगह सर्जरी हुई

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर कप्तान माइकल क्लार्क आजकल त्वचा के कैंसर से पीड़ित हैं। क्लार्क ने बीमारी के दर्द को बताते हुए कहा कि उनके चेहरे से अब तक 7 जगह सर्जरी से कैंसर वाला बेसल सेल्स निकाले गए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल में इलाज के दौरान उनके चेहरे और शरीर से कई मेलानोमा और अन्य प्रकार के कैंसर हटाए गये हैं। क्लार्क को पहली बार 2006 में त्वचा कैंसर का पता चला था और तभी से वह नियमित रूप से अपने विशेषज्ञ से मिलते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा करते हुए लोगों को अपनी त्वचा की जांच कराने की सलाह दी, जिससे कि इस बीमारी का पता समय से पहले ही लग जाये।

क्लार्क ने एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने हाल ही में अपनी नाक से एक और कैंसरयुक्त घाव हटवाया है। उन्होंने कहा, 'लगभग चार सप्ताह पहले मेरी नाक से एक निकाला गया था, और मैं हर छह महीने में अपने त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलता हूं। अब तक मेरे चेहरे पर सात से अधिक जगहों पर सर्जरी हुई है।' क्लार्क के मुताबिक, वह नियमित रूप से सनस्पॉट को फ्रीज करवाते हैं और किसी भी बेसल सेल्स को तुरंत कटवा देते हैं जिससे कि बीमारी आगे न फैले।

पिछले साल क्लार्क ने अपनी नाक की सर्जरी के बाद की तस्वीर साझा की थी। उन्होंने लिखा, 'आज मेरी नाक से एक और निकाला गया। यह सबको याद दिलाने के लिए है कि अपनी त्वचा की जांच करवाएं। रोकथाम इलाज से बेहतर है, लेकिन जल्दी पहचान भी उतनी ही जरूरी है।' उन्होंने अपने डॉक्टर का आभार जताया कि उन्होंने कैंसर को शुरुआती चरण में ही पकड़ लिया। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई और कई लोगों ने उनकी ईमानदारी की सराहना की।

क्लार्क ने बताया कि उनकी बीमारी का सबसे बड़ा कारण क्रिकेट के दौरान धूप में बिताए गए लंबे घंटे हैं। उन्होंने कहा, 'सोचिए भारत या ऑस्ट्रेलिया में पूरे दिन फील्डिंग करना, आठ घंटे तक तेज धूप में रहना। हम अक्सर बैगी ग्रीन कैप पहनते थे, जिससे चेहरे और कानों पर सीधी धूप पड़ती थी। छोटी आस्तीन वाली शर्ट पहनने से बाहों पर भी असर होता था।' उन्होंने यह भी बताया कि क्रिकेटरों के लिए स्किन कैंसर का खतरा आम है और इसीलिए नियमित जांच बहुत जरूरी है। क्लार्क अकेले नहीं हैं जिन्होंने त्वचा कैंसर का सामना किया। उनसे पहले रिची बेनो, सैम बिलिंग्स, एंडी फ्लावर और नॉसिन बोल्टन जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी इस बीमारी से पीड़ित रहे हैं। इन खिलाड़ियों की कहानियों ने दुनिया भर में क्रिकेट समुदाय में जागरूकता बढ़ाने में मदद की है। क्लार्क का क्रिकेट करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 115 टेस्ट, 245 वनडे और 34 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर 17,000 से अधिक रन बनाए। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने 2015 का एकदिवसीय विश्व कप जीता था।

संक्षिप्त समाचार

फ्लोरिडा में 1984 दुष्कर्म मामले का आरोपी अपहरण का भी दोषी

फ्लोरिडा , एजेंसी। दक्षिण फ्लोरिडा में 1980 के दशक में कई दुष्कर्म मामलों में संदिग्ध फ्लिकेस रेपिस्ट के नाम से कुख्यात रॉबर्ट कोहलर (66) को मियामी-डेड काउंटी की जूरी ने यौन उत्पीड़न, अपहरण और चोरी के आरोप में दोषी ठहराया। हालांकि, इस पर 24 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। मामला 1984 का है, जब 22 वर्षीय महिला के घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। कोहलर को 1983 की एक समान घटना में पहले ही 17 साल की सजा मिल चुकी है।

बकिंघम पैलेस में अगले साल रानी एलिजाबेथ-2 की फैशन प्रदर्शनी

बकिंघम , एजेंसी। बकिंघम पैलेस में अगले वर्ष दिवंगत रानी एलिजाबेथ द्वितीय की अब तक की सबसे बड़ी फैशन प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जो उनके जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में होगी। 10 अप्रैल से 18 अक्तूबर 2026 तक आयोजित प्रदर्शनी में लगभग 200 परिधान प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें से आधे पहले कभी नहीं दिखाए गए। इसमें रानी की शादी और राज्याभिषेक की पोशाकें भी शामिल होंगी। रानी एलिजाबेथ का निधन सितंबर 2022 में 96 वर्ष की आयु में हुआ था।

भूटान में विश्व शांति महोत्सव, दुनियाभर जुटे बौद्ध साधक

थिम्पू, एजेंसी। भूटान में वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव शुरू हो गया है, जो एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक समागम की शुरुआत का प्रतीक है। यह 17 नवंबर तक चलेगा। इसमें दुनियाभर से बौद्ध नेता और साधक जमा हुए हैं।

चीन में उड़ने वाली कार का परीक्षण व उत्पादन शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीन की इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी एक्सपेंग की सहयोगी कंपनी एक्सपेंग एयरोहट ने उड़ने वाली कारों का इस सप्ताह परीक्षण व उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी ने बड़े पैमाने पर उड़न-कार बनाने के लिए विश्व के पहले 'इंटेलिजेंस' कारखाने में काम शुरू किया। इसकी क्षमता 5,000 कार की है।

पाकिस्तान में मौलवी की गोली मारकर हत्या

इस्लमाबाद, एजेंसी। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में मंगलवार को जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल समूह) की प्रांतीय परिषद के सदस्य मौलाना अब्दुस सलाम की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि बाइक सवार हमलावरों ने मंढानी थाना क्षेत्र में मौलवी की कार पर गोलीबारी की।

अमेरिकी सेना ने प्रशांत महासागर में 16वीं बार की ड्रग तस्करों पर स्ट्राइक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को एक और ड्रग तस्करी में शामिल नाव पर घातक हमले की घोषणा की। यह हमला पूर्वी प्रशांत महासागर में हुआ, जिसमें नाव पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। यह ट्रंप प्रशासन की ड्रग तस्करी विरोधी अभियान की 16वीं बड़ी कार्रवाई है। अब तक इन हमलों में कम से कम 66 लोगों की मौत हो चुकी है। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा हम अमेरिका में जहर फैलाने वाले हर ड्रग तस्कर और उनकी नौकाओं का अंत करेंगे। सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री हेगसेथ द्वारा साझा किए गए वीडियो में एक नाव को हवा में उड़ाते हुए दिखाया गया है। वीडियो में नाव को आग की लपटों में घिरा हुआ भी देखा जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को सही ठहराते हुए कहा कि अमेरिका ड्रग कार्टेल्स के साथ सशस्त्र संघर्ष में है और दावा किया कि ये नावें विदेशी आतंकी संगठनों द्वारा चलाई जाती हैं।

तूफान कलमागी का कहर ! फिलीपींस में 52 की मौत

13 लापता; भूकंप से उबर रहे प्रांत में मची भारी तबाही

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में आए शक्तिशाली तूफान 'कलमागी' ने भारी तबाही मचाई है। अधिकारियों के अनुसार अब तक 52 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सेबू प्रांत में हुआ है, जो हाल ही में एक भीषण भूकंप से उबरने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि तेज बारिश और बाढ़ के कारण कई लोग अपने घरों की छतों पर फंस गए। रेड क्रॉस को सैकड़ों कॉल्स आईं, जिनमें लोगों ने मदद की गुहार लगाई। सेबू की गवर्नर पामेला बारिकुआत्रो ने कहा हमने बचाव के लिए पूरी तैयारी की थी, लेकिन अचानक आई फ्लैश फ्लड ने सब कुछ बदल दिया। उन्होंने यह भी माना कि लंबे समय से हो रहे खनन और घटिया बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं ने स्थिति और बिगाड़ दी। राहत मिशन के दौरान हादसा तूफान से प्रभावित इलाकों में राहत पहुंचाने जा रहे फिलीपींस एयरफोर्स के एक हेलीकॉप्टर के अगुसान डेल सुर प्रांत में क्रैश होने से छह जवानों की मौत हो गई। सुपर ह्यूई हेलिकॉप्टर दक्षिणी अगुसान डेल सुर प्रांत के लोरेटो शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। पूर्वी मिनडानाओ सैन्य कमान ने अपने एक शुरुआती बयान में कहा था कि हेलिकॉप्टर में सवार वायु सेना कर्मियों को ढूंढने के प्रयास जारी हैं, जो तूफान प्रभावित प्रांतों में मानवीय मदद देने के लिए तैनात किए गए थे। एबीएस-सीबीएन की रिपोर्ट के मुताबिक, हेलिकॉप्टर हादसे में सवार छह कर्मियों की मौत हो गई है। सेबू में नदी और नाले उफान पर हैं। कई इलाकों में घर बाढ़ में बह गए। प्रशासन ने प्रांत को 'राज्य आपदा क्षेत्र' घोषित कर दिया है ताकि राहत फंड का उपयोग तेजी से किया जा सके। भूकंप से बेघर हजारों लोगों को पहले ही मजबूत आश्रयों में स्थानांतरित कर दिया गया था, जिससे बड़ी संख्या में लोगों की जान बच गई। सेबू की गवर्नर ने घटिया निर्माण कार्यों पर सवाल उठाते हुए कहा यहां की बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं की जांच होनी चाहिए। जिनकी वजह से लोगों की जान गई, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाए। तूफान कल्मेगी बुधवार को पालावन द्वीप के तटीय इलाकों के ऊपर था, जहां 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। मौसम विभाग के अनुसार तूफान साउथ चाइना सी की ओर बढ़ रहा है। अब तक 3,87,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है, जबकि 186 उड़ानें रद्द की गई हैं। करीब 3,500 यात्री और ट्रक ड्राइवर बंदरगाहों पर फंसे हुए हैं। फिलीपींस हर साल लगभग 20 तूफानों और कई भूकंपों का सामना करता है। यहां दर्जनों सक्रिय ज्वालामुखी भी हैं, जिससे यह दुनिया के सबसे आपदा-प्रवण देशों में से एक है।

किम जोंग उन के देश में दूतावास खोलने की प्लानिंग में पाक

इस्लामाबाद, एजेंसी। किम जोंग उन के शासन वाले उत्तर कोरिया में पाकिस्तान दोबारा अपना दूतावास खोलने पर विचार कर रहा है। खबर है कि इस संबंध में पाकिस्तान को प्योंगयांग से एक संदेश भी मिला है। खास बात है कि यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि पाकिस्तान और चीन समेत कई देश परमाणु हथियारों की टेस्टिंग कर रहे हैं। भारत कई बार पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बीच संदिग्ध परमाणु संबंधों की बात उठाता रहा है।

ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की है कि इस्लामाबाद को उत्तर कोरिया से एक संदेश मिला है, जिसमें डिप्लोमैटिक मिशन खोलने का अनुरोध किया गया है। कोविड के बाद से ही उत्तर कोरिया में पाकिस्तान का दूतावास बंद है। वहीं, मौजूदा प्रस्ताव पर फिलहाल विचार किया जा रहा है।

डार ने संसद में पूछे गए सवाल में बीते महीने कहा था कि डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया पर लगे कई प्रतिबंधों के कारण दो देशों में सहयोग संभव नहीं था। उन्होंने कहा था, 'पाकिस्तान और डीपीआरके के बीच व्यापार वर्चुअली कम ही है।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांतिपूर्ण रास्तों से कोरिया की एकजुटता का समर्थन करना जारी रखेगा।

भारत को है आपत्ति?: साल 2017 में नई दिल्ली ने प्योंगयांग के नेटवर्क की औपचारिक जांच की मांग की थी। 2022 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया था कि 'हमारे क्षेत्र में डीपीआरके के परमाणु और मिसाइल तकनीकों की बढ़ती संख्या पर बात किए जाने की तत्काल जरूरत है।' साथ ही कहा गया था कि ऐसी गतिविधियां भारत समेत शांति और सुरक्षा को प्रभावित करती है। डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दशक के अंतराल के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने की अपनी योजना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन उन देशों में शामिल हैं जो परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने बीते गुरुवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक से पहले घोषणा की थी कि अमेरिका प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ 'बराबरी के आधार' पर परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा।

काम कर गया भारत का दबाव, जाकिर नाइक की बांग्लादेश में नो एंट्री, यूनुस सरकार बोली- भगोड़े को शरण नहीं देंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारतीय मूल के इस्लामिक कट्टरपंथी और भगोड़े जाकिर नाइक को बांग्लादेश में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। यह निर्णय मंगलवार को सचिवालय स्थित गृह मंत्रालय के बैठक कक्ष में कानून एवं व्यवस्था कोर कमेटी की बैठक में लिया गया है। सूत्रों के हवाले से, दैनिक समाचार पत्र प्रोथोम अलो ने बताया कि बैठक में जाकिर नाइक की संभावित यात्रा पर चर्चा हुई। रिपोर्ट में कहा गया है, अगर जाकिर नाइक बांग्लादेश आते हैं, तो वहां भारी भीड़ होगी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन कर्मियों की आवश्यकता होगी। जाकिर नाइक की बांग्लादेश यात्रा को देखते हुए, फिलहाल वहां इतने सारे सदस्यों को तैनात करने का कोई अवसर नहीं है। कानून एवं व्यवस्था पर कोर कमेटी की बैठक गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी की अध्यक्षता में हुई। स्पार्क इवेंट मैनेजमेंट नामक एक कंपनी ने हाल ही में अपने फेसबुक पोस्ट पर घोषणा की कि वे नवंबर के अंत में जाकिर नाइक को बांग्लादेश लाएंगे। कंपनी ने कहा, स्पार्क इवेंट मैनेजमेंट, डॉ. जाकिर नाइक बांग्लादेश टूर 2025 का इकलौता अधिकृत आयोजक है। यह कार्यक्रम बांग्लादेश सरकार की अनुमति और संबंधित अधिकारियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने रविवार को कहा कि उसने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा एक प्रमुख इस्लामी कट्टरपंथी की बांग्लादेश यात्रा की संभावना के बारे में की गई टिप्पणी का संज्ञान लिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एसएम महबूबुल आलम ने रविवार को एएनआई को बताया, हमने भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की ओर से एक प्रमुख इस्लामी स्कॉलर की बांग्लादेश यात्रा की संभावना के बारे में की गई टिप्पणी का संज्ञान लिया है।

अमेरिका का न्यूक्लियर टेस्ट कौन सा देश रोकने का रखता है दम, सच्चाई जान हो जाएंगे हैरान

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में देश की परमाणु हथियार प्रणाली के कुछ नए परीक्षणों को मंजूरी दी है। वहीं, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के प्रमुख क्रिस राइट ने यह स्पष्ट किया है कि इन परीक्षणों में फिलहाल किसी भी तरह का परमाणु विस्फोट शामिल नहीं होगा। लेकिन सवाल यह है कि अगर भविष्य में अमेरिका अचानक कोई नया न्यूक्लियर टेस्ट करता है, तो क्या दुनिया में कोई भी देश उसे रोक पाएगा? यह सवाल जितना सीधा लगता है, उतना ही जटिल है, क्योंकि इसमें अंतरराष्ट्रीय कानून, संधियां और निगरानी संस्थाओं की सीमाएं सामने आती हैं।नाभिकीय परीक्षण यानी न्यूक्लियर टेस्ट हमेशा से अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे संवेदनशील और विवादित मुद्दा रहा है। अमेरिका जैसे देश, जिनके पास दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य और तकनीकी शक्ति है, अगर कोई नया परमाणु परीक्षण करते हैं, तो उन्हें रोक पाना किसी एक देश के लिए लगभग असंभव हो जाता है। इसके पीछे कई राजनीतिक और कानूनी कारण हैं। हर देश अपनी संप्रभुता के तहत यह तय कर सकता है कि उसके क्षेत्र में क्या होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीटीबीटी जैसी संधियों ने सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों पर रोक लगाने की कोशिश की है। हालांकि यह संधि पूरी तरह से प्रभावी नहीं है, क्योंकि अभी भी कई प्रमुख देशों ने इसे रैटीफाई नहीं किया है। इस कारण यह सिर्फ तकनीकी निगरानी तक सीमित है, लेकिन इसमें किसी देश पर प्रत्यक्ष दंड या कार्रवाई का प्रावधान नहीं है। इसलिए अमेरिका जैसी महाशक्ति पर इस संधि का सीधा असर नहीं पड़ता। कहां की जा सकती है शिकायत? अगर कोई देश अमेरिका के इस कदम का विरोध करना चाहता है, तो उसके पास कुछ अंतरराष्ट्रीय मंच हैं – अगर किसी देश या समूह को लगता है कि यह परीक्षण वैश्विक शांति के लिए खतरा है, तो मामला इसमें उठाया जा सकता है। यहां निंदा प्रस्ताव, प्रतिबंध और अन्य राजनीतिक कदम संभव हैं, लेकिन वीटो पावर रखने वाले देशों (जैसे अमेरिका) के कारण कार्रवाई रुक सकती है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ब्र यहां कोई भी देश गैर-बाध्यकारी प्रस्ताव पारित कर सकता है और अमेरिका की आलोचना कर सकता है। महासभा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से भी सलाह ले सकती है, लेकिन आइसीजे की प्रक्रिया प्रायः दोनों पक्षों की सहमति पर निर्भर करती है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी , पर्यावरण और मानवाधिकार से जुड़ी अन्य संस्थाएं इस मुद्दे पर रिपोर्ट जारी कर सकती हैं। हालांकि ये संस्थाएं किसी देश को सीधे नहीं रोक सकतीं, लेकिन वैश्विक दबाव बनाने में इनकी भूमिका अहम रहती है।

आठ नए प्राचीन स्थलों की खोज

पाकिस्तान में मिले 1200 वर्ष पुराने हिंदू मंदिर के अवशेष

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्वात से तक्षशिला तक फैले आठ नए प्राचीन स्थलों की खोज इस क्षेत्र में चल रहे उत्खनन और अन्वेषण कार्य के दौरान हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि प्राचीन स्थलों की इस खोज में बौद्ध धर्म और शाही हिंदूशाही राजवंश से जुड़े कई पुरातात्विक अवशेष भी मिले हैं। अन्वेषण में बुद्ध की कई मूर्तियां व एक विशाल स्तूप व स्वात के बारिकोट में करीब 1,200 वर्ष पुराने हिंदू मंदिर के अवशेष भी मिले हैं।

इतालवी पुरातत्वविदों द्वारा खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व निदेशालय के सहयोग से की गई इन खोजों को पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सफलता मान रहा है। इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने कहा कि बारिकोट (प्राचीन बजीरा) में उत्खनन के दौरान छोटे मंदिर के अवशेष उस वक्त की हिंदू शैली व परंपरा की बेजोड़ गवाही पेश करते हैं। मंदिर के अवशेषों में स्वात के बारिकोट क्षेत्र की सतत सांस्कृतिक व सभ्यतागत विरासत के दुर्लभ प्रमाण मिलते हैं। ये खोजें पाषाण युग से लेकर सिकंदर, बौद्ध धर्म, हिंदू शाही राजवंश, यूनानी युग व इस्लामी काल तक फैली हुई हैं। स्वात के टोकरदरा में उत्खनन में बौद्ध काल के अहम अवशेष मिले हैं। इन खोजों में बुद्ध की मूर्तियां व विशाल स्तूप शामिल है। इतालवी पुरातत्व मिशन के निदेशक डॉ. लुका ने कहा, हिंदू मंदिर और आसपास की पुरातात्विक परतों के चारों तरफ एक सुरक्षात्मक बफर जोन स्थापित करने के लिए उत्खनन क्षेत्र का अब स्वात नदी की ओर विस्तार किया गया है। खैबर पथ परियोजना नाम से जानी जाने वाली इस तीन वर्षीय पहल के तहत, 400 से अधिक स्थानीय श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। अब तक खैबर पख्तूनख्वा में 50 से अधिक पुरातात्विक स्थलों की खोज हुई है। ये हालिया खोजें गांधार सभ्यता की ऐतिहासिक भव्यता को बताते हैं। इनमें स्वात घाटी के समृद्ध सांस्कृतिक महत्व का वैभव दिखता है। ये स्थल धार्मिक पर्यटन व शैक्षणिक अनुसंधान, के लिए अमूल्य विरासत बन सकते हैं।

चीन के स्पेस स्टेशन से टकराया अंतरिक्ष मलबा

तीन अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी टली

बीजिंग , एजेंसी। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन में बड़ा झटका लगा है। चीन के स्पेस स्टेशन से सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे की टक्कर के कारण बुधवार को निर्धारित अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी को फिलहाल टाल दिया गया है। यह जानकारी चाइना मैनड स्पेस एजेंसी ने दी। एजेंसी ने कहा कि यह फैसला अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता को ध्यान में रखकर लिया गया है। चीन हर छह महीने में अपने स्पेस स्टेशन के दल की अदला-बदली करता है। बीते शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 क्रू के साथ कक्षा में हैंडओवर प्रक्रिया पूरी की थी। अंतरिक्ष स्टेशन की चाबियां मंगलवार को औपचारिक रूप से सौंप दी गई। शेनझोउ-20 के तीन अंतरिक्ष यात्री (चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए) अपने निर्धारित सभी कार्य पूरे कर चुके हैं और बुधवार को इनर मंगोलिया के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरने वाले थे। हालांकि, मलबे की टक्कर के चलते उनकी वापसी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। जरिए तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर अपने कक्षीय स्टेशन पर भेजा है। इससे पहले चीन ने एलान किया था कि वह वर्ष 2030 तक अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने की दिशा में समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रवक्ता झांग जिंगबो ने बताया था कि फिलहाल इंसानों को चंद्रमा पर भेजने से जुड़ी सभी अनुसंधान और विकास परियोजनाएं सुचारु रूप से आगे बढ़ रही हैं।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर को और शक्ति के संकेत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि वह जल्द ही 27वां सांविधानिक संशोधन संसद में पेश करेगी। इस कदम से देश में यह आशंका पैदा हो गई है कि सरकार प्रांतों की स्वायत्तता को सीमित कर सकती है। संविधान में बदलाव की घोषणा उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने की, जिन्होंने पुष्टि की कि यह संशोधन संसद में लाया जाएगा। डार ने कहा, सरकार 27वां संशोधन लाने जा रही है और इसे संसदीय नियमों, कानूनों और संविधान के अनुरूप पेश किया जाएगा। इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक पोस्ट में दावा किया था कि सरकार ने इस संशोधन पर समर्थन के लिए उनसे संपर्क किया है। वहीं, विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने संशोधन को लेकर पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाए हैं। एक सांविधानिक न्यायालय की स्थापना, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव, सशस्त्र बलों से जुड़ी धारा 243 में संशोधन, प्रांतों के वित्तीय हिस्से में कटौती, और शिक्षा व जनकल्याण मंत्रालयों का नियंत्रण केंद्र सरकार को देने का प्रस्ताव शामिल है।

अमेरिका के लुइसविले में मालवाहक जहाज दुर्घटनाग्रस्त

सात की मौत कई अन्य घायल; खाली कराया गया इलाका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के केंटकी में एक कार्गो विमान (मालवाहक जहाज) क्रैश हो गया है। अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि कार्गो विमान मंगलवार शाम को लुइसविले के मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एफएए ने बताया कि हादसे का शिकार हुआ विमान मैकडॉनेल डगलस एमडी-11 था। विमान लुइसविले से होनुलुलु जा रहा था। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अधिकारियों को हादसे की जगह तैनात किया गया है। केंटकी के गवर्नर एंडी बेशेर ने बताया कि विमान हादसे में सात लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। घायलों की स्थिति को देखते हुए मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। मरने वालों में तीन क्रू सदस्य और चार अन्य लोग शामिल हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां पेट्रोलियम संशोधन कंपनी का परिसर है। हादसे के बाद आग अभी भी लगी हुई है, जिसे बुझाने की कोशिशें जारी हैं। प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर जाने की अपील की और साथ ही लोगों से हादसे वाली जगह से दूर रहने की भी अपील की। हादसे के बाद लुइसविले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया और सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसे का शिकार हुआ विमान यूपीएस (यूनाइटेड पार्सल सर्विस) द्वारा संचालित किया जा रहा था। मैकडॉनेल डगलस कंपनी ने इस विमान का निर्माण किया था, बाद मैकडॉनेल डगलस कंपनी का बोइंग ने अधिग्रहण कर लिया था। हादसे का शिकार हुआ विमान 34 साल पुराना था। पहले ये विमान थाई एयरवेज के पास था, लेकिन साल 2006 में यूपीएस ने इसे खरीद लिया था।अधिकारी हादसे की जांच में जुटे हैं। अमेरिका के परिवहन सचिव सीन डफी ने सोशल मीडिया पर हादसे की वीडियो साझा की है और लिखा कि हादसे की डरावने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं।

मुंबई में मोनोरेल ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटकी, कर्मचारी घायल

मुंबई (एजेंसी)। वडाला डिपो में बिगत सुबह मुंबई मोनोरेल का ट्रायल रन हो रहा था, तभी एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल एक ट्रेन डिरेल होकर हवा में लटक गई, जिससे ट्रेन कैप्टन समेत तीन कर्मचारी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे हुआ, जब ट्रेन को एक गाइडवे बीम से दूसरे बीम पर शिफ्ट किया जा रहा था। उसी दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया और दो बीम के बीच हवा में लटक गया। मोनोरेल संचालित करने वाली महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मीडिया को बताया कि ट्रेन खाली थी और उसमें कोई यात्री नहीं था। हादसे में ट्रेन का निचला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो फुटेज में ट्रेन झुकी हुई नजर आ रही है। घटना के बाद राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की और शाम तक भारी क्रेन की मदद से ट्रेन को सुरक्षित हटाया गया। इस मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से पारा पहुंचा माइनस पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सीजन की पहली बर्फबारी से पहाड़ सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में गुलमर्ग व्हाइट वंडरलैंड बन गया है, जहां पर्यटकों की खासी भीड़ भी उमड़ रही है। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम बर्फ से ढक गए हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों लाहौल-स्पीति, किन्नौर और कुल्लू में भी बर्फबारी शुरू हो गई है। इसके चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार, ताबो में माइनस 2.2 डिग्री, कुकुमसेरी में माइनस 1.8 डिग्री और केलांग में 0.4 डिग्री तक पारा लुढ़क गया है। पहाड़ी राज्यों में हुई बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में भी महसूस किया जा रहा है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और झारखंड में ठंडी हवाओं के कारण तापमान 3 डिग्री तक नीचे चला गया है। इसी बीच मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले तीन दिनों में उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंड और बढ़ेगी।

अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका, एफआईआर रद्द करने से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े एक कानूनी मामले से जुड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम खान को पासपोर्ट हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल के आरोप में दर्ज एफआईआर (एफआईआर) को रद्द करने से इंकार किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि ट्रायल कोर्ट पर यकीन करना चाहिए और जब ट्रायल पूरा हो गया है, तब कोर्ट दखल नहीं दे सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी इसी आधार पर अब्दुल्ला आजम खान की अर्जी खारिज कर दी थी कि केस में पूरा ट्रायल हो चुका है। यह एफआईआर रामपुर की सिविल लाइन थाना पुलिस ने दर्ज की थी। आरोप है कि अब्दुल्ला ने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लेकर पासपोर्ट बनवाया। पासपोर्ट में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है, जबकि स्कूल रिकॉर्ड के अनुसार वास्तविक जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। बताया गया है कि दो पैन कार्ड मामले में भी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने रामपुर एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे ट्रायल को रद्द करने की मांग की थी। बता दें कि अब्दुल्ला को पासपोर्ट से जुड़े फर्जी दस्तावेज मामले में सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है, और मामला अब ट्रायल कोर्ट के निर्णय के अधीन रहेगा।

एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली में आई बाधा, कई उड़ाने देरी से उड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की चेक-इन प्रणाली बुधवार को दिल्ली और कुछ अन्य हवाई अड्डों पर बाधित रही, जिससे कई उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई। चेक-इन प्रणाली में यह समस्या तृतीय पक्ष की नेटवर्क कनेक्टिविटी में आई खराबी के कारण उत्पन्न हुई थी। टाटा समूह की एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि अब चेक-इन प्रणाली को बहाल कर दिया गया है लेकिन स्थिति सामान्य होने तक कुछ उड़ानों में थोड़ी देरी हो सकती है। एयर इंडिया ने एक्स पर कहा कि कुछ हवाई अड्डों पर हमारी चेक-इन प्रणाली को प्रभावित करने वाली नेटवर्क कनेक्टिविटी समस्या के कारण उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई, लेकिन अब प्रणाली को बहाल कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल टी2 और टी3 पर चेक-इन प्रणाली करीब 70 मिनट तक बंद रहा, जो दोपहर 3.40 बजे से 4.50 बजे के बीच प्रभावित रहा। एयर इंडिया ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे यात्रा से पहले एयरलाइन की वेबसाइट पर अपनी उड़ान की स्थिति अवश्य जांच लें और हवाई अड्डा पहुंचने के लिए कुछ अतिरिक्त समय लेकर चलें। एयरलाइन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस समस्या से कौन-कौन हवाई अड्डे प्रभावित हुए हैं।

बंगाल में एसआईआर के डर से एक और शख्स ने की आत्महत्या

-देश से बाहर कर देने का सता रहा था डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) को लेकर घमासान मचा हुआ है। अब दक्षिण 24 परगना जिले में एक व्यक्ति ने मतदाता सूची से नाम हटने के डर से आत्महत्या की है। मृतक सफीकुल गाजी पिछले कुछ महीनों से भांगड़ में ससुराल में रह रहे थे।

परिजनों ने बताया कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने के बाद दहशत में थे। गाजी को डर था कि उनके पास वैध पहचान पत्र न होने के कारण उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने इस एसआईआर को लेकर हुई आत्महत्या बताकर भाजपा पर भय फैलाने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद ममता बाला ठाकुर के नेतृत्व में मतुआ समुदाय के गुट ने बांग्लादेश से आए सभी शरणार्थियों को बिना शर्त नागरिकता देने की मांग पर ठाकुरनगर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। भाजपा नेता शांतनु ठाकुर ने इस घटनाक्रम को वोट राजनीति बताया, जबकि टीएमसी सीएए का विरोध जारी रखे हुए हैं।

बिहार के लोगों को देश में अपनी भागीदारी समझनी होगी: प्रियंका गांधी

-चम्पारण वही धरती है, जहां के लोगों ने महात्मा गांधी को रास्ता दिखाया

मोतिहारी (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को पूर्वी चंपारण जिले के गोविंदगंज विधानसभा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए एनडीए पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह वही चम्पारण की धरती है, जहां के लोगों ने महात्मा गांधी को रास्ता दिखाया। इस क्षेत्र से महात्मा गांधी ने सत्याग्रह शुरू किया, लेकिन आज इस क्षेत्र की परिस्थिति क्या है? प्रियंका ने कहा कि हम कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता हैं, जिनको महात्मा गांधी ने रास्ता दिखाया और उन्हें रास्ता दिखाने वाले आपके पूर्वज थे। बिहार के लोगों को इस देश में अपनी भागीदारी समझनी होगी। आपको समझना पड़ेगा कि इस देश को बनाने वाले आपके पूर्वज हैं। जब यहां रास्ता तक नहीं था, उस समय आपके पूर्वज ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ाई लड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि कल तक यहां के विकास तेजी से हो रहे थे, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। आज यहां तीन साल में 27 पुल गिरे हैं। लोग रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा कि बीजेपी के बड़े नेता यहां आते हैं, लेकिन कभी यहां के लोगों से पलायन के कारणों के बारे में नहीं पूछते। आज यहां के शिक्षित लोग मजदूरी कर रहे हैं। पहले किसानी से भी काम चल जाता था, लेकिन इसके लिए सरकार से जो मदद मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिल रही है। पहले इस इलाके में चीनी मिल होती थी, लेकिन आज वे ठप हैं। आज यहां के किसानों को ईख (गन्ना) बेचने के लिए यूपी जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज उद्योग बंद हैं। छोटे व्यापार से भी कमाई हो जाती थी, लेकिन आज वह भी नहीं हो रही है। अब बचा क्या है? आज भ्रष्टाचार चरम पर है। छोटे कार्यों के लिए भी पैसा देना पड़ता है। आज कोई खुशी से त्योहार नहीं मनाता। अस्पतालों की स्थिति भी बदतर है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज संघर्ष कर रही हैं, लेकिन किसी ने उन्हें नहीं समझा। आज जब चुनाव आया तो पैसे भेजे जा रहे हैं। 20 साल से यह सरकार चल रही है, लेकिन कभी रोजगार के लिए नहीं पूछा। बिहार के लोग आज भी देश का निर्माण कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने कभी सम्मान नहीं दिया। बीजेपी यहां के सीएम का भी सम्मान नहीं करती है। आज स्थिति यह है कि वे मंचों पर भी यहां के सीएम को नहीं आने देते। प्रियंका गांधी ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आप ऐसी सरकार बनाएं जो आपके अधिकार के लिए सोचे।

राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई टली, अगली सुनवाई 17 नवंबर को

सुल्तानपुर (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट में रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले की सुनवाई गुरुवार को स्थगित हो गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि एक अधिवक्ता के निधन के कारण आज कोर्ट में कंडोलेंस था। अब इस मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। यह मामला वर्ष 2018 का है। कोतवाली देहात के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्रा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

विजय मिश्रा का आरोप है कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अभद्र टिप्पणी की थी। पांच साल तक चली अदालती कार्यवाही के दौरान राहुल गांधी के पेश न होने पर दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी। 26 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। इसके बाद कोर्ट ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था तब से लगातार गवाह पेश किए जा रहे हैं। अब तक केवल एक गवाह से जिरह पूरी हो पाई है जबकि दूसरे गवाह से जिरह शुरू हुई है। अक्सर हड़ताल और गवाहों के अनुपस्थित रहने के कारण कार्यवाही में देरी हो रही है।

आरएसएस मामले में अदालत से झटके पर झटका खा रही सिद्धारमैया सरकार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय से कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार को एक कानूनी झटका लगा है। कर्नाटक सरकार ने 18 अक्टूबर को आदेश जारी किया था, जिसके तहत किसी भी निजी संस्था या समूह को सरकारी जमीन या इमारत पर कार्यक्रम या सभा आयोजित करने से पहले सरकार/प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। दरअसल यह आदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जुलूस और कार्यक्रमों से पहले जारी किया गया था। इस सरकारी आदेश को पुनश्चेतना सेवा समस्ते और कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उनका तर्क था कि यह आदेश नागरिकों के शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। इस मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस एम. नागप्रसन्ना की सिंगल बेंच ने सरकारी आदेश पर रोक लगा दी। उन्होंने कहा कि यह आदेश नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और सरकार सिर्फ एक आदेश से मौलिक अधिकार खत्म नहीं कर सकती, जब तक कि इसके लिए कोई कानून न बनाया गया हो। इसके बाद सिद्धारमैया सरकार ने इस रोक को हटाने के लिए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (जस्टिस एसजी पंडित और गीता केबी की बेंच) में अपील की। लेकिन डिवीजन बेंच ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार की अपील खारिज कर दी। अदालत ने कर्नाटक सरकार से कहा कि अगर वह राहत चाहती है, तब वह सीधे डिवीजन बेंच में आने के बजाय, पहले सिंगल जज के सामने वापस जाकर उस अंतरिम आदेश को हटाने के लिए आवेदन दे सकती है। सरकार ने यह भी मांग की थी कि रोक केवल उन याचिकाकर्ताओं पर ही लागू होनी चाहिए जिन्होंने आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने इस मांग को भी ठुकरा कर सिंगल जज के सामने रखने को कहा।

रजत जयंती पर हुआ उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

-सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सदन में हुई तीखी बहस, तो लगे खूब ठहाके

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती पर विधानसभा का विशेष सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। तीसरे दिन सदन में कई बार विधायकों में बहस देखने को मिली तो कई बार सदन में ठहाके भी गूंजे। कपकोट से बीजेपी विधायक सुरेश गड़िया जब अपनी बात रखने खड़े हुए तो संसदीय कार्य मंत्री ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर चुटकी लेते हुए कहा कि उनकी तो दाढ़ी के बाल भी नहीं फूटे। इस बात से सदन में कांग्रेसी विधायक भी ठहाके लगाते नजर आए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कपकोट विधायक सुरेश गड़िया को लेकर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों ने खूब चुटकियां लीं, उन्होंने बोलना शुरू भी नहीं किया था कि विपक्षी विधायकों ने उनकी हौसला अफजाई शुरू कर दी। संसदीय कार्य मंत्री ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें बोलने दो, तुम तो रोज दाढ़ी बनाते हो, उनके तो अभी बाल भी नहीं आए हैं। इस पर सदन ठहाकों से गूंज उठा। हालांकि गड़िया ने जब बोलना शुरू किया विपक्षी सदस्यों ने भी मेजें बजाकर उनका समर्थन किया।

बता दें विशेष सत्र में बुधवार को भू-कानून, डेमोग्राफी चेंज पर बहस तब और दिलचस्प हो गई जब कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह और बीजेपी विधायक मुन्ना सिंह चौहान आमने-सामने हो गए। जौनसार बावर की सियासत में कट्टर प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस से सदन का माहौल काफी गर्मा गया था। दरअसल 25 साल के उत्तराखंड में विकास के कामों और ज्वलंत मुद्दों पर सदन में चर्चा हो रही थी। चकराता विधायक प्रीतम अपनी बात रख रहे थे और मुन्ना बार-बार उठकर उनकी बात को काट रहे थे। डेमोग्राफिक चेंज और अवैध लोगों को हटाने के मामले में मुन्ना सिंह ने कहा कि वनभूलपुरा में जब अवैध लोगों को हटाया गया था, तो कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट चली गई। इस पर कांग्रेस के तमाम विधायकों ने कड़ा एतराज जताया और मुन्ना सिंह को घेरा।

मामला में बार-बार टोकने से प्रीतम भी गुस्से में आ गए। मुन्ना ने फिर टोका तो प्रीतम गुस्से में बोल पड़े- क्या दिक्कत है, बार-बार इस तरह बीच में बोल रहे हो। इस पर मुन्ना सिंह ने भी जवाब में कहा कि मुझे धमकाने की कोशिश मत करना। धमकाना मत। दोनों के बीच कुछ देर गर्मागर्मी चलती रही। आखिर में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी ने दोनों को शांत कराया।

दिल्ली के प्रदूषण पर थरूर का तंज... जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति पर केंद्र और दिल्ली सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा! कांग्रेस नेता थरूर ने दिल्ली में पलूशन के स्तर को दिखाती हुई एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक्यूआई के आंकड़ों को दिखाया गया था। शेयर की गई तस्वीर में एक्यूआई लेवल 371 दिखाई दे रहा है, जो कि हजार्ड कैटेगरी में रेड दिखाई दे रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा जैसे-जैसे नवंबर का महीना चढ़ेगा, फेफड़ों पर परफॉरमेंस का बोझ बढ़ेगा! उनके ट्वीट पर कई लोगों के रीट्वीट आए हैं। अरविंद नामक यूजर ने लिखा, कमजोर फेफड़े वालों के लिए डॉक्टरों की सलाह है कि वे चार छह सप्ताह के लिए दिल्ली छोड़ दें। कृपया फेफड़ों पर परफॉर्मेंस का बोझ नहीं डालें। एक यूजर ने अखरोट की तस्वीर शेयर करते हुए तंज कर लिखा, मेरे फेफड़ा का कुछ इलाज बताए। ये अन्य यूजर ने मजाकिया लहजे में समर्थन करते हुए लिखा बिलकुल! एक अन्य यूजर ने दिल्ली सरकार पर हमलावर होकर लिखा, सरकार ने मरने के लिए छोड़ दिया है जनता को? बाहर के देशों में 100-150 पर ही नेशनल इमरजेंसी लग जाती है, ताकि प्रदूषण को खत्म करने का प्रयास किया जा सके। भारत में कहीं चुनाव चल रहे हैं, तब प्रदूषण को खत्म करना अभी महत्वपूर्ण नहीं है।

दिल्ली की निचली अदालतों में 15.6 लाख केस पेंडिंग... 700 से कुछ अधिक जज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में निचली अदालतों में जाने वाले ज्यादातर लोगों के लिए न्याय के लिए सालों का इंतजार एक कड़वी सच्चाई है। कई रिपोर्ट से पता चलता है कि केस बढ़ते जा रहे हैं। इसकी वजह है कि बढ़ते ज्यूडिशियल बैकलॉग से पेंडेंसी और बढ़ रही है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) के डेटा के मुताबिक दिल्ली की निचली अदालतों में 15.6 लाख केस पेंडिंग हैं। इसमें 13.5 लाख क्रिमिनल और 2.18 लाख सिविल केस हैं।

दिल्ली की निचली अदालतों में 700 से कुछ अधिक जज हैं। इसका अर्थ है कि हर जज औसतन 2,200 केसों की पेंडेंसी से निपट रहा है। इसमें सबसे बड़ा और अहम सवाल है कि दिल्ली एनसीटी में इतने अधिक पेंडिंग मामलों के पीछे क्या वजह है। वह भी तब, जब यहां की आबादी करीब 3 करोड़ है।

रिपोर्ट के अनुसार जितने केस निपटाए जा रहे हैं, उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है, जबकि जजों की संख्या करीब उतनी ही है। 2018 में 3.78 लाख केस निपटाए गए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 7.96 लाख हो गया। हालांकि, तभी नए केस आने की संख्या भी दोगुनी से अधिक हो गई, जो 4.84 लाख से बढ़कर 10.2 लाख हो गई।

अधिकतर पेंडिंग केस हाल ही में शुरू किए गए हैं। सभी पेंडिंग केस में से दो-तिहाई केस 2023 से 2025 के बीच शुरू किए गए हैं। बाकी 94 प्रतिशत केस 2018 के बाद से शुरू किए गए हैं। 2017 से पहले के सालों के केस सभी पेंडिंग केस का सिर्फ 6 प्रतिशत हैं। दिल्ली के दो सबसे पुराने केस 1969 के हैं।

रिपोर्ट के अनुसार हर दिन, दिल्ली में लगभग 700 जज करीब 28,000 मामलों की सुनवाई करते हैं। इसका मतलब है कि हर जज औसतन 40 मामलों की सुनवाई करता है। कुछ जजों के पास 10,000 से अधिक मामले पेंडिंग हैं और वे हर दिन 150 से अधिक मामलों की सुनवाई करते हैं। वहीं, कुछ जजों के पास सिर्फ 60 मामले पेंडिंग हैं और वे हर दिन सिर्फ चार से पांच मामलों की सुनवाई करते हैं।

ऐसा अलग-अलग कोर्ट में सौंपे गए मामलों के नेचर की वजह से है। जो कोर्ट सिर्फ चेक बाउंस के मामले सुनते हैं, वे रोजाना औसतन 120 से अधिक मामले सुन रहे हैं। कानून के मुताबिक, इसतरह के मामलों को छह महीने में निपटा देना चाहिए। हालांकि, बहुत अधिक मामले पेंडिंग होने की वजह से, दो सुनवाई के बीच एक साल का अंतर होता है।

बुर्का पहने मतदाताओं की कड़ी जांच की जाए... केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की अपील

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुर्का पहने मतदाताओं की कड़ी जांच की मांग की, ताकि वोटिंग के दौरान किसी भी प्रकार की धांधली न हो सके। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान या बांग्लादेश नहीं है। ये भारत है। और भारत में शरिया कानून लागू नहीं होगा। उन्होंने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष (सेक्युलर) देश बताया, जहां चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक पहचान की जांच जरूरी है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने तर्क दिया कि जब बुर्का पहने महिलाएं आधार कार्ड बनवाने, एयरपोर्ट जाने, रिजर्वेशन कराने, या सरकारी योजनाओं का लाभ लेने जाती हैं, तब वे अपना चेहरा दिखाती हैं, इसलिए वोटिंग के दौरान भी पहचान की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने बुर्के में फर्जी मतदान का पता लगाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के इस्तेमाल पर भी जोर दिया।

वहीं केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने गिरिराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देकर बेवजह हिंदू-मुस्लिम मुद्दा बनाने की कोशिश बताया। उन्होंने सभी मतदाताओं से वोट डालने और लोकतंत्र के इस उत्सव में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर मतदान करें ताकि बिहार के विकास के लिए फिर से एनडीए सरकार बन सके। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर, केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि अगर कांग्रेस को अपने दावों पर भरोसा है, तब उन्हें कोर्ट जाना चाहिए, न कि चुनाव आयोग की प्रक्रियाओं पर सवाल उठाना चाहिए।

बिहार चुनाव में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान जारी है। वोटिंग सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और कुल 45,341 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 3.75 करोड़ से ज्यादा मतदाता 1,314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने वाले हैं।

खस्ताहाल सरकार: चुनावी सीजन में लाड़ली, लक्ष्मी, बहिन की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधी आबादी को अपने पक्ष में करने का आसान तरीका राजनैतिक दलों ने अपनाया है। यही वजह है कि चुनावी सीजन में महिलाओं की बल्ले-बल्ले हो रही है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अब तक 12 राज्यों ने महिलाओं के लिए बिना शर्त नकद हस्तांतरण योजनाएं शुरू की है, जबकि दो साल पहले यानी 2022-23 में ऐसे राज्यों की संख्या मात्र दो थी। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की इस ताजा अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में ये 12 राज्य मिलकर 1,68,050 करोड़ रुपये खर्च करेंगे- जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.5 प्रतिशत है। दो साल पहले यह आंकड़ा 0.2 प्रतिशत से भी कम था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों में आने वाले वर्ष में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां इन योजनाओं पर खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। असम में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इन योजनाओं के लिए 31 प्रतिशत अधिक राशि आवंटित की गई है। पश्चिम बंगाल में यह वृद्धि 15 प्रतिशत रही है। झारखंड सरकार ने अक्टूबर 2024 में मुख्यमंत्री मायन सम्मान योजना के तहत मासिक राशि 1,000 से बढ़कर 2,500 रुपये कर दी। हालांकि, आर्थिक दबाव बढ़ने पर कुछ राज्यों को लाभ राशि घटानी भी पड़ी है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र सरकार ने अप्रैल 2025 में मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना की राशि 1,500 से घटाकर 500 रुपये कर दी, खासकर उन महिलाओं के लिए जो पहले से किसानों हेतु चल रही किसी अन्य प्रत्यक्ष लाभ योजना के तहत 1,000 रुपये प्राप्त कर रही थीं। भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले ही राज्यों को चेतावनी दी है कि बढ़ती सब्सिडियों, कृषि ऋण माफी और नकद हस्तांतरण योजनाओं से राज्यों की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 राज्यों में से छह राज्यों ने वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व घाटे का अनुमान लगाया है।

रिपोर्ट यह भी कहती है कि यदि नकद हस्तांतरण योजनाओं के खर्च को हटाकर देखा जाए, तो इन राज्यों की राजस्व स्थिति बेहतर दिखती है। उदाहरण के लिए - कर्नाटक का राजस्व संतुलन 0.3 प्रतिशत अधिशेष से घटकर 0.6 प्रतिशत घाटे में पहुंच जाता है। मध्य प्रदेश में यह अधिशेष 1.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 0.4 प्रतिशत रह जाता है। चाहे कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी, मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना, महाराष्ट्र की 'लाडकी बहिन' या बिहार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' हो, लगभग हर राजनीतिक दल अब महिलाओं को नकद सहायता के रूप में राहत देने की कोशिश कर रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना बताया जाता है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि ये योजनाएं चुनाव से पहले महिलाओं तक सीधी पहुंच बनाने का आसान और असरदार तरीका बन चुकी है।